मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

आषाढ़, पक्ष - शुक्ल, तिथि - चतुर्दशी, संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-20, 14 जुलाई - 20 जुलाई, 2021 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

बिना हेलमैट तीन-चार के झुंड में दौड़ते बाइक सवार!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पैदल अथवा वाहन पर चलते समय अचानक कान में हुर्र की आवाज सुनाई देती है। चौंक कर देखते हैं तो एक बाइक पर सवार तीन-चार आवारा किस्म के लड़के सरपट दौड़ते हुए दिखाई देते हैं। ऐसे आवारा किस्म के लड़के आजकल खूब दिखाई देते हैं। सुबह का समय हो, दोपहर का समय हो, शाम का समय अथवा रात हो। इन आवारा किस्म के युवाओं के लिए कोई समय सीमा नहीं है कोई कायदे कानून नहीं है। कोई पुलिस का भय नहीं है। पुलिस के सामने लाल बत्ती में भी ये सड़क पार कर जाते हैं और पुलिस इनको मूक दर्शक बनी देखती रहती है। दूसरी तरफ अगर कोई सभ्य आदमी अथवा पति-पत्नी बाइक पर जा रहे होते हैं और उनके साथ कोई तीसरी सवारी विशेष परिस्थिति में जा रही हो अथवा किसी एक सवारी बिना हेलमेट के हो तो यातायात पुलिस के जवान उसे भागकर रोक लेते हैं और तुरन्त उसकी बाइक या स्कूटर की चाबी निकाल कर साइड में ले जाते हैं। मिन्नतें करने या कारण बताने के बावजूद उनको बिना चालान के छोड़ा नहीं जाता है। जबकि पुलिस को आवारा किस्म के युवाओं पर विशेष नजर रखने की जरूरत है। इनमें किशोर वय और नाबालिग भी शामिल हैं। ऐसे आवारा स्कूल टाइम के समय एवं प्रातः पार्कों के इर्द-गिर्द ज्यादा दिखाई देते हैं और बच्चियों के इर्द-गिर्द मंडराते रहते हैं। हालांकि इस समय स्कूल कॉलेज बंद होने के कारण ये कालोनियों में चक्कर काटते दिखाई दे जाते हैं। किसी से इनकी कहासुनी हो जाए तो ये तुरन्त उसके साथ मारपीट कर भाग जाते हैं। ये कौन लोग हैं और क्यों इस तरह से घूमते हैं। ये समझ से परे है। बाइक सवार ऐसे आवारा किस्म के युवा संकरी गलियों में भी हल्ला-मचाते हुए दौड़ते देखे जाते हैं। चाहे इनकी तेज गति से कोई इनकी चपेट में आकर घायल हो जाए। इनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। ये असामाजिक तत्व कभी किसी संवेदनशील मामलों में अशांति उत्पन्न कर सकते हैं। समय रहते पुलिस के साथ ही जागरूक नागरिकों को इनके छुपे मंसूबों का पता करना जरूरी है। वरना ये कभी भी उपद्रव का कारण बन जाएंगे। ये तो भागकर कहीं छुप जाएंगे लेकिन आमआदमी इनके कारनामों की चपेट में आ जाएंगे।

shivdayalmishra@gmail.com

ओडिशा के भद्रक में मिला दुर्लभ पीला कछुआ

करीब 2 किलो वजन, अनोखा पीले रंग

भद्रक (ओडिशा)। ओडिशा के भद्रक जिले में पीले रंग का एक दुर्लभ कछुआ देखा गया और उसे सुरक्षित रूप से बचा लिया गया। सूत्रों के अनुसार भद्रक जिले के चांदबली प्रखंड के एक स्थानीय स्कूल शिक्षक ने करीब 2 किलो वजनी अनोखे पीले रंग के कछुए को बचाया। उन्होंने स्थानीय वन अधिकारियों को सूचित किया और कछुआ उन्हें सौंप दिया। दुर्लभ कछुए को देखने के लिए लोग बड़ी संख्या में उनके घर पर जमा हो गए। बाद में वन अधिकारियों ने कछुए को बैतरनी नदी में छोड़ा। ओडिशा के प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ), वन्यजीव शशि पॉल ने बताया कि 12 जुलाई को चंदबली वन्यजीव रेंज से बैतरनी नदी से एक अल्बिनो इंडियन फ्लैपशेल कछुए (लिसेमी का पंक्टाटा) को बचाया गया था। इसे पशु चिकित्सक से परामर्श के बाद छोड़ा गया था।

ओलिंपिक टीम को मोदी का मंत्र: तोक्यो ओलिंपिक का आयोजन 23 जुलाई से जापान में होगा

अपेक्षाओं के बोझ तले दबने की जरूरत नहीं

भारतीय दल के ध्वजवाहक दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह होंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तोक्यो ओलिंपिक में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों से वर्चुअल बात कर उनका उत्साह बढ़ा रहे हैं। बैठक में खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने पहले तीरंदाज दीपिका कुमारी को वर्ल्ड नंबर वन बनने पर बधाई दी। और साथ ही कहा कि आपसे उम्मीदें ज्यादा है। इस पर दीपिका ने कहा कि वह ओलिपिंक में अच्छा प्रदर्शन करेंगी। पीएम ने जब दीपिका से पूछा कि मैंने सुना है कि आप पहले आम तोड़ने के लिए निशाना लगाती थीं, इसपर इस स्टार तीरंदाज ने कहा कि उन्हें आम बहुत प्रिय थे इसलिए वह ऐसा करती थीं। ट्रैक एंड फील्ड के एथलीट से तीरंदाज बने प्रवीण जाधव का भी मोदी ने हौसला बढ़ाया। जाधव बेहद गरीब परिवार से आते हैं। पिता दिहाड़ी मजदूर थे, उन्हें भी ये दिन न देखना पड़े इसलिए प्रवीण ने खेल का रास्ता चुना। पीएम ने प्रवीण के माता-पिता के संघर्षों को प्रणाम किया। मोदी ने भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से कहा कि अपेक्षाओं के बोझ तले दबने की जरूरत नहीं है। आप पूरा प्रयास कीजिए। अपना शतप्रतिशत दीजिए।

दुती चंद ओलिंपिक में छा जाने को तैयार हैं

फर्राटा धाविका दुती चंद को भी प्रधानमंत्री ने हिम्मत दी। उन्होंने कहा, आपके नाम का अर्थ ही चमक है। आप ओलिंपिक में छा जाने के लिए तैयार हैं। फिर ओडिशा की इस एथलीट ने अपने संघर्ष की दास्तां सुनाई।

आशीष को सचिन का उदाहरण

हाल ही में अपने पिता को खोने वाले बॉक्सर आशीष कुमार को मोदी ने सचिन तेंडुलकर का उदाहरण दिया और कहा कि सचिन पर विश्व कप के दौरान दुखों का पहाड़ टूटा था, लेकिन उन्होंने अपने खेल से पिता को श्रद्धांजलि दी थी। आप भी हिम्मत मत हारिए।

मोहम्मद अली से मिली प्रेरणा

एमसी मैरीकॉम से मोदी ने उनका पसंदीद पंच और खिलाड़ी का नाम पूछा। मैरीकॉम ने बताया कि हुक लगाना उन्हें बेहद पसंद है साथ ही मोहम्मद अली से उन्हें काफी प्रेरणा मिलती है।

पीएम ने सिंधु से पूछा ये सवाल

रियो ओलिंपिक से पहले आपका फोन ले लिया गया था आइसक्रीम खाने पर भी पाबंदी लग गई थी, क्या इस बार भी आप पर कोई बैन लगा है। इस सवाल पर शटलर पीवी सिंधु ने हंसते हुए एक खिलाड़ी के फिटनेस की अहमियत पर प्रकाश डाला।

जागरूक खबरें

■ उदयपुर से अहमदाबाद और जयपुर के लिए शुरू होगी फ्लाइट

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी में अप्रैल से उदयपुर से जयपुर और अहमदाबाद के लिए फ्लाइट का संचालन बंद कर दिया गया था। लेकिन अब 17 जुलाई से जयपुर अहमदाबाद फ्लाइट का संचालन फिर से शुरू होगा। जिसके तहत सुबह 7:05 पर सप्ताह में 4 दिन उदयपुर से अहमदाबाद की फ्लाइट उड़ान भरेगी। जो सुबह 8:15 पर अहमदाबाद पहुंचेगी। इसके साथ ही जयपुर के लिए सुबह 9 बजे उड़ान भरी जाएगी जो सुबह 10 बजे तक जयपुर पहुंचेगी।

■ नीट 12 सितंबर को, आवेदन शुरू

नई दिल्ली/कोटा @ जागरूक जनता। नीट 2021 अब 1 अगस्त के बजाय 12 सितंबर को होगी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी घोषणा की है। प्रधान ने कहा कि नीट यूजी 12 सितंबर 2021 को होगी। आवेदन प्रक्रिया एनटीए की वेबसाइट के जरिए शुरू हो गई है।

■ यूपीएससी-प्री का सेंटर बदलने के लिए विंडो खुली

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 10 अक्टूबर को होगी। आयोग ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा और भारतीय वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2021 के उम्मीदवारों के लिए परीक्षा केंद्र की पसंद को अपडेट करने के लिए लिंक को ओपन कर दिया है।

■ उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा रद्द

देहरादून। यूपी में कांवड यात्रा मार्ग पर जरूरी सुविधाएं जुटाने का काम तेजी से चल रहा है, वहीं उत्तराखंड में फिलहाल पुलिस- प्रशासन और बाजार के स्तर पर भी यात्रा की कोई तैयारी नहीं है। उत्तराखंड में फिलहाल कांवड पर पूरी तरह रोक लागू है। उत्तराखंड सरकार 30 जून को ही यात्रा स्थगित करने का आदेश कर चुकी है। कांवड यात्रा 22 जुलाई से प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने दी सैद्धांतिक सहमति

जनजाति क्षेत्र में विकास के लिए 100 करोड़ मंजूर

जनजाति म्यूजियम के विकास के लिए 3 करोड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने जनजाति क्षेत्र में विकास के लिए सौ करोड़ रुपए की राशि जारी करने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इन क्षेत्रों में संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के सुचारू संचालन तथा विकास कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने की सैद्धांतिक सहमति दे दी है।

गहलोत ने जनजाति जनभागीदारी योजना में 10 करोड़, मारवाड़ संभाग के जनजाति समुदाय के कार्यक्रम के लिए 15 करोड़, सामुदायिक वन अधिकार क्षेत्र के विकास के लिए 10 करोड़, आवासीय विद्यालयों में क्षमता विकसित करने के लिए 10 करोड़, कुपोषण, टीबी, सिकल सेल्स के रोगियों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 5 करोड़, आवासीय विद्यालय एवं छात्रावासों की रैंकिंग सुधार को लेकर सुविधाओं के विकास के लिए 10 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। इसी प्रकार टीआरआई प्रांगण में जनजाति म्यूजियम के विकास के लिए 3 करोड़, खेल छात्रावासों को खेल अकादमी में क्रमोन्नत करने तथा नवीन खेल अकादमी के निर्माण के लिए 5 करोड़, मां बाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण के लिए 10 करोड़, डेयरी, पशुपालन, कृषि, उद्यानिकी, कुसुम, कौशल उन्नयन के माध्यम से जनजाति परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 10 करोड़ तथा विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता, कोचिंग, गेस्ट फेकल्टी सहित अन्य गतिविधियों के लिए 12 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक मंजूरी दी है।

सहायक सांख्यिकी अधिकारी सहित 468 पदों पर सीधी भर्ती जल्द

प्रदेश में सहायक सांख्यिकी अधिकारी सहित 468 पदों पर सीधी भर्ती जल्द हो जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सहायक सांख्यिकी अधिकारी के 218 एवं संगणक के 250 पदों पर सीधी भर्ती को मंजूदी दे दी। इस मंजूरी से आर्थिक एवं सांख्यिकी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित राज्य के विभिन्न विभागों में सांख्यिकी संवर्ग के लंबे समय से रिक्त पदों को भरा जा सकेगा। इससे इन विभागों में विभिन्न विकास योजनाओं और कार्यक्र मों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन संबंधी कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगे।

आदिवासी क्षेत्रों में वैक्सीन से बच रहे लोग

मुख्यमंत्री गहलोत बोले-आदिवासी इलाकों में वैक्सीन नहीं लगावाने की भावना फैली हुई है इसे दूर करें...

वैक्सीन लगाने से जीवन सुरक्षित होगा-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि आदिवासी इलाकों में कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाने की भावना फैली है,आदिवासी इलाकों में लोग वैक्सीन नहीं लगवा रहे हैं। आदिवासी इलाकों में लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए जागरूक करना होगा, इसमें जनप्रतिनिधि आगे आएं। हाल ही एक सर्वे हुआ है जिसके मुताबिक राजस्थान में 10 फीसदी लोग वैक्सीन लगाने के अनिच्छुक हैं, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रतिशत 15 से ज्यादा है। गहलोत कुशलगढ़ विधायक निर्मला खड़िया के पति और पूर्व प्रधान हुरतिंग खड़िया की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर बोल रहे थे। गहलोत ने कहा, वैक्सीन लगवाने के बाद कोरोना का खतरा कम हो जाता है। मुझे भी दो डोज लगवाने के बाद कोराना हो गया था लेकिन वह बहुत माइल्ड था। इसलिए सबको वैक्सीन लगाना जरूरी है। हमें सबको मिलकर जीवन बचाना है और आजीविका भी बचानी है। हमारे सबके दिल में यह भावना होनी चाहिए कि हम राजनीतिक विचारधारा, जाति, धर्म और वर्ग से उपर उठकर उसी ढंग से सबकी मदद करनी है।

ANCHOR **सड़क परिवहन मंत्रालय की योजना**

नेशनल हाईवे के किनारे बसाई जाएंगी नई स्मार्टसिटी और टाउनशिप

कैबिनेट से ली जाएगी मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय हाईवे के किनारे स्मार्टसिटी, टाउनशिप्स, लॉजिस्टिक्स पार्क और इंडस्ट्रियल क्लस्टर का निर्माण करने की योजना बना रहा है। इसको लेकर मंत्रालय की ओर से प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय कैबिनेट में पेश किया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी है।

देश में वर्ल्ड क्लास हाईवे नेटवर्क बनाने का लक्ष्य

एक वर्चुअल इवेंट में बोलते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में वर्ल्ड क्लास हाईवे नेटवर्क तैयार करना है। साथ ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय पूंजी जुटाने के लिए मौजूदा हाईवे प्रोजेक्ट को मॉनिटाइज करने का प्लान बना रहा है। अब हमने हाईवे किनारे टाउनशिप्स, स्मार्टसिटी, लॉजिस्टिक पार्क और इंडस्ट्रियल क्लस्टर के निर्माण की मंजूरी के लिए कैबिनेट नोट तैयार किया है।

भारतमाला परियोजना के दूसरे फेस की स्कीम जमा की

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मंत्रालय ने भारतमाला परियोजना के दूसरे फेस की स्कीम जमा कर दी है। इस फेस में 65 हजार से 70 हजार किलोमीटर लंबे हाईवे का निर्माण किया जाना है। उन्होंने कहा कि हम पार्किंग प्लाजा, लॉजिस्टिक पार्क का निर्माण कर रहे हैं। अब हम 2.5 लाख करोड़ रुपए की लागत से सुरंग निर्माण की योजना बना रहे हैं।

रोड प्रोजेक्ट की लागत बढ़ना गंभीर मुद्दा

नितिन गडकरी ने कहा कि रोड प्रोजेक्ट की लागत बढ़ना गंभीर मुद्दा है। उन्होंने सभी कॉन्ट्रेक्टर्स को अपने प्रस्ताव मंत्रालय को भेजने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वे पॉजिटिव हैं, लेकिन कॉन्ट्रेक्ट से बंधे हुए हैं। हम इस मुद्दे का हल निकालने का प्रयास करेंगे। हाल ही में कुछ हाईवे कॉन्ट्रेक्टर्स की ओर से निविदा प्राइस से भी कम की बोली लगाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा,'' हम जानते हैं कि मंत्रालय की ओर से नियमों में ढील देने पर कुछ बड़े कॉन्ट्रेक्टर नाराज हैं।

कॉन्ट्रेक्टर्स के बीच होना चाहिए कंपटीशन

उन्होंने कहा कि रोड प्रोजेक्ट से जुड़े कॉन्ट्रेक्टर्स के बीच कंपटीशन होना चाहिए। और यह भी सत्य नहीं है कि जिन कॉन्ट्रेक्टर्स ने काम के लिए कम बोली लगाई है, वे काम की गुणवत्ता के साथ समझौता करेंगे। कॉन्ट्रेक्टर्स को सरवाइव करने के लिए निर्माण की लागत कम करनी होगी। अब वो दिन गए जब 5-7 बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनियां गठजोड़ करके कॉन्ट्रेक्ट ले लेती थीं। मैं उन कंपनियां का तकनीकी और वित्तीय क्वालिफिकेशन खेल अच्छी तरह समझता हूं।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन जल्द

नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन जल्द ही होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन एवं हाईवे मंत्रालय ने 1 लाख करोड़ रुपए के सुरंग प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने नेशनल हाईवे के किनारे पेड़ लगाने को लेकर कॉन्ट्रेक्टर्स के गंभीर ना होने पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के विभिन्न उपाय अपनाने से 2018 में प्रति किलोमीटर में हादसों की दर 0.4 से घटकर 2020 में 0.3 पर आ गई है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@rediffmail.com

jagrukjanta.net

जागरूक सिटी

जागरूक जनता • जयपुर, बुधवार, 14 जुलाई - 20 जुलाई, 2021 • पेज 02

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	33°C	27°C
जोधपुर	37°C	29°C
अजमेर	36°C	27°C
उदयपुर	33°C	25°C

सूर्योदय ▸ प्रात : 05:35 बजे सूर्यास्त ▸ सांय : 06:50 बजे चन्द्रोदय ▸ 09 : 28 बजे चन्द्रास्त ▸ 10 : 19 बजे (दूसरे दिन)

जागरूक खबरें

भारत विकास परिषद के स्थापना दिवस पर बांधे परिण्डे

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद मुरलीपुरा शाखा के पदाधिकारियों सहित सदस्यों ने परिषद का स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सदस्यों ने मुरलीपुरा स्कीम मुख्य सर्किल पर पक्षियों के लिए परिण्डे बांधे। कार्यक्रम में समापन पर बच्चों और महिलाओं को टॉफी एवं बिस्कुट के पैकेट बांटे गए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष बीना पारीक, सचिव लोकचंद हरिरामानी, शाखा संरक्षक नगेन्द्र वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष कुलदीप सिंह साहनी, शिवदयाल मिश्रा, शैलेन्द्र शर्मा एवं मोहन नामदेव के अलावा बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया और सबने परिण्डे बांधे।

लायंस क्लब ने बांटे फलदार पौधे

जयपुर @ जागरूक जनता। लायंस क्लब एंजल रूबी की अध्यक्ष लायन कमलेश सोनी ने बताया कि "पर्यावरण सप्ताह सांसों का कर्ज चुकाना है" के अंतर्गत वृक्षारोपण कोऑर्डिनेटर आशा शर्मा के सहयोग से बहुत ही सफल प्रोजेक्ट किया गया। जिसमें तकरीबन 200 छायादार एवं फलदार पेड़ पौधे जिसे नीम आम जामुन अमरूद शहतूत आंवला इत्यादि पौधे वितरित किए एवं अलग-अलग स्थानों पर पेड़ लगाए गए। इस अवसर पर सम्मानित किए गए डॉक्टर एवं सीए ने भी अपने हाथों से एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर क्लब संरक्षक लायन अंजना जैन, लायंस प्रांतीय अध्यक्ष स्वयं सिद्धा की उषा भंडारी मंजू मित्तल नीलम मधु सोनी उपस्थित थे। सचिव मधु शुक्ला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

तालकटोरा के दिन फिरे, पानी साफ हुआ, हेरिटेज बिल्डिंगों की भी मरम्मत

जयपुर @ जागरूक जनता। लंबे अरसे से सिस्टम की बेरुखी की भेंट चढ़े ऐतिहासिक तालकटोरा के दिन फिर रहे हैं। स्मार्ट सिटी के बजट से आरटीडीसी ने यहां जो काम शुरू किया था, वह निखरकर सामने आने लगा है। वाटर बॉडी से गंदगी-मलबा और जलकुंभी को साफ कर दिया गया है। साथ ही यहां आसपास हेरिटेज बिल्डिंग और छतरी के काम को भी टेक अप कर लिया गया है। स्थानीय निवासियों में इससे बेहद खुशी है कि काम पूरा होने के बाद यह जगह पर्यटन के रूप में उभरेगी। संबंधित अफसर इंजीनियरों के मुताबिक इस साल काम पूरा होने की उम्मीद है।

जयपुर मेट्रो... अब रात 9.21 बजे तक कर सकेंगे सफर

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर मेट्रो सुबह 6.20 बजे से रात 9.21 बजे तक चलेगी। जयपुर मेट्रो अब हर दिन 10 मिनट के अंतराल से लोगों का मिलेगी। बड़ी चौपड़ से मानसरोवर के लिए आखिरी मेट्रो ट्रेन रात 9.21 बजे मिलेगी, वहीं मानसरोवर से बड़ी चौपड़ के लिए आखिरी मेट्रो रात 9.20 बजे चलेगी। एक दिन में मेट्रो कुल 178 फेरे लगाएगी। जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अजिताभ शर्मा ने बताया कि मेट्रो परिचालन की यह व्यवस्था सरकार के आगामी आदेशों तक रहेगी। मेट्रो में सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के पूरे इंतजाम किए गए है। बिना मास्क यात्री मेट्रो में सफर नहीं कर सकेंगे। कोरोना गाइडलाइन की सख्ती से पालना करवाई जाएगी। कोरोना गाइडलाइन की पालना के लिए मेट्रो कर्मचारी और मेट्रो पुलिस मौजूद रहेगी। निदेशक अजिताभ शर्मा ने बताया कि छोटी चौपड़ पर स्थित आर्ट गैलरी भी अब सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुलेगी।

अभी रविवार, एकादशी व पूर्णिमा को गोविंददेवजी मंदिर दर्शनार्थियों के लिए रहेगा बंद

गोविंददेवजी मंदिर अब ग्वाल व संध्या झांकी के दर्शनों के लिए भी खुला

भक्त शाम को ग्वाल व संध्या झांकी के कर सकेंगे दर्शन

मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर अब सुबह से रात 8 बजे तक खुलेगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सरकार ने धार्मिक स्थलों को सुबह 6 से रात 8 बजे तक खोलने की अनुमति देने के बाद अब भक्त गोविंददेवजी मंदिर व मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में शाम की झांकियों के भी दर्शन कर सकेंगे। गोविंददेवजी के मंगला और शयन झांकी में अभी दर्शनार्थियों के प्रवेश पर पांबदी रहेगी। वहीं मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर सुबह से रात 8 बजे तक खुले रहेंगे। गोविंददेवजी मंदिर प्रवक्ता मानस गोस्वामी ने बताया कि दर्शनार्थी अब शाम की ग्वाल और संध्या झांकी के दर्शन भी कर सकेंगे। ग्वाल झांकी शाम 5 बजे से 5.30 बजे तक रहेगी, वहीं संध्या झांकी शाम 5.45 से 7 बजे तक रहेगी। मंगला और शयन झांकी में दर्शनार्थियों का प्रवेश निषेध रहेगा। इसके साथ ही जुलाई माह के सभी रविवार, 20 जुलाई को देवशयनी एकादशी और 24 जुलाई को पूर्णिमा पर मंदिर दर्शनार्थियों के लिए बंद रहेगा। गोस्वामी ने लोगों से अपील भी की है कि जिन भक्तों ने कोविड वैक्सीन लगवा ली है, वे ही दर्शन करने मंदिर आए। मंदिर में परिक्रमा अभी बंद रहेगी। वहीं फूल माला, मिठाई व अन्य पूजन सामग्री भी नहीं चढ़ा पाएंगे। इससे पहले भक्त धूप, शृंगार और राजभोग झांकी में ही मंदिर में ठाकुरजी के दर्शन कर पा रहे थे।

गलता तीर्थ दर्शनार्थियों के लिए खुला, नहीं कर पाएंगे स्नान

गलता कुंडों व धर्मशालाओं में प्रवेश पर रहेगी पाबंदी, गलता परिसर के मंदिरों में कर सकेंगे भक्त दर्शन

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद ही दिया जाएगा प्रवेश, सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा गलता तीर्थ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उत्तर भारत की प्रमुख पीठ श्रीगलता तीर्थ भक्तों के लिए खोल दिया गया, हालांकि श्रद्धालु अभी गलता स्नान नहीं कर पाएंगे। गलता के सूर्य कुंड सहित अन्य सभी कुंडों व धर्मशालाओं में लोगों के प्रवेश पर पाबंदी रहेगी। गलता तीर्थ में आने से पहले लोगों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। गलता परिसर में प्रवेश के बाद वहां करीब एक घंटा तक ही रूक पाएंगे। गलता पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य ने बताया कि कोरोना गाइडलाइन की पालना के साथ गलता तीर्थ को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। श्रद्धालु अब सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक गलता तीर्थ में आ सकेंगे। हालांकि गलता स्नान पर पाबंदी रहेगी। वहीं कुंडों पर भी लोगों प्रवेश पर पाबंदी रहेगी। लोगों को आने से पहले गलता तीर्थ की वेबसाइट पर ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा एक घंटा रहेगी। श्रीगलताजी परिसर में प्रवेश घाट की गूणी, सिसोदिया रानी के बाग़ से होते हुए आने वाले सड़क मार्ग (पूर्वी द्वार) से ही दिया जाएगा। सुरक्षा कारणों से गलता गेट से आने वाले घाटी मार्ग से प्रवेश पूर्णतया निषेध रहेगा।

इनकी करनी होगी पालना

- » परिसर में मास्क और 2 व्यक्तियों के मध्य कम से कम 2 गज की दूरी रखना अनिवार्य होगा।
- » कुण्डों, घाटों, धर्मशालाओं व कुण्ड पर स्थित भवनों, मंदिरों में आमजन का प्रवेश पूर्णतया निषेध रहेगा।
- » प्रसाद, चरणामृत आदि नहीं दिए जाएंगे।
- » रैलिंग, दीवारें, घंटे आदि किसी भी वस्तु को छूना पूर्णतया निषेध रहेगा।
- » परिसर में व्यर्थ बैठना, बातें आदि करने की अनुमति नहीं होगी।

इस बार सावन 29 दिन का ही रहेगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

25 से होगा शुरू, पहला सोमवार 26 जुलाई को

इस साल सावन महीना रविवार से शुरू होकर रविवार को ही होगा समाप्त

जयपुर। भगवान महादेव का प्रिय महीना सावन इस बार 29 दिन का ही होगा। आगामी 25 जुलाई से शुरू हो रहे श्रावण मास में कृष्ण पक्ष की एकम व शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का क्षय है। हालांकि कृष्ण पक्ष में छठ तिथि दो दिन रहेगी। ऐसे में कृष्ण पक्ष तो पूरे 15 दिन का होगा, लेकिन शुक्ल पक्ष 14 दिन का ही रहेगा।

पं. अक्षय शास्त्री ने बताया कि पंचांग का पांचवा महीना सावन 22 अगस्त तक चलेगा। खास बात यह है कि सावन का महीना रविवार से शुरू होकर रविवार को ही समाप्त होगा। इस बार सावन में नवमी तिथि की हानि हो रही है। इसके परिणाम स्वरूप भारत के किसी राज्य में सत्ता परिवर्तन का योग बन रहा है। सावन में चार सोमवार व दो प्रदोष व्रत रहेंगे। इसके अलावा कई विशेष शुभ योग भी आएंगे। भोलेनाथ की आराधना व भक्ति के लिए शिवालयों में तैयारियां होने लगी हैं। सावन का पहला सोमवार 26 जुलाई को, दूसरा सोमवार 2 अगस्त को, तीसरा सोमवार 9 अगस्त को व चौथा सोमवार 16 अगस्त को होगा।

कृष्ण पक्ष में एकम क्षय, अशुन्य शयन व्रत 25 को

कृष्ण पक्ष में एकम क्षय होने से अशून्य शयन व्रत रविवार 25 जुलाई को रहेगा। सुखी दांपत्य जीवन के लिए व्रत में लक्ष्मीजी को भगवान विष्णुजी की गोद में शयन कराकर दोनों की पूजा शाम को करने का विधान है। संयोग, इस बार 29 दिन का सावन, 25 जुलाई से होगा शुरू। सावन महीना रविवार से शुरू होकर रविवार को ही समाप्त होगा।

श्रीमद्भागवत कथा सार का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा जयपुर गत 11 जुलाई से 18 जुलाई तक संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत श्रीमद् भागवत कथा सार का आयोजन कर रही है जिसका वचन आचार्य विनोद बिहारी शर्मा कर रहे हैं। यह कार्यक्रम आभासी पटल पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डीडी शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर पश्चिम रीजन रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आर एस सक्सेना प्रांतीय अध्यक्ष राजस्थान उत्तर पूर्व रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ नित्या तोमर ने बताया कि आभासी मंच पर चल रही भागवत कथा में भारत विकास परिषद की विभिन्न शाखाओं के सदस्य भाग लेकर कथा का आनंद उठा रहे हैं।

पैसा 13 साल की किस्तों में चुकाने की सुविधा, कई फ्लैट पॉश इलाकों में

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड आधी कीमत पर बेचेगा घर

पहले 25% छूट थी, अब 50%

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अपने यहां बचे मकानों (स्वतंत्र आवास और फ्लैट्स) को 19 जुलाई से ऑनलाइन ओपन नीलामी के जरिए बेचेगा। कोरोनाकाल से पहले इनमें से अधिकांश मकानों को बोर्ड प्रशासन ने 25त्न तक की छूट पर बेचने का प्रयास किया था, पर सफलता नहीं मिली। बोर्ड प्रशासन ने अब इन्हें 50त्न तक की छूट पर देने का निर्णय किया है। खास बात यह है कि इन मकानों के लिए एकमुश्त पैसे न देकर 10 फीसदी रकम पर ही कब्जा मिल जाएगा। शेष 90 फीसदी रकम 13 साल की अवधि में किस्तों में अदा करनी होगी।

जयपुर के प्रताप नगर, इंदिरा गांधी नगर, कोटपूतली के अलावा भरतपुर, डूंगरपुर और अलवर के भिवाड़ी शहर में ये मकान हैं, जिन्हें ई-नीलामी के जरिए बेचा जाएगा। इन मकानों के लिए प्रत्येक सोमवार से बुधवार शाम 4 बजे तक बिड लगाई जा सकेगी। ये बिड ऑनलाइन ही 19 जुलाई से शुरू होगी, जिसके लिए आवेदक को पहले प्री-रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

10 लाख की कीमत का फ्लैट 6 लाख रुपए में

जयपुर के प्रताप नगर स्थित द्वारकापुरी अपार्टमेंट में 1111 फ्लैट इस बिड में बेचे जाएंगे। ये फ्लैट करीब 4-5 साल पहले आवंटियों को करीब 10 लाख रुपए में आवंटित किए गए थे। अब इन्हीं में से बचे फ्लैट्स को हाउसिंग बोर्ड 6 लाख रुपए की कीमत पर बेचने के लिए बिड शुरू कराएगा। साल 2006 में जब आवेदन मांगे गए थे, तब लोगों को इसकी अनुमानित लागत 2.85 लाख रुपए बताई थी, लेकिन प्रोजेक्ट लेट होने के कारण बाद में इन्हीं फ्लैट्स के हाउसिंग बोर्ड ने आवंटियों से 6 से लेकर 10 लाख रुपए तक लिए थे।

51 लाख के फ्लैट 38.54 लाख में मिलेंगे

फाईल

जयपुर के मानसरोवर जैसी पॉश कॉलोनी में बने द्वारका अपार्टमेंट के 2 बीएचके फ्लैट्स, जिन्हे 2 साल पहले मूल आवंटियों को 51 लाख रुपए में दिया गया था, बचे हुए फ्लैट्स को अब 38.54 लाख रुपए में बेचा जाएगा। इसके अलावा जयपुर में प्रताप नगर में गोमती अपार्टमेंट में 77 फ्लैट्स और प्रताप अपार्टमेंट के एचआईजी और एलआईजी के फ्लैट्स हैं।

स्वतंत्र मकान भी

हाउसिंग बोर्ड फ्लैट्स के अलावा स्वतंत्र मकानों को भी बेचेगा। ये स्वतंत्र मकान 32 हैं, जो 50 फीसदी तक की छूट पर बेचे जाएंगे। इनमें भरतपुर की एस.टी.सी. योजना में उपलब्ध HIG के 2 मकान, डूंगरपुर के शिवाजी विस्तार नगर योजना में एमआईजी के 3 डुप्लेक्स, भिवाड़ी की अरावली विहार योजना में HIG के 11 आवास, जयपुर के कोटपूतली के रामकृष्णम योजना में ईडब्लूएस के 6, एलआईजी के 4, एमआईजी के 5 और एमआईजी बी का 1 मकान 50 प्रतिशत की छूट पर बेचा जाएगा।

व्यापारियों को विशेष पैकेज दे सरकार - देवेंद्र

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि कोरोना महामारी से ब्यापारियों का व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो गया है । कोरोना के चलते व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। जिसके कारण उनका लेनदेन उत्पादन सप्लाई सब प्रभावित हुए। उन्हें वापस अपने व्यापार को पटरी पर लाने के लिये आर्थिक पैकेज दिया जाना चाहिये। वर्तमान समय में व्यापारी बड़े संघर्ष का सामना कर रहे हैं ऐसे में केंद्र व राज्यों की सरकारों को चाहिए कि उनके साथ संवाद कर उन्हें राहत प्रदान करें।

हेरिटेज व जयपुर ग्रेटर नगर निगम ने किए आदेश

सामूहिक विवाह सम्मेलन में मौके पर बनेंगे मैरिज सर्टिफिकेट

निगम अधिकारी मौके पर जाकर करेंगे पंजीकरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सामूहिक विवाह सम्मेलनों में विवाह बंधनों में बंधने वालों को अब मैरिज सर्टिफिकेट के लिए नगर निगमों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। हेरिटेज और जयपुर ग्रेटर नगर निगम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजन स्थल पर ही नवविवाहिताओं के मैरिज सर्टिफिकेट बनाएगा। इसके लिए दोनों नगर निगमों के रजिस्ट्रार ने आदेश जारी कर दिए है, हालांकि सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजन करने वालों को इसकी सूचना पहले नगर निगम को देनी होगी। सामूहिक विवाह सम्मेलनों में ऑन द स्पॉट विवाह स्थल पर ही विवाह पंजीकरण करने की तैयारी को लेकर दोनों नगर निगमों के रजिस्ट्रारों ने सभी जोनों के उप रजिस्ट्रारों को आदेश जारी किए हैं। ग्रेटर निगम रजिस्ट्रार प्रदीप पारीक ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों की सूचना पर निगम की टीम विवाह स्थल पहुंचकर पंजीकरण करेंगे। इसके लिए आयोजन कर्ताओं की ओर से निगम को सूचना उपलब्ध करानी होगी। इसके बाद नगर निगम आयोजन कर्ताओं को विवाह पंजीयन के जरूरी दस्तावेजों के बारे में जानकारी उपलब्ध करा देगा। सामूहिक विवाह के समय विवाह आयोजन करने वालों को इन दस्तावेजों की पूर्ति करनी होगी। मौके पर ही नोटरी करवानी होगी।

रामगढ़ विषधारी अभयारण्य को मिली टाइगर रिजर्व के तौर पर मिली सैद्धांतिक मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने बूंदी के रामगढ़ विषधारी वन्यजीव अभयारण्य को टाइगर रिजर्व बनाए जाने की सैद्धांतिक सहमति दे दी है। अब सरकार इसे टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित करेगी और उसके बाद यहां एनक्लोजर बनाने, टाइगर रिजर्व की फेंसिंग आदि का कार्य किया जाएगा और बाघों को यहां शिफ्ट किया जाएगा। रामगढ़ विषधारी अभ्यारण्य सदियों से ही वन्यजीवों का आवास रहा है। ये रणथंभौर टाइगर रिजर्व और कोटा के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के बीच एक गलियारे की तरह स्थित है और यहां पर बाघों का आना जाना लगा रहता है। रणथम्भौर से टी-91 और टी-62 बाघ यहां आ चुके हैं और गत वर्ष से टी-115 का लगातार रामगढ़ में मूवमेंट बना हुआ है। बाघों के मूवमेंट और यहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को देखते हुए इसे टाइगर रिजर्व घोषित किए जाने की मांग की जा रही थी। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व का कोर एरिया 30920.51 हेक्टेयर का होगा जबकि बफर जोन 74091. 93 हेक्टेयर का होगा।

ANCHOR

बाल आयोग अब श्रम विभाग एवं पुलिस के साथ चलायेगा प्रदेशव्यापी अभियान

बच्चों से नहीं करा सकेंगे भिक्षावृत्ति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अब बच्चों से कोई भिक्षावृत्ति नहीं करा सकेगा। इसके लिए बाल अधिकार संरक्षण आयोग श्रम विभाग एवं पुलिस के साथ मिलकर जल्द प्रदेशव्यापी अभियान चलाएगा। इस अभियान में बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया जाएगा। यह निर्णय राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की फुल कमीशन की बैठक आयोग में लिया गया।

अध्यक्ष संगीता बेनीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में आयोग के आगामी एक साल की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश

बैठक में कोविडकाल में अनाथ हुए बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर पुनर्वास को लेकर भी चर्चा की गई। बेनीवाल ने सभी बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आमजन की सुविधा के लिए ई-जनसुनवाई का प्रस्ताव भी बैठक में रखा गया। बैठक में राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य डॉ. शैलेंद्र पण्ड्या, डॉ. विजेंद्र सिंह, नुसरत नकवी, वंदना व्यास, शिव भगवान नागा, प्रहलाद सहाय रोज, सदस्य सचिव महेंद्र प्रताप सिंह और समस्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला अधिकारिता विभाग ने शुरू किया काम

सभी जिलों में होंगे इंदिरा महिला शक्ति केंद्र

वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर की तर्ज पर बनेंगे केंद्र

पीड़ित महिलाओं को मिलेगी सभी सहायता एक ही जगह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। घरेलू हिंसा के साथ अन्य हिंसा से पीड़ित महिलाओं को तुरंत सहायता के लिए अब हर जिले में इंदिरा महिला शक्ति केंद्र होंगे। महिला अधिकारिता विभाग की ओर से इनके केंद्रों के संचालन का काम शुरू किया गया है। इस योजना के तहत सभी 33 जिलों में यह केंद्र होंगे और पीड़िताओं को सभी तरह की सहायता एक ही जगह उपलब्ध करवाई जा सकेगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने इन केंद्रों को जल्द शुरू करने के निर्देश विभाग को दिए हैं। यहां पर पीड़िताओं की मदद के साथ किशोरियों को कॅरियर काउंसलिंग की सेवाएं भी मिलेंगी। साथ ही उनकी हर समस्या का समाधान यहां किया जाएगा।

वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर की तर्ज पर होगा निर्माण

इन केंद्रों को वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर की तर्ज पर संचालित किया जाएगा। इससे पहले राज्य का अकेला वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर 'अपराजिता' सिर्फ जयपुर के जयपुरिया अस्पताल परिसर में संचालित है। राज्य में यह एकमात्र ही ऐसा सेंटर है, जहां पर पीड़िताओं के आवास के साथ ही सभी तरह की मदद और चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। इसी की तर्ज पर यह सभी 33 केंद्र बनाए जाएंगे।

यह सुविधाएं होंगी उपलब्ध

महिला अधिकारिता विभाग की आयुक्त रश्मि गुप्ता ने बताया कि इन केंद्रों पर पीड़ित महिलाओं के लिए प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं, मनोचिकित्सक, कानूनी सलाहकार, पुलिस मदद और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। महिलाएं इन केंद्रों पर ही अपनी शिकायत भी दर्ज करा सकेंगी और यही से उन्हें कानूनी सहायता भी दी जाएंगी।

राज्य सरकार ने जारी की स्वीकृति

60 में अतिरिक्त विषय, 19 सरकारी स्कूलों में खुलेंगे अतिरिक्त संकाय

शुरू हो सकेंगी 11वीं तथा 12वीं कक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश के 19 सरकारी स्कूलों में शिक्षा सत्र 2021-22 से अतिरिक्त संकाय खोलने तथा 60 स्कूलों में अतिरिक्त विषय खोलने की स्वीकृति जारी कर दी है। इन स्कूलों में इसी नए शिक्षण सत्र से सुविधा होने पर 11वीं तथा 12वीं कक्षा एक साथ शुरू की जा सकेगी। उप शासन सचिव प्रथम भारतेंद्र जैन ने कला वर्ग के विषय के लिए एसडीएमसी की अनुशंसा पर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से भी आदेश जारी किए जाएंगे।

यहां खुलेंगे अतिरिक्त संकाय

चूरू और जयपुर जिले के तीन-तीन स्कूल, बाड़मेर और सीकर जिले में दो-दो, अलवर, बांसवाड़ा, भरतपुर, दौसा, श्रीगंगानगर, जोधपुर, कोटा, नागौर तथा राजसमंद जिले के एक-एक स्कूल का चयन अतिरिक्त संकाय खोलने के लिए किया गया है। इन 19 स्कूलों में से10 में विज्ञान, गणित, 5 में कृषि संकाय, दो में जीव विज्ञान व गणित तथा एक में साइंस गणित तथा एक में कला संकाय खोले जाएंगे।

जयपुर के इन स्कूलों का चयन

नए शिक्षण सत्र से 60 उच्च माध्यमिक स्कूलों में अतिरिक्त विषय खोलने की स्वीकृति जारी की गई है। इनमे जयपुर जिले के चार स्कूल शामिल हैं। जिले में राजकीय उमावि माचेड़ी आमेर में भूगोल, इंग्लिश, ड्रॉइंग, होमसाइंस विषय, राजकीय उमावि स्कूल अणतपुरा में राजनीति शास्त्र, राजकीय उमावि करणसर में संस्कृत, राजकीय उमावि हिरनोदा में भूगोल विषय खोलने की स्वीकृति मिली है। साथ ही राजकीय उमावि स्कूल अणतपुरा में साइंस (बायो और मैथ्स) संकाय, राजकीय उमावि किशनपुरा चौमू में साइंस मैथ्स, राजकीय उमावि स्कूल डूंगरी कला ब्लॉक सांभरलेक में एग्रीकल्चर साइंस संकाय खोले जाने की स्वीकृति दी गई है।

तबादलों से रोक हटी

आज से ऑनलाइन आवेदन

14 अगस्त तक हटाया गया तबादलों से बैन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की गहलोत सरकार ने कर्मचारियों-अधिकारियों के तबादलों पर लगी रोक हटा ली है। 14 जुलाई से 14 अगस्त तक पूरे 1 महीने के लिए यह रोक हटाई गई है। इस संबंध में प्रशासनिक सुधार विभाग ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। तबादलों से रोक हटाने का आदेश सरकार के समस्त विभागों, निगमों, मंडलों और स्वायत्तशासी संस्थाओं पर भी लागू हों। कोविड प्रोटोकॉल के चलते इस बार ऑफलाइन आवेदन नहीं लिए जाएंगे। सभी को 14 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। तबादलों के लिए आवेदक का प्रार्थना पत्र संबंधित विभाग की वेबसाइट- पोर्टल पर ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए अगर कोई भी आवेदक कार्यालय आदि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होगा और ना ही कोई विभाग कागजी आवेदन पत्र विचार करेगा। 14 जुलाई से 14 अगस्त तक पूरे 1 महीने के लिए होने वाले तबादलों में राज्य के लाखों कर्मचारी अधिकारी इधर-उधर होंगे।

मंत्री-विधायकों के दबाव में लिया फैसला

विश्वस्त सूत्रों की माने तो गहलोत सरकार ने अपने ही मंत्रियों-विधायकों के दबाव में तबादलों से बैन हटाने का फैसला लिया है। तबादलों से रोक हटाने की मांग को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी के मंत्री और विधायकों ने कई बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा मांग की थी। मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियां नहीं होने से नाराज मंत्री-विधायकों नाराजगी तबादलों से रोक हटाकर कम करने का प्रयास किया गया है। बताया जाता है कि इसी के चलते गहलोत सरकार ने तबादलों से बैन हटाने का फैसला लिया है।

जयपुर में मिले 10 नए कोरोना पॉजिटिव

जयपुर @ जागरूक जनता। जिले में सोमवार को 5 मरीज मिले, वहीं मंगलवार को यह संख्या बढ़कर 10 दर्ज की गई। जिले में कोरोना संक्रमण कम हो रहा है, वहीं संख्या में यह उतार-चढ़ाव जारी है। जयपुर के सोडाला में 4 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। वहीं ब्रहमपुरी, हसनपुरा, मालवीय नगर, मुरलीपुरा, सांगानेर और टोंक रोड में एक-एक नया मरीज मिला है।

वैक्सीनेशन शिविर में 330 लोग हुए लाभान्वित

जयपुर के चमेली वाला मार्केट एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को निशुल्क वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 330 से लोगों ने टीकाकरण करवाया। एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप मलिक और कोषाध्यक्ष सौरव विजयवर्गीय ने बताया कि शिविर में 18 से अधिक आयु के लोगों को कोविशील्ड की प्रथम एवं द्वितीय डोज लगाई गई। कार्यक्र म में मुख्य अतिथि के रुप में किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमीन कागजी ने शिरकत की। इस अवसर पर अध्यक्ष एसएस कालानी, सलाहकार बनेचंद जैन, सदस्य दीपक बिंदल, सुमन जैन, संजय जैन, समर शर्मा, सुरेंद्र रूगटा मौजूद रहे।

तबादला: थर्ड ग्रेड टीचर को करना होगा इंतजार

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार ने आज से प्रदेश में तबादलों पर से बैन हटाया है। जिसके तहत बुधवार से प्रदेश के लगभग सभी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग हो सकेंगे लेकिन थर्ड ग्रेड टीचर्स को अभी इंतजार करना होगा। गौरतलब है कि प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक राज्य सरकार ने 30 सितंबर 2019 को तबादलों पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद मार्च 2020 से कोविड के कारण देश में लॉकडाउन लग गया। इसके बाद सितंबर अक्टूबर में विभाग की ओर से केवल सेकंड ग्रेड और फर्स्ट ग्रेड शिक्षकों से ही ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे, लेकिन, फर्स्ट ग्रेड टीचर के तबादला पोस्टिंग के बाद सेकंड ग्रेड शिक्षकों के तबादले नहीं किए गए थे। मंगलवार को शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा से शिक्षक संघ से जुड़े प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर थर्ड ग्रेड और सेकंड ग्रेड शिक्षकों के तबादलों पर बैन हटाने की मांग की। इस पर डोटासरा ने कहा कि ट्रांसफर पॉलिसी पर कार्य किया जा रहा है।

संगठन में जान फूंकने में जुटी युवा कांग्रेस

देश में पहली बार संगठन महासचिव का पद सृजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बीते एक साल से जहां राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी संगठन में खाली पड़े पदों को भरे जाने की बाट देख रही है, वहीं यूथ कांग्रेस ने बड़ी संख्या में नई नियुक्तियां कर सुस्त पड़े संगठन को फिर से खड़ा करने की तैयारी कर ली है। खास बात यह है कि युवा कांग्रेस ने देश में पहली बार राजस्थान में संगठन महासचिव का पद भी बनाया है। जिस पर युवा कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रहे आयुष भारद्वाज को पदोन्नत करते हुए राजस्थान के पहले संगठन महासचिव के पद पर नियुक्ति दी गई। पद को बनाने के पीछे की बड़ी वजह यह है कि यूथ कांग्रेस सत्ता, संगठन और नई दिल्ली के बीच सामंजस्य बढ़ाना चाहती है। अब राजस्थान के बाद अन्य राज्यों में भी यूथ कांग्रेस संगठन महासचिव के पद सृजित करेगी। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी की हरी झंडी मिलने के बाद युवा कांग्रेस की नई टीम को विस्तार मिला। जिसमें तीन उपाध्यक्ष, एक संगठन महासचिव, 16 महासचिव, 18 सचिव और 36 संयुक्त सचिवों सहित 80 पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। प्रदेश प्रभारी द्वारा डॉ. पलक वर्मा ने गुरुवार को नियुक्ति आदेश जारी किया। युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व विधायक गणेश घोगरा ने बताया कि उपाध्यक्ष के पद पर अरुण व्यास (बीकानेर), अशोक कुल्हाड़िया (हनुमानगढ़) एवं अरबाब खान (झालावाड़) को पदोन्नत किया गया है।

ये हैं 16 महासचिव

महासचिव के पद पर महीन खान (उदयपुर), रामदत्त मीना (बूंदी), देवेन्द्र बिस्सा (बीकानेर शहर), कृपाल मीना (करौली), नितेश यादव (अजमेर ग्रामीण), कुलदीप पंड्या (बांसवाड़ा), दुष्यंत राज सिंह, गुरविंदर सिंह, पूजा वर्मा (जयपुर), सुखबीर सिंह सिद्धू (हनुमानगढ़), सियाराम गुर्जर (जयपुर ग्रामीण), मुकेश भार्गव (राजसमंद), महिमा चौधरी (सीकर), प्रेम प्रताप मालवीय (बांसवाड़ा) एवं विनीत पाल सिंह (भरतपुर) को नियुक्त किया गया है।

ये हैं 18 सचिव

सचिव के पद पर डॉ. अनिरेष (करौली), रामनिवास गोदारा (नागौर), परमिंदर सिहाग (चुरू), हर्षिता राठौड़ (जोधपुर), महेंद्र लाम्बा, प्रदीप गुर्जर, नरेंद्र प्रताप (जयपुर ग्रामीण), नवीन कछावा (अजमेर शहर), रणवीर सिंह (दौसा), संजय मेघवाल (हनुमानगढ़), संतोष अहीर (चित्तौड़गढ़), शेखर सक्सेना (धौलपुर), सोहित मीणा (कोटा), शिवप्रकाश गुर्जर (अजमेर ग्रामीण), सोनू शर्मा (बारां), वैभव उपाध्याय (उदयपुर), विष्णु खटाणा (करौली), युवराज वशिष्ठ (जयपुर) को नियुक्त किया गया है। इसी के साथ ही 36 प्रदेश संयुक्त सचिवों की भी नियुक्ति की गई है।

जागरूक खबरें

प्रदेश में बनेगा अल्ट्रा मेगा रिन्युएबल एनर्जी पार्क, लागत 2500 करोड़ रुपए

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में अल्ट्रा मेगा रिन्युएबल एनर्जी पार्क बनेगा। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने राजस्थान में एनटीपीसी और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को 5000-5000 मेगावॉट क्षमता के सोलर पार्क विकसित करने की योजना को अनुमति दी है। सोलर पावर पार्क डेवलपर का राजस्थान की किसी भी पीएसयू के साथ संयुक्त उपक्रम हो सकता है। 5 हजार मेगावॉट के एक सोलर पार्क को विकसित करने की लागत लगभग 2500 करोड़ रु. है। जिसका 30% केन्द्र सरकार वहन करेगा। इसको लेकर मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने उर्जा विभाग, रीको, और आरएसएसएमएल की बैठक ली।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहरभर में लगाए जाएंगे हाईटेक कैमरे

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधानी जयपुर में सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद करने के लिए शहरभर में स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से हाईटेक कैमरे लगायें जाएंगे। इसके लिए स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने जेडीए, नगर निगम और पुलिस के सर्वे के आधार पर प्रोजेक्ट बनाया गया है। जिसमें शहरभर में हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे, जिस पर करीब 35 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ अवधेश मीणा ने बताया कि शहर में 35 करोड़ रुपए की लागत से हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे अभय कमांड सेंटर को मजबूती मिलेगी। सर्वे के आधार पर कैमरे लगाने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट को अभय कमांड सेंटर के स्टेफनी के रूप में डवलप किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को बोर्ड मीटिंग में अरूव करा लिया गया है, जल्दी उसका टेंडर जारी किया जाएगा। प्रोजेक्ट के तहत शहर में हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे।

संस्कृत विवि में परीक्षा आवेदन कल से

जयपुर @ जागरूक जनता। जगदगुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी 15 जुलाई से परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक सुभाष शर्मा ने बताया कि शास्त्री और आचार्य कक्षा में अध्ययनरत नियमित, पूर्व और स्वयंपाठी विद्यार्थी बिना किसी विलंब शुल्क के 21 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। विलंब शुल्क के साथ 2 अगस्त तक आवेदन किए जा सकेंगे।

राज्यपाल से माहेश्वरी की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल कलराज मिश्र से नव निर्वाचित विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने शपथ ग्रहण के बाद पहली बार यहां राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से राजसमंद विधायक माहेश्वरी की यह शिष्टाचार भेंट थी।
राज्यपाल से डॉ.रवीन्द्र शुक्ल की शिष्टाचार भेंट : राज्यपाल कलराज मिश्र से उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं शिक्षाविद् डॉ.रवीन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को यहां राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल से डॉ. शुक्ल की यह शिष्टाचार भेंट थी।

प्रदेश की सियासत: राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार से पहले

राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी, जिलाध्यक्षों के लिए लॉबिंग तेज

पैनल तैयार, सीएम से चर्चा के बाद एआईसीसी भेजा जाएगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में मंत्रिमंडल विस्तार से पहले जिला संगठन और राजनीतिक नियुक्तियां करने की तैयारी की जा चुकी है। संगठनात्मक नियुक्तियों के लिए प्रदेश स्तर पर नामों का पैनल तैयार किया जा चुका है। अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के स्तर पर चर्चा के बाद इसे जल्द ही एआईसीसी भेजा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक जिलाध्यक्षों के लिए पार्टी में जबरदस्त लॉबिंग की रही है। यहां तक की कई विधायक भी इस दौड़ में शामिल हैं। इसके पीछे की बड़ी वजह आने वाले चुनावों में टिकट दावेदारी पुख्ता करना है। इसलिए जिलाध्यक्षों की दौड़ में वही विधायक शामिल हैं जो पहली बार जीतकर आए हैं। जयपुर शहर के लिए विधायक रफीक खान और ग्रामीण के लिए विधायक गोपाल मीणा का नाम भी चर्चाओं है। हालांकि शहर के कई प्रभावशाली विधायक अपने समर्थकों को अध्यक्ष बनाने के लिए दिल्ली तक लॉबिंग कर रहे हैं।

जयपुर में दो जिलाध्यक्षों के लिए फिलहाल ना

संगठन में नियुक्तियों को लेकर पार्टी में जिलों की संख्या बढ़ाने को लेकर भी चर्चा जोरों पर है। जयपुर में भी शहर और ग्रामीण सीट बनाए जाने को लेकर काफी जोर आजमाइश चल रही थी, लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस बार दो जिलाध्यक्षों के प्रस्ताव पर फिलहाल पार्टी में विचार नहीं हो रहा।

इसी महीने राजनीतिक नियुक्तियों को हरी झंडी

प्रदेश स्तर पर अभी ज्यादातर बोर्ड और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियों के लिए पद खाली पड़े हैं। इन्हें भरने के लिए पिछले दिनों प्रदेश प्रभारी अजय माकन और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के स्तर पर भी चर्चा हो चुकी है। हालांकि राज्य सरकार एक-एक कर कई आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियां कर चुकी लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में बोर्ड-आयोग खाली पड़े हैं। सूत्रों का कहना है कि विधायकों को इनमें एडजेस्ट करने में ऑफिस ऑफ प्रोफिट के तहत कानूनी अड़चन आ रही है इसलिए पूर्व विधायकों को इनमें एडजेस्ट किया जा सकता है।

ANCHOR | अपराध आंकड़ों पर बवाल

गहलोत का पलटवार, बोले- सोशल मीडिया के जरिए झूठ फैलाती है भाजपा

प्रदेश में अपराध यूपी से कम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में अपराध के आंकड़ों पर सियासत गरमाई हुई है। कानून व्यवस्था और महिला अपराधों के मुद्दे पर भाजपा ने गहलोत सरकार से इस्तीफे की मांग की, तो जवाब में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि महिला अपराधों के मामले में राजस्थान उत्तर प्रदेश से बहुत पीछे है। गहलोत बोले- राजस्थान में अपराध के आंकड़ों को लेकर सोशल मीडिया में भाजपा द्वारा झूठ फैलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का गठन होते ही प्रदेश में अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज करवाने की नीति लागू की गई। गहलोत ने कहा कि भाजपा के दावों के मुताबिक प्रदेश 2019 में महिला अत्याचार के मामलों में 41550 प्रकरणों के साथ प्रथम स्थान पर था। लेकिन नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक महिला अत्याचार के सर्वाधिक 59853 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए। राजस्थान में निर्बाध पंजीकरण की नीति के बावजूद मामले उत्तर प्रदेश से कम हैं। गहलोत ने कहा कि भाजपा का दावा है -2020 में 2019 की तुलना में महिला अत्याचार 50 प्रतिशत बढ़े जबकि आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वास्तव में वर्ष 2020 में महिला अत्याचार 16 प्रतिशत कम हुए।

वर्ष 2020 में बलात्कार में भी 11 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2019 की तुलना में महिला अत्याचारों में जून 2021 तक 9 प्रतिशत की कमी है। उन्होंने कहा कि बलात्कार के प्रकरणों में भाजपा सरकार में वर्ष 2017-18 में 30-33 प्रतिशत महिलाओं को अपनी एफ आई आर दर्ज कराने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता था। आज यह आंकड़ा 15 प्रतिशत से भी कम रह गया है, क्योंकि पुलिस थाने में निर्बाध पंजीकरण के कारण अविलंब FIR दर्ज होती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में महिला अत्याचारों के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण किया गया जिसके कारण 2019 के अंत में मात्र 9 प्रतिशत प्रकरण लंबित थे। जबकि भाजपा शासित बिहार में 47 प्रतिशत, हरियाणा में 17 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 20 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 16 प्रतिशत प्रकरण लंबित रहे। यह दिखाता है कि कम अपराध पंजीकरण करने के बावजूद वहां पर प्रकरणों के निस्तारण की रफ्तार धीमी है जबकि राजस्थान में ऐसा नहीं है।

2020 में लॉक डाउन से घटा था अपराध

वर्ष 2020 एवं 2021 के आंकड़ों की तुलना करना उचित नहीं है क्योंकि 2020 में करीब आधा साल आंशिक अथवा पूर्ण लॉकडाउन में गुजरा जिसके कारण अपराध के आंकड़ों में कमी आई थी इसलिए तुलनात्मक रूप से 2021 के आंकड़े ज्यादा आना स्वभाविक है।

सीख ने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

शतक से आगे

ईंधन की कीमतें बहुत संवेदनशील होती हैं, लेकिन इन दिनों उनकी ओर से सरकारें थोड़ी उदासीन हो गई हैं। नतीजा सबके सामने है। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा राजस्थान में भी पेट्रोल 100 रुपये के आंकड़े से ऊपर चल रहा है। डीजल की बात करें तो राजस्थान में इसका आंकड़ा शतक पर है। अब हम यह मान सकते हैं कि भारतीय लोग पेट्रोल के लिए प्रति लीटर 100 रुपये से ज्यादा चुकाने लगे हैं। आज से लगभग 18 साल पहले भारत में लोग प्रति लीटर महज 33 रुपये खर्च करते थे, आज उससे लगभग तीन गुना अधिक कीमत अदा कर रहे हैं, तो आधुनिक जीवन में पेट्रोल के बढ़ते महत्व को समझा जा सकता है। पेट्रोल हमारे देश में केवल ईंधन का स्रोत नहीं है, यह सरकारों के लिए कमाई का भी बड़ा स्रोत है। इस पर न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतार-चढ़ाव का असर पड़ता है, बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था और राजनीति भी इस पर असर डालती है। कोरोना के समय जब सरकारों की कमाई घटी है, तब पेट्रोल और डीजल से सरकारों की आशा बहुत बढ़ गई है। लोगों को भी यह ध्यान रखना चाहिए कि वे जो कीमत चुका रहे हैं, वह केवल ईंधन की कीमत नहीं, बल्कि वे देश के राजस्व में भी योगदान दे रहे हैं। क्या इन कीमतों को नए नजरिए से देखने की शुरुआत कर देनी चाहिए? युवाओं का

विकासशील देश कोरोना की वजह से आर्थिक आपदा से गुजर रहा है। हम गौर कर सकते हैं कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों का बढ़ना आज बड़ा राजनीतिक विषय नहीं है। इस मद में अर्जित हो रहा राजस्व न केवल केंद्र सरकार, बल्कि राज्य सरकारों के भी खजाने में जाएगा। भारत ही नहीं, दूसरे देशों में भी पेट्रोल को कमाई बढ़ाने के स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। पिछले महीने के अंत में पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में 23 रुपये और डीजल की कीमत में 20 रुपये की बढ़ोतरी एकबारगी ही कर दी गई। पाकिस्तान में भी वहां की मुद्रा के हिसाब पेट्रोल की कीमत तीन अंकों में पहुंच गई है। भारत के पड़ोसी देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, जिसकी चर्चा लोग अक्सर करते हैं। बहरहाल, भारत में 4 मई के बाद से ईंधन की कीमतों में लगातार ऊपर की ओर रुझान बना हुआ है। साल 2021 में अब तक पेट्रोल की कीमतों में करीब 15 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव की पृष्ठभूमि में ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। हालांकि, इसमें सबसे अधिक प्रभावी कारक कर की उच्च दर रही है। केंद्र और राज्य सरकारें चाहें, तो अपने करों में कमी करके उपभोक्ताओं को कुछ राहत दे सकती हैं। खासकर, डीजल की कीमतों को संभालना जरूरी है, ताकि महंगाई और ज्यादा न बढ़े।

सम्पादकीय

जलवायु की चिंता

चरम मौसम की घटनाओं की तीव्रता स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने चुनौती पेश कर रही है। खासकर, दक्षिण एशिया, मध्य-अमेरिका, कैरिबियाई और प्रशांत क्षेत्र के विकासशील छोटे द्वीपों के सामने जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का खतरा अधिक मंडरा रहा है। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ साझा प्रयास, वित्त, महत्वाकांक्षा, समर्थन की पारदर्शिता जैसे मसलों पर समृद्ध देशों का रुख सहयोगात्मक नहीं रहा है। वायुमंडल में अधिक कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार होने के बावजूद ये देश अपने दायित्वों को अस्वीकार करते हैं, कुछ तो मानवजनित जलवायु परिवर्तन से भी इनकार करते हैं। तथ्य यह है कि हम गैर-बराबरी और अन्यायपूर्ण दुनिया में रहते हैं। जलवायु परिवर्तन युवाओं के स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक स्थायित्व के लिए बड़ा खतरा है, खासकर विकासशील देशों में, जहां युवाओं की बड़ी आबादी रहती है। जलवायु परिवर्तन अफ्रीका, एशिया, लातिन अमेरिका में खाद्य सुरक्षा के सभी पहलुओं को प्रभावित करेगा, जहां युवा आबादी एक अरब से अधिक है। उपभोक्ता व्यवहार और जलवायु परिवर्तन के प्रति दृष्टिकोण को मापने वाले एक सर्वे में मात्र 48 प्रतिशत भारतीय जलवायु परिवर्तन को गंभीर पर्यावरणीय समस्या मानते हैं। मिंटेल सस्टेनबिलिटी बैरोमीटर-2021 सर्वे में 16 देशों- ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, आयरलैंड, इटली, जापान, पोलैंड, स्पेन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका को शामिल किया गया। दक्षिण कोरिया के 70 प्रतिशत लोग जलवायु परिवर्तन को गंभीर मुद्दा मानते हैं। वनों की कटाई, जैव विविधता या पर्यावरण ह्रास और हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल को लोग मुख्य समस्या के तौर पर देखते हैं। हालांकि, दुनिया के अनेक हिस्सों में जलवायु सक्रियता जागरूकता बढ़ा रही है और जीवाश्म ईंधनों के प्रति लोग जागरूक हो रहे हैं। नागरिक समाज समूहों, गैर-सरकारी संस्थाओं, अकादमिक स्तर पर विचारों और क्रियान्वयन के प्रति सक्रिय बहस है। लेकिन, वैकल्पिक विचारों को नीतिगत प्रक्रियाओं के साथ कैसे जोड़ा जाये, यह स्पष्ट नहीं है। मौजूदा दौर में इसकी प्रासंगिकता बढ़ी है। दशकों से पारिस्थितिकी तंत्र, वन, जल निकाय और जैव विविधता को नुकसान पहुंचाया गया है। इस वैश्विक समस्या के स्थानीय तौर पर समाधान की दिशा में हमें काम करने की आवश्यकता है। कई अध्ययनों में चरम घटनाओं के कारण बड़े स्तर पर आर्थिक और पारिस्थितिकीय नुकसान का जिक्र होता रहता है। मौसम की चरम घटनाओं, विशेषकर बढ़ते तापमान का खतरा भारत पर अधिक है। जलवायु संकट से यह स्थिति असहनीय बन सकती है। मौसम की चरम घटनाओं के कारण होनेवाली कुल मौतों में 12 प्रतिशत से अधिक गर्मी के कारण होती हैं। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर गंभीरता का असर, भारत के विकास के रूप में भी दिखेगा। ऐसे में जरूरी है कि विकास की सभी योजनाओं में जलवायु के प्रति सकारात्मक सोच को अभिन्न अंग के तौर पर शामिल किया जाये।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के सालाना प्रेस फ्रीडम इंडेक्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मीडिया की आजादी को मापने का एक पैमाना समझा जाता है। इस इंडेक्स में पिछले चार सालों से हमारा देश लगातार नीचे खिसकता जा रहा है। वह साल 2017 में 136वें, साल 2018 में 138वें, साल 2019 में 140वें और पिछले साल 142वें नंबर पर पहुँच गया।

क्या सचमुच मीडिया के शिकारी हैं सत्ता में बैठे लोग?

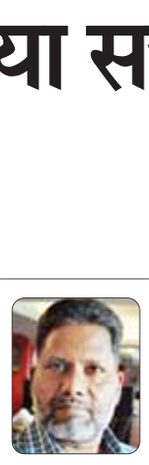

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

मीडिया की आजादी पर अंकुश लगाने के मामले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन सबसे आगे हैं। लिस्ट में इमरान खान, किम जोंग उन और हंगरी के पीएम विक्टर ओरबान को प्रेस की आजादी का शिकार करने वाला नेता बताया गया है।

दुनियाभर में सत्ता पर काबिज ज्यादातर लोग मीडिया की आजादी को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं और वे एक ऐसी सेंसर व्यवस्था कायम करने की निरंतर कोशिश करते हैं, जिसमें विरोध या असहमति के लिए कोई स्थान नहीं होता। इसके तहत या तो पत्रकारों को मनमाने ढंग से जेल में डाल दिया जाता है या उनके खिलाफ हिंसा के लिए भड़काया जाता है। कुल मिलाकर यह निष्कर्ष है पेरिस स्थित संगठन रिपोर्टर्स सां फ्रांतिए (आरएसएफ) यानी रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की हालिया रिपोर्ट का। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स एक नॉन-प्रॉफिट संगठन है जो दुनियाभर में पत्रकारों और पत्रकारिता पर होने वाले हमलों को डॉक्यूमेंट करने और उनके खिलाफ आवाज उठाने का काम करता है।

पिछले हफ्ते इस संगठन की सालाना रिपोर्ट सामने आई, जिसमें संगठन ने ऐसे 37 देशों के राष्ट्रप्रमुखों को शामिल किया है, जिन्हें प्रेस की आजादी पसंद नहीं। आरएसएफ ने इन सभी नेताओं को 'प्रेडेटर्स ऑफ प्रेस फ्रीडम' यानी मीडिया की स्वतंत्रता को कुचलने वालों का नाम दिया है। आरएसएफ के मुताबिक इनमें से 16 प्रेडेटर ऐसे देशों पर शासन करते हैं, जहां पत्रकारिता के लिए हालात 'बहुत खराब' हैं। 19 नेता ऐसे देशों के हैं जहां पत्रकारिता के लिए हालात 'खराब' हैं। इन नेताओं की औसत उम्र है 66 साल। इनमें से एक-तिहाई से ज्यादा एशिया-प्रशांत इलाके से आते हैं।

मीडिया की आजादी पर अंकुश लगाने के मामले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन सबसे आगे हैं। लिस्ट में इमरान खान, किम जोंग उन और हंगरी के पीएम विक्टर ओरबान को प्रेस की आजादी का शिकार करने वाला नेता बताया गया है। इस सूची में बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना और हॉन्ग कॉन्ग की प्रशासक कैरी लाम को भी रखा गया है। बता दें कि यह पहला मौका है, जब महिला नेताओं को भी इस लिस्ट में जगह मिली है। यह लिस्ट 5 साल के अंतराल के बाद आई है। इससे पहले 2016 को यह लिस्ट जारी की गई थी।

ग्लोबल प्रेस संस्था ने बताया कि इस लिस्ट में शामिल 37 नेताओं में से 17 के नाम पहली बार जोड़े गए हैं। इनमें से कुछ नेता ऐसे भी हैं, जो दो दशक से भी ज्यादा अवधि से इस सूची में शामिल हैं। इनमें सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और बेलारूस के राष्ट्रपति एलेग्जेंडर लुकाशेंको शामिल हैं।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस सलमान को नए प्रेडेटरों में सबसे खतरनाक बताया गया है। आरएसएफ के मुताबिक, सलमान मीडिया की आजादी को बिलकुल बर्दाश्त नहीं करते हैं और पत्रकारों के खिलाफ जासूसी और धमकी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल भी करते हैं जिनके कभी कभी अपहरण, यातनाएं और दूसरे अकल्पनीय परिणाम होते हैं। पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या का उदाहरण दिया गया है।

इस सूची में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम है। इसमें कहा गया है कि मोदी 26 मई, 2014 को सत्ता संभालने के बाद से ही वे प्रेस पर हमलावर हैं, गलत सूचनाओं का प्रसार कर रहे हैं। मोदी का नाम इस सूची में पहली बार आया है। संस्था ने कहा है कि मोदी मीडिया पर हमले के लिए मीडिया कंपनियों के मालिकों को दोस्त बना कर मुख्यधारा के मीडिया को अपने प्रचार से भर देते हैं। उसके बाद जो पत्रकार उनसे सवाल करते हैं उन्हें राजद्रोह जैसे कानूनों में फंसा दिया जाता है। प्रेस की आजादी के मामले में भारत की क्या स्थिति है, इसका अंदाज इससे लगाया जा सकता है कि आरएसएफ ने प्रेस फ्रीडम को जो सूचकांक जारी किया है, उसमें कुल 180 देशों में भारत 142वें स्थान पर है।

आइए, अब यह जान लें कि मीडिया की आजादी को कुचलने के लिए सत्ता में बैठे लोग किस तरह के हथकंडे अपनाते हैं-

- इन देशों में मीडिया की आजादी को कुचला जा रहा है, सेंसरशिप के नए उपकरण विकसित किए जा रहे हैं। कुछ देशों में प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गई है।
- पत्रकारों को मनमानी तरीके से जेलों में डाला जा रहा है और पत्रकारों की हत्या तक की जा रही है।
- इन लीडर्स ने न सिर्फ अभिव्यक्ति पर रोक का प्रयास किया है, बल्कि पत्रकारों को मनमाने ढंग से जेल भी भिजवाया है।
- अखबारों की सप्लाई को रोकने की कोशिशें की गई हैं और टीवी चैनलों के सिग्नल्स को भी जाम किया गया है।
- मीडिया कंपनियों को विज्ञापन रोकने की धमकियां दी गई हैं।
- सूचना के स्रोतों को नियंत्रण करने का तरीका इजाद किया और इस तरह मीडिया को जानकारी देने से परहेज किया गया।

जाहिर है कि मीडिया की स्वतंत्रता को कुचलने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साजिशें रची जा रही हैं। यहां बताए गए संकेतकों के आधार पर हमारे लिए भी यह फैसला करना आसान हो जाता है कि हमारे देश का सिस्टम मीडिया की आजादी का किस हद तक सम्मान करता है। ऐसे विपरीत और मुश्किल हालात में भी मीडियाकर्मी अपने दायित्वों को बखूबी निभा रहे हैं। तो अगली बार मीडिया के बारे में कोई भी राय बनाने से पहले आप भी इन हालात को अवश्य ध्यान में रखिए। हो सकता है कि आपको मीडियाकर्मियों के साथ हमदर्दी हो जाए। *(ये लेखक के अपने विचार है)*

कविता

बेहिसाब बारिशे

सरिता पाण्डेय
कवयित्री
@jagrukjanta.net

बेहिसाब बारिशे
मुझसे मेरी खामोशियां पूछती हैं ,
मेरे ही आंगन में बहती बारिश की धारा , मुझसे मेरे बचपन के कागज की किश्तिया पूछती है , कभी होती थी गुफ्तगू
बारिशों से , आज बारिश की बूंदे मुझसे मेरी कहानियां पूछती हैं ,
बेहिसाब बारिशे ..
उनके साथ पहाड़ों की बारिशों में भीगे थे हम ,
सर्द ए आलम का हाल मुझसे मेरी चिट्ठियां पूछती हैं । बेहिसाब बारिशे ..
मुद्दतें हो गई हिसाब नहीं किया ,
कुछ तो सजा मुकम्मल करो मुझसे मेरी नदानी गुस्ताखियां पूछती है , बेहिसाब बारिशे ..
मस्त बारिशों मैं उछाली थी कौड़िया , कौन हारा कौन जीता बाजी, मुझसे मेरी सहेलियां पूछती हैं
बेहिसाब बारिशे ...
मसला तो है ये एहसासों का है , खुद से यह सवाल मुझसे मेरी हिचकियां पूछती हैं ।
बेहिसाब बारिशे ...
दरिया बनकर बह गए आंखों से आंसू रातों में ,
जरिया बनकर मेरी चादर मुझसे सिसकियां पूछती है ,
बेतहाशा बारिश मझसे मेरी खामोशियां पूछती हैं ,
(लेखक, तुलसी तीर्थ राजापुर चित्रकूट से है)

ओपिनियन

ताकि पूरे घर की सूरत सुधरे

देश की राजनीति में करीब 58 साल बाद ऐसा जोखिम भरा फैसला करने की हिम्मत दिखाई गई। मोदी मंत्रिमंडल के दूसरे विस्तार में प्रधानमंत्री ने 50 फीसदी चेहरों को बदल दिया और कहा जा सकता है कि यह नई सरकार है, नए मंत्री हैं, लेकिन क्या सरकार का मंत्र भी नया है, यह देखना होगा। साल 1962 में चीन से युद्ध में हार के बाद कांग्रेस निराशा और मतभेदों से जूझ रही थी, तब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कामराज एक योजना लेकर आए, जिसमें कांग्रेस संगठन और सरकार में बड़े बदलाव की योजना थी, ताकि पूरे घर की सूरत सुधारी जा सके। गांधी जयंती पर 5 अक्तूबर, 1963 को इस प्लान के मुताबिक, छह कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों और नेहरू सरकार के छह बड़े मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। बताते हैं, खुद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भी अपने इस्तीफे की पेशकश की थी, लेकिन उन्हें रोक दिया गया। फिर लाल बहादुर शास्त्री को सरकार में बिना मंत्रालय के ही शामिल करके नेहरू ने अपने उत्तराधिकारी का रास्ता साफ कर दिया था। मोदी मंत्रिमंडल में हुए फेरबदल में 12 मंत्रियों को हटा दिया गया, इसमें छह काबीना मंत्री हैं। सात राज्य मंत्रियों को पदोन्नत भी किया गया है और 36 नए मंत्री शामिल हो गए हैं। खास बात यह है कि सरकार ने एक नए मंत्रालय का गठन किया है, को-ऑपरेशन मंत्रालय, जिसकी जिम्मेदारी गृह मंत्री शाह को दी गई है। मंत्रिमंडल फेरबदल में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा अमित शाह की भूमिका सबसे अहम रही है। शपथ लेने वाले ज्यादातर मंत्रियों ने जिस

तरह से शाह का शुक्रिया अदा किया, उससे इस भूमिका पर मुहर लग जाती है। मंत्रिमंडल बदलाव इस नजरिए से भी अहम है कि अब मोदी सरकार में राजनाथ के अलावा भारी भरकम कद का मंत्री वाजपेयी सरकार या वाजपेयी-आडवाणी युग का नहीं है, यानी अब यह सरकार और पार्टी वाजपेयी-आडवाणी युग से निकलकर पूरी तरह से मोदी-शाह युग में आ गई है। इसका कुछ लोग यह अर्थ निकाल रहे हैं कि भाजपा के सामूहिक नेतृत्व के विचार का अंत हो गया है। अब आरएसएस के मूल चिंतन की तरह भाजपा ने 'एकचालुकानावर्ती' सिद्धांत को स्वीकार कर लिया है यानी सिर्फ 'शीर्ष नेतृत्व' ही सबकुछ तय करेगा। सरकार में सबसे बड़े बदलाव सामाजिक क्षेत्र के मंत्रालयों जैसे चिकित्सा, शिक्षा, सामाजिक न्याय और श्रम मंत्रालयों में किया गया है, जबकि आर्थिक क्षेत्र से जुड़े मंत्रालय में कोई फेरबदल नहीं किया गया। हालांकि, ज्यादा आलोचना देश की अर्थव्यवस्था को लेकर ही हो रही है। सरकार के पांच आला मंत्रियों अमित शाह के अलावा, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर के साथ छेड़छाड़ करने का प्रयोग नहीं किया गया। वैसे नितिन गडकरी का एक मंत्रालय नारायण राणे को दे दिया गया है। माना जा रहा है, प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल में फेरबदल से पहले बहुत होमवर्क किया, मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा की, उनकी संसदीय और मंत्रालय की परफॉरमेन्स पर ध्यान दिया गया, तो साथ ही, पार्टी और दूसरे क्षेत्रों में बेहतर काम करने वालों का हिसाब-किताब देखा गया। इसके साथ ही चुनावी राजनीति और सामाजिक गणित का हिसाब लगाया गया। सरकार की इमेज बेहतर करने के इस प्रयोजन में हाई प्रोफेशनल्स, विशिष्ट क्षेत्रों में योग्यता रखने वाले और ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों को मौका दिया गया। पांच राज्यों से 55 फीसदी मंत्री हैं, इनमें सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश से अब 16 मंत्री हो गए हैं। बताया जाता है कि मंत्रिमंडल से निकाले गए कई मंत्रियों को आखिरी वक्त तक इस बात की खबर नहीं थी कि उनकी छुट्टी होने वाली है। इसमें रवि शंकर प्रसाद, प्रकाश जावड़ेकर, सदानंद गौड़ा जैसे नाम शामिल हैं। डॉक्टर हर्षवर्धन की राजनीतिक हार्टबीट तो घट-बढ़ रही थी, लेकिन ऐसी सर्जरी होगी, इसका अंदाजा उन्हें नहीं था और वह भी दिल्ली जैसे अहम राज्य में, जहां भाजपा पहले ही रसातल तक पहुंच चुकी है। इस राज्य से इकलौते कैबिनेट मंत्री की भी छुट्टी कर दी गई। जाहिर है, देश में कोरोना महामारी में सरकार की बदनामी और बदइंतजामी की सजा उन्हें दी गई है, लेकिन सवाल यह पूछा जा रहा है कि इस पूरे इंतजामात में डॉक्टर हर्षवर्धन की कितनी भूमिका थी? क्या प्रकाश जावड़ेकर को पर्यावरण व जलवायु बदलाव कार्यक्रमों में भारत की भूमिका को लेकर सजा मिली या फिर लगातार सरकार पर होते हमलों में ठीक से पैरवी व प्रचार नहीं कर पाना इसका बड़ा कारण रहा? क्या रविशंकर प्रसाद को सिर्फ इसलिए हटाया गया कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के विवाद को ठीक से संभाल नहीं पाए या ज्यूडिशियरी की तरफ से लगातार सरकार पर हमला व सवालों की बाढ़ आना, उनकी विदाई का कारण बना?

शेखर आचार्य
समीक्षक
@jagrukjanta.net

लोकतंत्र का बदलता व्यवहार

लोगों में व्यापक स्तर पर पैठ बना चुका इंटरनेट मीडिया लोकतंत्र के जांचे-परखे रूप को विरुपित कर रहा है। सैकड़ों वर्षों से एक संस्थान के रूप में लोकतंत्र सरकार का सबसे बढ़िया स्वरूप रहा है। इसका अर्थ है कि चुने हुए लोग ही शासन के अधिकारी हैं। लोकतंत्र एक ऐसा मॉडल है, जहां बहुमत ही तय करता है कि उन पर किसे और कैसे शासन करना चाहिए? अंग्रेजी के डेमोक्रेसी' शब्द का उद्भव ग्रीक भाषा से हुआ है। यह दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला डेमोस' जिसका अर्थ एक विशेष नगर-राज्य के भीतर रहने वाले समस्त नागरिक और इसका दूसरा हिस्सा है 'क्रेटोस' अर्थात सत्ता या शासन। 1863 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने पेंसिलवेनिया में कहा था कि, 'लोकतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार है।' तबसे यह लोकतंत्र की एक प्रकार से मानक परिभाषा बन गई। यह उस दौर की बात है, जब दुनिया केवल भौतिक रूप से जुड़ी हुई थी। तब नेता या तो अपने कठिन परिश्रम से उभरते-स्थापित होते था या अपनी कथनी के कारण। उनकी कथनी और करनी में कोई भेद नहीं होता था। वे विचारक भी होते थे। अब दुनिया डिजिटल दौर से गुजर रही है, जहां लोग कई घंटे वर्चुअल संसार में बिताते हैं। वहां लोकतंत्र के मूलभूत तत्वों में ही बदलाव आ रहा है। इंटरनेट डिजिटल संसार में लोगों का पीछा करता है। न केवल पूर्वाग्रह से प्रेरित सूचनाओं की बमबारी करता है, बल्कि लोगों की निजी पसंद और नापसंद पर भी पकड़ रखता है। हमारी ब्राउजिंग आदत और एप्स उपयोग के आधार पर हमारे ब्राउजर में कुकीज, हिडन प्रोग्राम्स और मालवेयर हम पर नजर बनाए रखते हैं। इसी सिलसिले में हम सभी ने कैंब्रिज एनालिटिका प्रकरण देखा। हमने यह भी देखा कि मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार इंटरनेट मीडिया का इस्तेमाल किया गया। यहां तक कि झूठे विमर्श के जरिये अमेरिकी संसद तक पर हमला कराकर लोकतांत्रिक संस्थान को अस्थिर करने और चुनी हुई सरकार की राह में बाधा उत्पन्न की गई। चूंकि फर्जी बातों को वास्तविकता का चोला पहनाया जा रहा है तो इससे मतदाताओं को बरगलाना और प्रतिद्वंद्वी की छवि को मलिन करना आसान हो जाएगा। चुनाव मेहनत या छवि पर नहीं, बल्कि विमर्श गढ़कर प्रतिद्वंद्वी को क्षति पहुंचाने पर केंद्रित होंगे। चुनाव में धरातल पर काम का महत्व नहीं रह गया है। अब तो इंटरनेट युग के वर्चुअल संसार में काम का बोलबाला है। नेतृत्व के खास मायने नहीं रहे। चुनावी प्रक्रिया और लोकतंत्र सत्ता के दलालों और उन पेशेवर नेताओं के हाथ में सिमटते जा रहे हैं, जो इंटरनेट मीडिया के माध्यम से जनता को मूर्ख बनाकर और संस्थानों पर काबिज होकर सत्ता में बने हुए हैं। इंटरनेट मीडिया का राजनीति से जितना जुड़ाव होता जाएगा, राजनीति वास्तविकता से उतनी ही कटती जाएगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि लोकतंत्र के सिद्धांत और व्यवहार में व्यापक बदलाव आया है।

शेखर आचार्य
समीक्षक
@jagrukjanta.net

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

रा अस्तेय- चोरी न करना। पराए धन को छल-कपट आदि से अपना बना लेना तथा परायी वस्तु की कामना करना भी चोरी है।

अपरिग्रह- आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह परिग्रह है। अनावश्यक धन, सम्पत्ति सुख के बजाए दुःख, चिन्ता, भय आदि का कारण बन जाता है।

निराकार की उपासना

अजपा जप-एक सच्चिदानंद परब्रह्म ही पूर्ण नित्यानंद स्वरूप वाला है। जीव उसी को प्राप्त कर परम सुखी हो सकता है। सगुण, निर्गुण भेद से परब्रह्म परमात्मा की अनेक प्रकार की उपासनाओं से प्राप्त किया जा सकता है, उनमें अजपा जप भी अद्वैत सिद्धान्त की एक साधना है, जो श्वास प्रश्वास के भीतर जाने और बाहर आने से सम्पन्न होती है। उच्चारण द्वारा जिसका जप नहीं होता, उसे ही अजपा जप कहते हैं। मंत्र स्तुति स्तोत्र आदि का बैखरी वाणी द्वारा उच्चारण करके जप होता है, किंतु अजपा जप स्वतः सिद्ध होता है। 'हंस मंत्र' से इसका अभ्यास किया जा सकता है। चन्द्र बिन्दु युक्त हकार (हं) और विसर्ग सहित स कार (सः) के मिलने से दो अक्षरकों का हंसः मंत्र बनता है जो साधकों के लिए कल्पवृक्ष के समान है। स्वाभाविक श्वास प्रश्वास के रूप में जीव जिस मंत्र का जप करता है, उसे ही हसः अथवा अजपा गायत्री मंत्र कहा गया है। इस मंत्र का जप जन्म लेते ही प्रारंभ हो जाता है और मृत्यु पर्यन्त चलता रहता है। प्रत्येक प्राणी इस परमानन्द स्वरूपिणी मोक्षदायिनी पराविद्या का जप करता रहता है,

क्रमशः

जागरूक Selfie विद डॉटर

आरवी-आनवी डॉटर विशाल शर्मा, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 14/07/2021

सूर्योदय : 05:53 **सूर्यास्त :** 18:50 **चन्द्रोदय :** 09:28 **चन्द्रास्त :** 22:19 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** आषाढ़ा **पूर्णिमांत :** आषाढ़ा **सूर्य राशि :** मिथुन **चन्द्र राशि :** सिंह **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** चतुर्थी, 08:01 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव चन्द्रमास **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2077 परिधावी **द्रिक ऋतु :** वर्षा **द्रिक अयन :** दक्षिणायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 27:37 तक
योग : व्यतिपाता, 13:17 तक
प्रथम करण : विष्टि, 08:01 तक
द्वितिय करण : बावा, 19:39 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त : 04:11 ए एम से
प्रातः सन्ध्या : 04:32 ए एम से
अभिजित मुहूर्त : कोई नहीं
विजय मुहूर्त : 02:45 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त : 07:07 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या : 07:21 पी एम से
अमृत काल : 09:18 पी एम से
निशिता मुहूर्त : 12:07 ए एम, जुलाई 15 से
रवि योग : 03:43 एएम, जुलाई 15 से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : बुध
चन्द्र वास : पूर्व में

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 05:52 - 07:29	उद्वेग	: 18:49 - 20:12
अमृत	: 07:29 - 09:06	शुभ	: 20:12 - 21:35
काल काल वेला	: 09:06 - 10:44	अमृत	: 21:35 - 22:58
शुभ	: 10:44 - 12:21	चार	: 22:58 - 24:21
रोग वार वेला	: 12:21 - 13:58	रोग	: 24:21 - 25:44
उद्वेग	: 13:58 - 15:35	काल	: 25:44 - 27:07
चार	: 15:35 - 17:12	लाभ	: 27:07 - 28:30
लाभ	: 17:12 - 18:49	उद्वेग	: 28:30 - 29:53

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्दशी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आषाढ़, शुक्ल, चतुर्दशी, 2078 बुधवार, 14 जुलाई - 20 जुलाई, 2021

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परा म बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सि य रहेंगे।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

डा.शशि प्रकाश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज जोशी थोई, संस्थापक ईशान निर्मल और कोर कमेटी सदस्य दिनेश पाराशर के निर्देशानुसार डॉ. शशि प्रकाश शर्मा निवासी जयपुर को प्रदेश अध्यक्ष,युवा प्रकोष्ठ,राजस्थान नियुक्त किया है।

2023 की तैयारी : प्रदेश भाजपा ने आलाकमान से मांगी अनुमति

प्रकोष्ठ और विभागों के विस्तार में कर्नाटक मॉडल लागू करेगी भाजपा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश बीजेपी प्रकोष्ठ और विभागों के विस्तार में कर्नाटक मॉडल अपनाएगी। प्रदेश में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जल्द ही इनका गठन संभव है। उधर गुजरात मॉडल के आधार पर मंडल और बूथ इकाई तक कार्यकारिणी के जरिए कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज तैयार करने की पार्टी ने तैयारी की है।

18 की जगह 20 प्रकोष्ठ संभव, मांगी गई है स्वीकृति

राजस्थान भाजपा ने अभी तक प्रकोष्ठ-प्रकल्प और विभागों का गठन नहीं किया है। पार्टी के हिसाब से 18 प्रकोष्ठ हैं, मगर प्रदेश नेतृत्व ने आलाकमान से 20 प्रकोष्ठ के गठन की स्वीकृति मांगी है। वहीं 28 विभागों में भी नियुक्तियों का दौर जल्द शुरू होगा। इनके गठन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं और बहुत हद तक काम पूरा हो चुका है। प्रदेश स्तर पर प्रकल्प में 9 सदस्य बनाए जाएंगे, जबकि जिला स्तर पर सदस्यों की संख्या 7 और मंडल स्तर पर इन प्रकल्प और प्रकोष्ठों में सदस्यों की संख्या 5 होगी। वहीं विभागों में एक संयोजक, एक सह संयोजक के साथ कुछ सदस्य भी बनाए जाएंगे, जिनकी नियुक्ति होगी।

इसलिए अपनाया

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने पिछले दिनों दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मुलाकात प्रदेश के कामकाज का ब्यौरा रखा था। वहीं अन्य राज्यों ने भी अपने कार्यों का ब्यौरा रखा था। वहां बैठक में प्रकल्प और विभागों के गठन और उनके कामकाज के आधार पर कर्नाटक मॉडल की सराहना की गई। वहीं मंडल और बूथ इकाई का बड़ी संख्या में विस्तार करके कार्यकर्ताओं की लंबी चौड़ी फौज इकट्ठा करने के लिए गुजरात मॉडल को सराहा गया था।

बीजेपी को मजबूत करने के लिए पूनियां का नागौर दौरा

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां रविवार को अजमेर और नागौर दौरे पर रहे। सांसद हनुमान बेनीवाल के गढ़ नागौर के खींवसर में पूनियां का दौरा सबसे अधिक चर्चा में है। हनुमान बेनीवाल की पार्टी केंद्र से गठबंधन तोड़ चुकी है। ऐसे में संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के दौरे को सियासी नजरिए से देखा जा रहा है। वहां पर उन्होंने कार्यकर्ताओं संग बैठक भी की। पूनियां ने वीर तेजाजी की पूजा अर्चना करके जाटों की राजनीति का गढ़ माने जाने वाले नागौर को यह संदेश दिया है कि पार्टी के प्रति विश्वास को मजबूत बनाएं।

राज खिंची राष्ट्रीय कलाकार संघ के राष्ट्रीय महा सचिव बने

जयपुर @ जागरूक जनता। राज खिंची राष्ट्रीय कलाकार संघ के राष्ट्रीय महा सचिव पद पर नियुक्त किए गए हैं। जानकारी देते हुए संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पंवार व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने बताया कि बीजेएच म्यूजिक एण्ड फिल्मस प्रोडक्शन प्राईवट लिमिटेड जयपुर के डायरेक्टर राज खिंची को सर्व सम्मति से राष्ट्रीय महा सचिव बनाया गया है । खिची स्वयं भी एक सिगंर व एक्टर है।वे काफी समय तक आकाशवाणी के कलाकार रहे है ओर बीजेएच के सहयोग से अनेक अवार्ड शो करवाए हैं। पंवार ने बताया कि राजस्थान के कलाकार संघ व अनेक संसथाओ ने खिंची को बधाई दी है। इस अवसर पर राज खिंची ने बताया कि वे राज्य एवं बाहर के कलाकारो का हर तरह से सहयोग करेंगे।

संगीता राजा सवर्ण महासंघ फाउंडेशन में प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर @ जागरूक जनता। सवर्ण महासंघ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजेंद्र त्रिपाठी के निर्देशानुसार संगीता राजा को सवर्ण महासंघ फाउंडेशन में प्रदेश उपाध्यक्ष (महिला) राजस्थान के पद पर 3 वर्ष के लिए मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय संयोजक ठाकुर ओमप्रकाश सिंह एवं राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) ठाकुर किरण सिंह की सहमति लू गई। इन्होंने संगीता राजा से अपेक्षा की है कि वह अपना कार्य निष्ठा और लगन से करेंगी।

कोचिंग संस्थानों ने की आंदोलन की घोषणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना ग्राफ के लगातार कम होने के बावजूद कोचिंग कक्षाएं संचालित नहीं करने की अनुमति नहीं देने का संचालकों ने विरोध करते हुए आंदोलन की घोषणा की है। ऑल कोचिंग इंस्टीटयूट महासंघ की ओर से जयपुर के सागानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में कोचिंग संचालकों की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी खोलने की मांग की गई। ऑल कोचिंग इंस्टीट्यूट महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष अनीष कुमार ने बताया कि कोचिंग संस्थानों को खोलने के आदेश और राहत पैकेज देने के संबंध में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा जा चुका है। राज्य सरकार सभी संस्थानों को खोलने के आदेश दे रही है, लेकिन कोचिंग और लाइब्रेरी संस्थानों को खोलने के आदेश नहीं दिए हैं। ऐसे में अब शीघ्र ही कोचिंग और लाइब्रेरी संचालक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे तथा कोरोना गाइडलाइन की पालना के साथ संस्थानों को खोलने की अनुमति देने की मांग करेंगे। कोचिंग संस्थान बंद होने के कारण इनके संचालक, शिक्षक और अन्य कर्मचारी विकट परिस्थिति का सामना कर रहे हैं।

महासंघ के प्रदेश संगठन मंत्री संजय चौधरी ने बताया कि इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए गोपालपुरा बायपास,रामगढ़ मोड आमेर रोड, सांगानेर में श्योपुर रोड पर स्थित कोचिंग संचालकों का समर्थन प्राप्त कर लिया गया है। झोटवाड़ा और जगतपुरा प्रताप नगर के कोचिंग संचालक भी मुख्यमंत्री आवास के घेराव करने के इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। कोचिंग संचालकों का कहना है कि कोचिंग आने वाले बच्चे 18 साल से अधिक उम्र के वह बच्चे होते हैं जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में जिन्होंने वैक्सीन का एक डोज लगवा लिया है उन्हें कोचिंग आने की अनुमति दी जानी चाहिए।

गुजरात, यूपी, बिहार जाने वाले यात्रियों को फायदा

जयपुर से किशनगंज, ओखा के लिए चलेगी ट्रेन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना केस कम होने के साथ ही रेलवे प्रशासन अब धीरे-धीरे ट्रेनों की संख्या बढ़ा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने जयपुर और अजमेर से दो नई ट्रेने चलाने का निर्णय किया है। ये ट्रेने बिहार के किशनगंज और गुजरात के ओखा शहर के लिए चलाई जाएगी। इन ट्रेनों के चलने से गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार जाने वाले यात्रियों को फायदा होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ लेफ्टिनेंट शशि किरण ने बताया कि अजमेर-किशनगंज के बीच सप्ताह में 3 दिन और जयपुर-ओखा के बीच सप्ताह में एक दिन ट्रेन चलाई जाएगी। गाड़ी संख्या 05716 अजमेर से किशनगंज के बीच 26 जुलाई से प्रत्येक सोमवार, मंगलवार और गुरूवार को दोपहर 12 बजे चलेगी, जो 2:10 बजे जयपुर होते हुए अगले दिन अलसुबह 3 बजे किशनगंज पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 05715 किशनगंज 23 जुलाई से प्रत्येक शुक्रवार, रविवार और मंगलवार को सुबह 6 बजे चलेगी, जो अगले दिन शाम 7:05 बजे जयपुर और 9:40 बजे अजमेर पहुंचेगी। ये गाड़ी कटियार, हाजीपुर, छपरा, बलिया मऊ, आजमगढ़, फैजाबाद, लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली, गुड़गांव अलवर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 09538 जयपुर से ओखा के लिए 13 जुलाई से हर मंगलवार को शाम 5:15 बजे चलेगी, जो अगले दिन दोपहर 1:20 बजे ओखा पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09537 ओखा से जयपुर के लिए 12 जुलाई से प्रत्येक सोमवार रात 9 बजे चलेगी, जो अगले दिन दोपहर 3:50 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह गाड़ी द्वारका, जामनगर, राजकोट, मेहसाना, आबू रोड, जवाई बांध, सोजत रोड, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़ स्टेशनों पर रूकेगी।

सरपंच-उप सरपंच उप चुनाव की अधिसूचना आज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग ने इसी महीने होने वाले पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। कार्यक्रम के अनुसार इन उप चुनावों के लिए 14 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी।

मतदान 25 को- 50 ग्राम पंचायतों में होंगे सरपंच एवं उप सरपंचों के लिए उप चुनाव

ये रहेगा चुनाव कार्यक्रम

पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनाव के लिए 14 जुलाई को लोक सूचना जारी की जाएगी। इसके बाद नाम निर्देशन पत्र 19 जुलाई को प्रातः 10 30 से सायं 4.30 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 20 जुलाई को होगी एवं नाम वापसी की अंतिम तिथि 20 जुलाई दोपहर 3 बजे तक रखी गई। 22 जुलाई को चुनाव प्रतीकों का आवंटन होगा। उप चुनाव के लिए मतदान का समय 25 जुलाई को प्रातः 7 30 से सांय 5.30 बजे तक होगा, जबकि मतगणना भी इसी दिन मतदान समाप्ति के तुरन्त बाद शुरू हो जाएगी। उप सरपंच के लिए चुनाव 26 जुलाई (सोमवार) को होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव चित्रा गुप्ता ने बताया कि राज्य की 50 ग्राम पंचायतों में सरपंच के रिक्त पदों एवं इन्ही ग्राम पंचायत में उप सरपंच एवं वार्ड पंचों के रिक्त पदों पर उप चुनाव होंगे ।

संस्कृति द स्कूल ने मनाया 18वाँ स्थापना दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। संस्कृति द स्कूल ने सादगी एवम् कोविड नियमों की अनुपालना के साथ अर्थपूर्ण अपना 18वाँ स्थापना दिवस मनाया। हर वर्ष की भांति इस बार भी विद्यालय ने स्थापना दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यालय के पदाधिकारी चेयरमैन सीताराम गोयल, डायरेक्टर सुधीर गोयल, मुकेष गोयल, प्राधानाचार्य ले कर्नल ए के त्यागी, हेडमास्टर डॉ मनोज भारद्वाज तथा स्टाफ सदस्यों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। विद्यालय के चैयरमैंन सीताराम गोयल ने विद्यालय के 18वाँ साल के इतिहास को सफलतम बताते हुए विद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र किया। कोविड नियमों की पालना हेतु विद्यालय के विद्यार्थीगण तथा षिक्षकों को प्राचार्य महोदय ने घर पर ही सुरक्षित रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागी रहने के लिए प्रेरित किया। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अपने आस-पास ही वृक्षारोपण कर फोटो विद्यालय परिवार से साझा की तथा विद्यालय के स्थापना दिवस में अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी निभाकर गौरवान्वित महसूस किया। प्राचार्य ले कर्नल ए के त्यागी ने सभी पदाधिकारियों, स्टाफ सदस्यों व विद्यालय के विद्यार्थियों को व विद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना प्रेषित की।

जैन आचार्य श्रमण से कटारिया ने लिया आशीर्वाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विधानसभा मे नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व गृहमंत्री राजस्थान सरकार गुलाबचन्द कटारिया ने तेरापंथ जैन धर्म के ग्यारहवे आचार्य शांतीदूत महाश्रमण के सैती स्थित शांतीधाम मे दर्शन कर आशिर्वाद लिया। कटारिया ने आचार्य के दर्शन वंदन लाभ लेकर उनसे चर्चा कर जनता के हित में किये गए कार्यो के संबंध में आशीर्वाद लेकर प्रदेश की समृद्धि व खुशहाली के साथ प्रदेश के शीघ्र ही कोरोना महामारी से मुक्ती मिलने की कामना की। भाजपा नगर मीडिया प्रमुख मनोज पारीक ने बताया कि आचार्य के वंदन के अवसर पर कटारिया के साथ सांसद सी पी जोशी,जिला प्रमुख सुरेश धाकड़, विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम दक, भाजपा नगर अध्यक्ष सागर सोनी,आई एम सेठिया, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड़, जिला कोषाध्यक्ष शैलैन्द्र झंवर, जिला मीडिया प्रमुख सुधीर जैन, मनोज पारीक, भाजपा नेता तुषार मेहता, उदयपुर से पार्षद सोनिका जैन भी मौजूद थे। गुलाबचन्द कटारिया के चितौड़गढ़ पंहुचने पर भाजपा नगर अध्यक्ष सागर सोनी के नेतृत्व मे नगर मण्डल चितौड़गढ़ द्धारा सैंती हायर सैकेण्डरी स्कुल के पास नेता प्रतिपक्ष कटारिया का भाजपा पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओ ने केसरिया उपरना ओढ़ाकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। स्वागत करने वालो मे पूर्व नगर अध्यक्ष नरेन्द्र पोखरना, गिरिश दीक्षित, रामचन्द्र गुजर, मुन्ना गुजर, रश्मि सक्सैना, मोनू सलूजा आदि ने केसरिया उपरना ओढाकर कटारिया का स्वागत किया। इसके पश्चात कटारिया भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश झंवर, पूर्व सांसद श्याम सुन्दर जी सोमाणी, पूर्व पालिकाध्यक्ष गोविन्द काबरा, भाजपा नेता भंवर सिंह राठौड़ एवं देवी सिंह राव के निवास पर जाकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़ें हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.face-book.com/jagrukjan-tanews

आगे पढ़े पेज 7
घर-कार्यालयों की होगी सफाई

जोधी परिवार के माता पिता की स्मृति मे परिषद के गैट किया मोक्षरथ

मोक्षरथ का नि:शुल्क संचालन करेगी नगर परिषद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर के जोशी परिवार ने अपने माता पिता की स्मृति मे नगर परिषद चितौड़गढ़ को मोक्षरथ सुपुर्द किया। परिषद इस मोक्षरथ का नि:शुल्क संचालन करेगी। आयुक्त रिंकल गुप्ता ने बताया कि, शहर के सुराणा गली गांधी चौक के निवासी कांता उपाध्याय, जगदीशचन्द जोशी, कैलाशचन्द जोशी, निर्मल जोशी एवं परिवारजन ने अपने पिता स्व. शिवलाल जोशी एवं माता भंवरबाई जोशी की स्मृति मे परिषद को पूर्व विधायक सुरेन्द्रसिंह जाडावत, शहर काग्रेंस अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मूंदड़ा की उपस्थिति मे सभापति संदीप शर्मा को मोक्षरथ समर्पण कर चॉबीया सौपी। इस अवसर पर सभापति संदीप शर्मा ने जोशी परिवार को इस पुनित कार्य हेतु आभार प्रकट करते हुए बताया कि, इस मोक्षरथ का संचालन नगर परिषद द्वारा नगरीय क्षैत्र हेतु पूर्णरूप से नि:शुल्क किया जावेगा, इसके फ्यूल, चालक, रखरखाव इत्यादि समस्त कार्य परिषद द्वारा ही किये जावेगे। इस दौरान उपसभापति कैलाश पंवार, जोशी परिवार के नन्दन जोशी, चंदन जोशी, वन्दन जोशी, शिवांग जोशी, निधि जोशी आदि उपस्थित थे।

ANCHOR

आध्यात्मिक सर्किट के तहत हो रहा है विकास कार्य

बताया जाएगा श्री सांवरिया सेठ की मान्यता का राज

18 करोड़ की लागत से हो रहा विकास कार्य, लाइट एंड साउंड का वॉटर शो होगा आकर्षण का केंद्र

इलियास मो. @ जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ के प्रख्यात कृष्णधाम श्री सांवलिया जी मंदिर को किसी के परिचय की जरूरत नहीं है। यहां हर महीने करोड़ों श्रद्धालु श्रीसांवरा सेठ के दर्शन के लिए आते हैं। इसी को देखते हुए मंदिर में पर्यटकों के लिए कई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। लोग अपने मन्नत पूरी होने की उम्मीद से आते हैं। अन्य राज्यों से ही नहीं बल्कि सात समंदर पार विदेशी लोग भी यहां आकर अपनी मन्नत पूरी करते हैं। पर्यटकों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिले उसके लिए यहां विकास कार्यों का विस्तार किया जा रहा है। जिसके चलते भारत सरकार ने श्री सांवलिया जी मंदिर को आध्यात्मिक सर्किट में शामिल कर यहां 18 करोड़ रुपए के विकास कार्य के लिए दिया है। सोमवार को

राजस्थान पर्यटन विभाग जयपुर की टीम और सांसद सीपी जोशी ने हो रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। जायजा लेने से पहले अधिकारियों और सांसद जोशी ने श्री सांवलिया सेठ के दर्शन किए।

लाइट एंड साउंड का होगा वॉटर शो

राजस्थान पर्यटन विकास निगम जयपुर के अधिशासी अभियंता जितेंद्र जोशी ने बताया कि श्री सांवलियाजी मंदिर के बाहर कैफेटेरिया, टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर बनाया जाएगा। इसके अलावा लाइट एंड साउंड का वॉटर शो भी होगा, जिसमें श्री सांवरा सेठ के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने बताया कि वॉटर बॉडी होगी जिसके पीछे बड़ा स्क्रीन लगाया जाएगा। वहाँ लेजर शो के माध्यम से लाइट एंड साउंड का वाटर शो होगा। इस शो में सांवलिया जी की लोकल गाथा, श्री सांवरा सेठ के मान्यता के बारे में पूरी स्टोरी सुनाई जाएगी। यह शो 30 से 40 मिनट का होगा। स्टोरी में मंदिर मूर्ति उत्पत्ति, इतिहास, विकास के साथ ही वर्तमान में बने नवनिर्मित मंदिर व गौशाला सहित कई चीजों के बारे में बताया जाएगा। इस शो के चलने वाले स्थान पर एक बार में करीब 300 लोग बैठ सकेंगें।

एटीएम, करंसी एक्सचेंज और ई मित्र की भी होगी सुविधा

अधिशासी अभियंता जोशी ने बताया कि इसके अलावा श्री सांवलिया जी मंदिर के बाहर टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर बनाया जा रहा है। पर्यटक ओके यहां आने के बाद कोई प्रॉब्लम ना हो इसके लिए एटीएम, विदेशों से आने वाले पर्यटकों के लिए करंसी एक्सचेंज और ई-मित्र की भी सुविधा दी जा रही है। जिन पर्यटकों को कुछ घंटे का स्टे करना है, उसके लिए उन्हें अब होटल में पूरे 24 घण्टों के लिए बुकिंग करवाने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे पर्यटकों के लिए लॉकर रूम की सुविधा होगी। इसके अलावा महिला, पुरुष और दिव्यांगों के लिए अलग-अलग टॉयलेट और स्नान घर बनाए जा रहे हैं। कुछ घंटों के लिए आने वाले पर्यटक अपना सामान लॉकर रूम में रख कर सिर्फ बाथरूम का यूज कर श्री सांवरिया जी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

निशुल्क होगा या शुल्क लगेगा इसका निर्णय अभी नहीं

इसका संचालन पूरी तरह से श्रीसांवलिया जी मंदिर मंडल की ओर से किया जाएगा। इन सभी चीजों को निशुल्क रखा जाएगा या इसके लिए शुल्क देना होगा, यह निर्णय अभी नहीं लिया गया है। यह भारत सरकार की योजना के तहत आरटीडीसी द्वारा यह काम किया जा रहा है। सितंबर तक लाइट एंड साउंड का वॉटर शो शुरू हो जाएगा। कंपनी द्वारा 2 साल इसका भी मेंटेनेंस का कार्य रहेगा।

जागरूक खबरें

विप्र फाउंडेशन के स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 60 युनिट रक्तदान हुआ

पिलानी @ जागरूक जनता। विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ शाखा पिलानी के तत्वावधान में बिरला सार्वजनिक अस्पताल परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि चिड़ावा डीएसपी सुरेश शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि नगरपालिका पिलानी उपाध्यक्ष दीपिका शर्मा, सूरजगढ़ बीएमएचओ डॉ. शैलेश कुमार, बिरला अस्पताल निदेशक डॉ. मधुसुदन मनीष मालानी, समाजसेवी संतोष लांबीवाल व भामाशाह मोहनलाल बोचीवाल थे। अध्यक्षता फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश व्यास लीखवा ने की। विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष ममता शर्मा व जिला प्रभारी डॉ. आशा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक सरोकार कार्यो की जानकारी दी। अतिथियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। शिविर के दौरान 60 युनिट रक्तदान हुआ। इस मौके पर अस्पताल सीएमओ डॉ. आरके जैन, डॉ. बी पॉल, डॉ. राजेंद्र शर्मा, डॉ. हेमंत शर्मा, गोविंदराम सैनी, अंजली सिंहा, सुधा शर्मा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पंकज भोमिया, कृष्ण शर्मा, प्रशांत शर्मा, आशीष रुंथला, सुशीला शर्मा, अनिता मिश्रा, कनिका मिश्रा, रेखा शर्मा, विनिता शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, सुचित्रा शर्मा, चेतना पांडे, वंदना शर्मा, सुभाषिनी शर्मा, डॉ. रेखा शर्मा, अरुणा शर्मा, राधा शर्मा, पुष्पा शर्मा, भंवरी शर्मा, प्रमिला शर्मा, सुमन रुंथला, ईशान शर्मा, पुनित शर्मा, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिन पर शिविर में 67 यूनिट एकत्र

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम मीणा के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के संयोजक अशोक सपोटरा एवं सह संयोजक सोम सिंह मीणा ने बताया कि रक्तदान शिविर का आयोजन जेएमए हॉल सवाई मानसिंह चिकित्सालय में किया गया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने एवं महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। रक्तदान शिविर में 67 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदान शिविर में जयपुर सीएमएचओ प्रथम डॉ नरोत्तम शर्मा, कांग्रेस नेता डॉ भवी मीणा, एसएमएस चिकित्सालय अधीक्षक डॉ राजेश शर्मा अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ नरेंद्र सिंह चौहान डॉ गिरीश शर्मा नर्सिंग अधीक्षक केदार शर्मा सुरेश कुमार मीणा मुरारी शर्मा सीताराम मीणा भगवती, दिनेश वर्मा सत्येंद्र चौधरी विनीता शेखावत अतिथि सम्मिलित हुए डॉ नरोत्तम शर्मा एवं डॉ राजेश शर्मा के द्वारा रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर के आयोजन समिति के सदस्य प्रदेश संयोजक दीपक तिवारी अध्यक्ष बालकृष्ण शर्मा अध्यक्ष संघर्ष समिति सोम सिंह मीणा प्रदेश संयोजक मनोज दुबे पवन सिंह जादौन गुरु प्रताप सिंह सदस्य मौजूद रहे।

हीरो मोटोकॉर्प व जार की ओर से ग्रामीणों व विद्यालय में बांटे मास्क

जयपुर @ जागरूक जनता। जिले की ग्राम पंचायत दंताला मीणा में जार व हीरो मोटोकॉर्प की ओर से विद्यालय स्टाफ व ग्रामीणों को मास्क वितरण किया गया। जानकारी अनुसार जर्नलिस्टस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) व हीरो मोटोकॉर्प कि ओर से दंताला मीना में सरपंच मुकेश मीना, पिईईओ जगदीश प्रसाद वर्मा व ग्रामीणों को मास्क वितरित किए गए।हीरो मोटोकॉर्प के वीरेन्द्र सिंह ने जार राजस्थान को 2500 सर्जिकल मास्क,50 लीटर सेनेटाइजर व 500 एन95 मास्क दिए। जिनको जार राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा, प्रदेश महासचिव संजय सैनी व जयपुर जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा के सानिध्य में राजस्थान के पत्रकारों जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के पुलिश थाना, पीएचसी, सीएचसी, विद्यालयों के स्टाफ व ग्रामीणों को फ्री मास्क व सेनेटाइजर वितरित किया जा रहा है। इस दोरान सीताराम शर्मा, मोहन मंगलम, शंकर लाल मीणा सेकेट्री सहित विद्यालय स्टाफ व ग्रामीण मोजूद रहे।

स्वर्गीय जितेंद्र बागड़ा के जन्मदिन पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। कांग्रेस नेता, समाजसेवी एवं भगवान परशुराम फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रहे स्वर्गीय जितेंद्र शर्मा बागड़ा के जन्मदिवस पर युवा साथियों ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। आयोजनकर्ता जय प्रकाश बागड़ा ने बताया की युवाओं ने बढ़-चढ़कर जोश एवं उत्साह के साथ रक्तदान किया। रक्तदान संग्रहित गुरुकुल ब्लड बैंक की टीम के सहयोग से किया गया। रक्त दाताओं को प्रशस्ति पत्र, मास्क एवं सैनिटाइजर वितरित कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्वर्गीय जितेंद्र बागड़ा के भाई अंशुल शर्मा विजय शर्मा बागड़ा और बागड़ा के मित्रगण व अन्य युवा कार्यकर्ता मौजूद थे। आयोजनकर्ता जय प्रकाश बागड़ा में जानकारी दी है कि स्व. जितेंद्र बागड़ा का सामाजिक हित में अग्रणी योगदान था। संकट की घड़ी में गरीब, जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के विश्वास की बुनियाद पर खरा उतरते थे स्व. जितेंद्र बागड़ा, तथा जयपुर में अब तक हजारों की संख्या में रक्तदान शिविर का आयोजन करवा चुके थे, जो हमारे बीच नहीं रहे फिर भी लोगों ने स्वर्गीय जितेंद्र बागड़ा की कार्यशैली से प्रभावित होकर उनके जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

रामदेव चौधरी ने जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

जयपुर @ जागरूक जनता। बनीपार्क में डाबला ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड संस्था के तत्वावधान में रामदेव चौधरी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवा साथियों ने बढ़चढ़कर रक्तदान किया। जिसमें रक्तदान संग्रहण के लिए चांदपोल जनाना ब्लड की टीम द्वारा किया गया। शिविर में 55 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ ।

राज परिंदे नेचर क्लब सदस्यों की नेचर ट्रेकिंग में पहुंचे विशेषज्ञ, बोले...

समृद्ध जैव विविधता की परिचायक है राजसमंद झील

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राजसमंद। देश के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक और राजपूताना सोसायटी ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के संस्थापक भरतपुर निवासी डॉ. एस.पी.मेहरा ने कहा है कि द्वारिकाधीश की नगरी में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को अपने में समेटनी वाली राजसमंद झील जैव विविधता से समृद्ध है और इसके संरक्षण-संवर्धन करने के लिए स्थानीय निवासियों को आगे आना चाहिए। डॉ. मेहरा यहां राजसमंद झील संरक्षण-संवर्धन के लिए नवगठित राज परिंदे नेचर क्लब के सदस्यों द्वारा आयोजित नेचर ट्रेकिंग कार्यक्रम में क्लब सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महाराणा राजसिंह द्वारा स्थापित राजसमंद झील प्राचीन काल से ही अपनी विशालता के साथ-साथ नैसर्गिक समृद्धता के लिए जानी-पहचानी जाती है। झील के पूर्वी भाग में अभी भी बड़ी संख्या में देशी बबूल और अन्य ऐसे वृक्ष हैं जो स्थानीय और प्रवासी परिंदों के प्रजनन के लिए अनुकूल पर्यावास उपलब्ध कराते हैं, ऐसे में इसे ईको ट्यूरिज्म के लिए विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि देशी बबूल का संरक्षण किया जाए वहीं पक्षियों के लिए अनुकूल प्रजातियों के पौधों का रोपण भी किया जाए। इस मौके पर डॉ. मेहरा के साथ पहुंचे पक्षी विशेषज्ञ प्रीति मुर्डिया, विनय दवे ने राज परिंदे नेचर क्लब के सदस्य नरेन्द्र पालीवाल, पंकज शर्मा सूफी, एडवोकेट नीलेश पालीवाल, हिमांशु चंद्रावत, मनोज साहू हाड़ा, कैलाश सांचीहर, अनमोल शर्मा आदि के साथ बर्ड वॉचिंग की और इस झील की जैव विविधता पर डाटा संकलित किया। विशेषज्ञों व क्लब सदस्यों ने झील किनारे और आसपास के क्षेत्र में उपलब्ध वृक्षों, झाड़ियों, झील में स्थित वनस्पति, पानी की गुणवत्ता, प्रदूषण स्थिति, झील किनारे कृषि कार्य, झील भराव क्षमता, (एफटीएल), केचमेंट एरिया सहित झील से सटे क्षेत्र में सरीसृप, मेंढक, टेरिस्टेरियल बर्ड्स आदि के बारे में जानकारी संकलित की। विशेषज्ञों ने यहां पर स्थानीय और प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल स्थितियों को देखकर प्रसन्नता जताई और यहां पर निकट भविष्य में पौधरोपण कार्यक्रम के साथ-साथ बर्ड फेस्टिवल आयोजित करने का सुझाव भी दिया।

दुर्लभ पक्षियों को देख अभिभूत हुए विशेषज्ञ

राजसमंद झील पर पहुंचे विशेषज्ञों ने यहां पर कई दुर्लभ प्रजातियों को देखकर प्रसन्नता जताई। विशेषज्ञ डॉ. मेहरा ने बताया कि आईयूसीएन की लिस्ट में रेड डाटा प्रजाति में शामिल रिवर टर्न जो कभी दक्षिण राजस्थान के सभी जलाशयों में सामान्य रूप पाई जाती थी वह इन दिनों राजसमंद झील में बहुतायत में देखी जा रही है। इसी प्रकार आईयूसीएन की लिस्ट में नियर थ्रेटन्ड प्रजातियों में शामिल ब्लेक हेडेड व्हाहट आईबिज, ब्लेक टेल्ड गॉडविट और विस्कर्ड टर्न का यहां देखा जाना इस झील की पक्षियों के लिए अनुकूलता को दिखाता है। उन्होंने बताया कि झील में इन दिनों विश्व में उड़ने वाले सबसे बड़े पक्षी सारस क्रेन के पचास से ज्यादा की संख्या में विचरण की जानकारी भी है जो कि झील बड़ा महत्त्वपूर्ण तथ्य है। विशेषज्ञों ने नेचर ट्रेकिंग के दौरान झील में ओस्प्रे, फ्लेमिंगो, स्पॉट बिल्ड डक, नॉब बिल्ड डक, स्पूनबिल स्टॉर्क, ग्रे हेरोन, परपल हेरोन, ओपन बिल स्टॉर्क्स, कार्मोरेंट्स, कूट्स, ब्लेग विंग्ड स्टील्ट सहित दो दर्जन से अधिक प्रजातियों के पक्षियों को देखा और इनके संबंध में डाटा संकलित किया।

बिट्स एलुमनाई ने भेंट किये वेंटिलेटर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पिलानी। कोरोना महामारी की तीसरी लहर को देखते हुए हमेशा की तरह लोगो की मदद के लिए आगे रहने वाले बिट्स एलुमनाई के सदस्यों ने आज बिरला सार्वजनिक अस्पताल पिलानी में दो उच्च तकनीक वाले वेल्टीनेटर बिट्स के वाईस चांसलर डॉ. आर. एन. शाह व उनकी टीम के सदस्य प्रोफेसर सुधीर बहराई, प्रोफेसर एस. के. वर्मा व प्रोफेसर आर्याकुमार द्वारा बिरला अस्पताल के निदेशक डॉ. मधुसुधन मालानी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. जैन. को भेंट किये। डॉ. जैन ने एलुमनाई सभी सदस्यों का आभार जताते हुए बताया कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान अस्पताल में वेल्टीनेटर की कमी महसुस कि गई जिसकी पूर्ति आज बिट्स एलुमनाई द्वारा कर दी गई है। आगे आने वाली कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए व अस्पताल में आने वाले अन्य गंभीर मरीजों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होंगें। इस अवसर पर बिट्स के वाईस चांसलर डॉ. आर. एन. शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि बिट्स पिलानी का हमेशा से पिलानी के लोगों के साथ जुड़ाव रहा है और उन्होंने कहा कि बिट्स ने शिक्षा के साथ-जनसेवा में भी बढ़ चढ़कर सहयोग किया है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि बिट्स पिलानी एलुमनाई के सभी सदस्यों द्वारा अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाने के लिए भी आर्थिक सहयोग किया जा रहा है जो कि वर्तमान में निर्माणाधीन है व कुछ ही समय बाद इसी अगस्त महीने के अंत तक शुरू हो जायेगा तथा भविष्य में भी अस्पताल को इस तरह के सहयोग करते रहने का आश्वासन दिया। अस्पताल के निदेशक डॉ. मधुसुधन मालानी ने बिट्स वाईस चांसलर डॉ. आरएन शाह व उनकी टीम की सभी सदस्यों को उनके द्वारा दिए गए वेंटीलेटर व सहयोग के लिए धन्यवाद् दिया। इस मौके पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. वी. पी. सिंह, फिजिशियन डॉ. राजेंद्र शर्मा प्रबंधक जी. आर. सैनी व आईसीयू नर्सिंग स्टाफ उपस्थित था।

लायंस क्लब भरतपुर सेंचुरी के वृक्षारोपण समारोह का समापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। भरतपुर इंटरनेशनल लायंस क्लब के प्रांत 3233 श्व1 के आह्वान पर लायंस क्लब भरतपुर सेंचुरी द्वारा मनाए गए वृक्षारोपण सप्ताह का समापन समारोह किला स्थित जयशंकर टाईगर जूडो कराटे क्लब में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप वन संरक्षक अभिमन्यु सहारण रहे अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष श्रीनाथ शर्मा ने की। क्लब के संस्थापक जयशंकर टाईगर की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण के साथ प्रारंभ हुए इस समारोह में जूडो कराटे क्लब के छात्र छात्राओं ने विद्या का प्रदर्शन किया। 4 जुलाई को प्रारंभ हुई इस कार्यक्रम में अनेकों स्थानों पर औषधीय वृक्षों सहित विभिन्न प्रकार के पौधारोपण किए गए।

10 जुलाई को समापन जयशंकर जूडो कराटे क्लब किला में हुआ।

क्लब का उद्देश्य भरतपुर ग्रीन है क्लब अध्यक्ष शर्मा ने अन्य क्लबों, संस्थाओं व व्यक्तिगत समूहो को साधुवाद दिया जो अपने स्तर पर वृक्षारोपण कर मेक भरतपुर ग्रीन को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में जयशंकर टाईगर एवं सेंचुरी क्लब द्वारा विभिन्न प्रजातियों के 101 वृक्षों का वितरण अतिथियों को किया गया। समारोह में रीजन चेयरपर्सन मदन गोपाल शर्मा, डॉ मोहकम सिंह, नवीन पाराशर, जयपाल सोलंकी, डॉ ममता शर्मा, डॉ रंजना पाराशर, कुसुम सोलंकी, हरी चरण शर्मा, पीयूष टाईगर, कौशलेश शर्मा, गिरधारी तिवारी, डॉ सुशील पाराशर, पार्षद भास्कर शर्मा, विमला शर्मा तथा किला निवासी अनेक लोगों ने वृक्षारोपण किया।

पादरली गांव में धन्यवाद सभा आयोजित

चुनाव में किए गए वादे जरूर पूरा करेंगे - ऊमसिंह राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीनमाल/आहोर। क्षेत्र के पादरली गांव में पंचायत समिति मद से विभिन्न विकास कार्यों के लिए करीब 50 लाख रूपए की राशि स्वीकृत करवाने पर ग्रामवासियों द्वारा धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य उमसिह राठौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।

इस दौरान पीसीसी सदस्य ऊमसिह राठौड़ का ग्रामीणों ने साफा व माला पहनाकर बहुमान किया और 50 लाख रुपए की राशि स्वीकृत करवाने पर आभार जताया। वहीं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पीसीसी सदस्य उमसिह राठौड़ ने कहा कि पंचायती राज चुनाव में किए गए सभी वादे जल्द ही पूरे करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि गांव में विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत के साथ-साथ आमजन को भी आगे आना होगा। गहलोत सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। राठौड़ ने कहा कि गहलोत सरकार की सोच गरीब व जरूरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जिसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही उमसिह राठौड़ ने कहा कि जबसे प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनी है तबसे ही पूरे प्रदेश में एक समान विकास कार्य करवाए जा रहे है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गरीब को गणेश मानकर अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले इसके लिए संकल्पित है। इस मौके पर सरपंच गणेश कंवर, प्रकाश सिंह पादरली, अमराराम मेघवाल, केवलसिंह, कमलेश शर्मा, फुटरसिह, मदनदास व शेरखान सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जलुथरियां ने की डॉ. राणावत से शिष्टाचार भेट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजकीय रुदेबेप्र जयपुरिया अस्पताल के अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनीत सिंह राणावत से राज.वुशू संघ के वाईस चेयरमेन सत्यनारायण जलुथरियां ने राणावत को पुष्प गुच्छ देकर शिष्टाचार भेट कि तथा डां.राणावत ने अपनी हास्पिटल स्टाफ कि टीम द्वारा कोरोना काल में किये गये कार्यो के बारे में अवगत करवाया। जिस तरह से जयपुरिया अस्पताल की समस्त टीम ने मिलकर अच्छा कार्य किया। उसके बारे में अखबार एवं सोशल मीडिया के माध्यम से बहुत कुछ अच्छा सुनने को मिला। उसके पश्चात हमने जब अस्पताल में आकर के व्यवस्थाएं देखी तो हतप्रभ रह गए। एक और अस्पताल परिसर में ही मुख्य द्वार के सामने खाली पड़ी जमीन पर कोरोना काल से पहले जहां कबाड़ और अवैध पार्किंग होती थी वहां अब (दूब, फूल के पौधे व छायादार पेड़ लगवाकर) बगीचा विकसित किया। वहीं दूसरी तरफ अस्पताल परिसर के अंदर भी गमलों में पौधे लगवाकर मरीजों की मनो स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया। अस्पताल परिसर में जब हमने घूमकर देखा तो पाया कि सभी व्यवस्थाएं अपनी जगह सुचारू रूप से व्यवस्थित थी। किसी भी मरीज को परेशानी होती तो वह सीधा ही अस्पताल अधीक्षक डॉ. राणावत से मिलकर अपनी समस्या का समाधान करवा रहा था। इस अवसर पर डॉ. राणावत का जलुथरियां ने आभार जताते हुए कहा कि यहां जो भी अच्छा कार्य हुआ है वह सब हमारी नैतिक जिम्मेदारी है एवं मरीजों की सेवा एवं उपचार करना हमारा परम धर्म है और मरीजों के हित में जो भी सार्थक प्रयास किया। इस मौके पर युवा कांग्रेसी नेता मोहन जेवरियां,बन्ना लाल वर्मा, राधेश्याम, विकास कूमार, आकाश कूमार आदि लोग उपस्थित थे।

विप्र ध्वज होगा श्री त्रिनेत्र गणेश को समर्पित

भरतपुर @ जागरूक जनता। परमपिता परमेश्वर आराध्य देव भगवान परशुरामजी के आशीष से विप्र फाउंडेशन का प्रथम ध्वज निर्माण होने पर विप्र समाज में ऊर्जा का संचार हुआ है। विप्र फाउंडेशन के ध्वज बनने पर जिला समन्वयक विनोद बिहारी भारद्वाज के प्रतिष्ठान पर बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष युवा इन्दुशेखर शर्मा ने विप्र फाउंडेशन के ध्वज निर्माण के साथ प्रथम ध्वज 12 जुलाई 2021 को श्री त्रिनेत्र गणेशजी सवाईमाधोपुर पर अर्पण किया। विनोद बिहारी भारद्वाज ने प्रदेशाध्यक्ष युवा इन्दुशेखर शर्मा, प्रदेश सचिव युवा देवाशीष भारद्वाज, कमल कांत त्यागी, जिलाध्यक्ष युवा उमेश पाराशर का मुँह मीठा करा कर हर्ष व्यक्त किया।

विश्व शांति के लिए रामायण पाठ के साथ यज्ञ का आयोजन

भुसावर /भरतपुर @ जागरूक जनता। देश नहीं संपूर्ण विश्व में फैली हुई कोरोना वैश्विक महामारी संक्रमण से निजात पाने के लिए विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग अपने अपने अनुसार परम पिता परमेश्वर से आराधना कर रहे हैं इसी क्रम में भुसावर कस्बे के अति प्राचीन कानूनगो मोहल्ला स्थित दीवान वाले स्थान पर कस्बे के कानूनगो परिवारों की ओर से रामायण पाठ के साथ यज्ञ का आयोजन किया गया। शिक्षाविद जगदीश प्रसाद अनाज वालों की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में आर्य समाज रीति से यज्ञ का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रवचन करते हुए ओम प्रकाश पंसारी ने कहा कि वर्तमान में ऑक्सीजन की विशेष आवश्यकता है कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन के लिए समस्त भारत में त्राहि-त्राहि मच गई थी यज्ञ करने से पर्यावरण शुद्ध होता है पर्यावरण शुद्ध होने से ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है हमें सभी को बड़े छायादार वृक्ष लगाकर उनकी बड़े होने तक देखभाल करनी है यही हमारा आने वाली समय का कोरोना से बचाव का सरल उपाय होगा। इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद मित्तल सुरेंद्र सिंघल शुभम सिंघल सहित कानूनगो परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ANCHOR

चेतना फाउण्डेषन द्वारा स्थापित एलपीजी शवदाह गृह का लोकार्पण

सामाजिक कार्य में जन विश्वसनीयता जरूरी - कटारिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि सामाजिक कार्य में जन विष्वास का अत्यधिक महत्व होता है। सहयोग करने वाला छोटा हो या बडा हो सभी को भामाषाह ही कहा जाता है एवं भामाषाह तथा जन विष्वास के बल पर समाज के प्रत्येक कार्य को समय पर सहज एवं सरल भाव से पूरा किया जा सकता है उसका प्रत्यक्ष उदाहरण चितौड़गढ़ में स्थापित एलपीजी शवदाह गृह की योजना है। ये विचार उन्होनें चेतना फाउण्डेषन द्वारा आयोजित एलपीजी शवदाह गृह लोकार्पण एवं दानदाता सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए व्यक्त किये। उन्होनें मोक्षधाम समिति द्वारा जगह उपलब्ध कराने के साथ ही डॉ. आई.एम. सेठिया की संकल्प शक्ति एवं उनके प्रति जनविश्वास को सामाजिक कार्यो के लिए प्रेरणादायी बताया। समारोह में सांसद सी.पी. जोषी, विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या, जिला प्रमुख सुरेष धाकड, स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबन्धक एस.के. झा के अलावा पूर्व विधायक गौतम दक, समाजसेवी भोपाल सिंह बाबेल, अषोक चण्डालिया, उपजिला प्रमुख भूपेन्द्र सिंह बडौली, मोक्षधाम समिति के अध्यक्ष भोपाल सिंह बाबेल एवं मंत्री सुधीर जैन ने भी विचार व्यक्त किये।

मोली बांधकर किया उद्घाटन

कटारिया सहित अतिथियों ने शवदाह गृह संयत्र अवलोकन कर मौलीबन्ध खोलकर एवं बटन दबाकर इकाई का लोकार्पण किया एवं दानदाताओं की पट्टिका एवं लोकार्पण पट्टिका का भी अनावरण किया।

ये रहे मौजूद

चेतना फाउण्डेषन के न्यासी सीए दिनेष सिसोदिया, हेमन्त शर्मा, डॉ. डी.एल. लढा एवं ज्ञान मेहता, अरबन बैंक चेयरपर्सन विमला सेठिया, उपाध्यक्ष षिवनारायण मानधना, निदेषक डॉ. महेष सनाढय, हस्तीमल चोरडिया, बालकिषन धूत, रणजीत सिंह नाहर, चान्दमल नन्दावत एवं सुनीता सिसोदिया ने अतिथियों का शॉल उपरणा एवं पगडी से अभिनन्दन किया। इस अवसर पर भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष कमलेष पुरोहित, पूर्व प्रधान प्रवीण सिह राठौड, नगर अध्यक्ष सागर सोनी, लोक अदालत सदस्य षषि माथूर, तारावती धाकड, रष्मि सक्सेना, अष्लेष दषोरा, जे.पी. भटनागर, सोहन लाल तनवानी, प्रकाष पटवारी, राजेन्द्र सिंह भाटी सहित नवीन पटवारी सहित कई प्रबुद्वजन उपस्थित थे। कार्यक्र म के अन्त में न्यासी सीए दिनेष सिसोदिया ने आभार व्यक्त किया एवं संचालन चितौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक की प्रबन्ध निदेषक वन्दना वजीरानी ने किया। अतिथियों ने पानदेवी सेठिया एवं शान्तिलाल सेठिया का भी अभिनन्दन किया।

भामाषाहों का अभिनन्दन

नेता प्रतिपक्ष गुलाब चन्द कटारिया सहित अन्य अतिथियों ने भारतीय स्टेट बैंक, नगर परिषद्, विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या सहित व्यक्तिगत दानादाता श्री सुरेष कुमार, किरण कुमार, सम्पत डांगी, अनील कुमार सेठिया, जगदीष चन्द्र पंचोली, निर्मल कुमार बाफना विनोद फुलवानी, शंभु लाल अग्रवाल, अनिल उमा सुराणा, बलवन्त सिंह सिसोदिया, यषोदा देवी, अम्बालाल काबरा, राजेष भण्डारी, अषोक भण्डारी, डॉ. ए.एल. जैन को शॉल उपरणा एवं अभिनन्दन पत्र प्रदान कर अभिनन्दन किया। तकनीकी सेवा प्रदाता के. जी, रि मेषन डवलपर्स, प्रमोद माथूर, नरेन्द्र सिंह एवं स्वरूप सिंह राजवी सहित क्षैत्रीय पार्षद मंजू देवी मून्दडा एवं मोक्षधाम समिति संरक्षक इन्द्रमल लोढा, लक्ष्मीलाल तातेड, अध्यक्ष भोपाल सिंह बाबेल एवं सुधीर जैन का भी अभिनन्दन किया।

जागरूक खबरें

बिरला सार्वजनिक अस्पताल में थैलेसिमिया का ईलाज किया जाएगा फ्री

पिलानी, झुंझुनूं @जागरूक जनता। झुंझुनूं के पिलानी के युवा उद्यमी डॉ. मधुसूदन मालानी चिकित्सा और स्वास्थ्य की दृष्टि से लगातार लोगों की मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं। अब उन्होंने झुंझुनूं जिले के थैलेसिमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों के लिए बड़ा ऐलान करते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। बिरला सार्वजनिक अस्पताल में विप्र फाउंडेशन की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में डॉ. मालानी ने कहा कि थैलेसिमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों की मौतें हो जाती है। या तो उन्हें समय पर ब्लड नहीं मिलता या फिर ब्लड ट्रांसफ्यूजन करवाने में आर्थिक तंगी सामने आ जाती है। इसलिए बिरला सार्वजनिक अस्पताल में अब थैलेसिमिया वाले बच्चों को फ्री में ब्लड और ट्रांसफ्यूजन का काम किया जाएगा। झुंझुनूं जिले का कोई भी परिजन अपने बच्चे के लिए यह सुविधा फ्री में ले सकता है। उन्होंने बताया कि उनका मकसद है कि बीमारी के अभाव में कोई भी जान नहीं जाए। इसके लिए ही उन्होंने पिछले दिनों कोरोना में अपने माता-पिता खो चुके बच्चों को स्वास्थ्य की दृष्टि से आजीवन गोद लिया था। वहीं महिलाओं के लिए उन्होंने गर्भाशय का कैंसर की जांच करने के लिए महंगी कॉलोस्कोपी जांच भी हमेशा के लिए फ्री कर दिया था।

निजी शिक्षण संस्थाओं के संचालकों ने मौन जूलुस निकाल दिया ज्ञापन

निंबाहेड़ा @ जागरूक जनता। क्षेत्र के 100 से अधिक निजी शिक्षण संस्थाओं के संचालकों ने विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम चन्द्रशेखर भण्डारी को ज्ञापन सौंपा। संचालकों ने काली पट्टी बांधकर मौन जूलुस निकालते हुए सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के कार्यालय पर उनके प्रतिनिधि नपाध्यक्ष सुभाष शारदा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही बैठक कर सभी संचालकों ने 16 जुलाई से कक्षा 6 से 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए समस्या कक्षाएं प्रारंभ करने का निर्णय लिया। ज्ञापन में राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया हेतु शिविरा पंचांग में 15 सितम्बर की आदेश की पालना सुनिश्चित करने, बिना टीसी के प्रवेश देने के आदेश को वापस लेने, बिना टीसी प्रवेश नहीं देने, 15 जुलाई से स्कूल प्रारंभ करने एवं कांग्रेस के जन घोषणा पत्र में शामिल मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। साथ ही विभाग द्वारा राजकीय विद्यालयों को पुस्तके वितरण प्रारंभ कर दी गई, परंतु 5 वीं तक की अंग्रेजी माध्यम की पुस्तके बाजार में सशुल्क वितरण हेतु वर्तमान तक उपलब्ध नहीं कराई है। परिसर में ही सभी संचालकों ने बैठक कर कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों को कोविड नियमों की पालना करते हुए समस्या समाधान हेतु अलग अलग समय पर 16 जुलाई से विद्यालय बुलाने एवं प्रवेश संबंधित कार्य पूर्ण कराने का निर्णय लिया। इस अवसर पर प्रकाशचन्द्र चेलावत, ओमप्रकाश शर्मा, बीएम राठी, अरूण मालवीय, पवन धीया, कमलेश वैष्णव, सईद खान, राजेन्द्र शर्मा, निर्मल पण्डित, अशोक वैष्णव, पप्पु सोनी, रामसहाय कावरा, अनिल फडनवीस, उदयलाल शर्मा सहित निंबाहेड़ा उपखंड क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के 100 से अधिक विद्यालय संचालक उपस्थित थे।

विद्यालय में मंत्रोच्चार के साथ की गई सरस्वती की मूर्ति स्थापित

भरतपुर @ जागरूक जनता। भरतपुर जिले के कामा उपखंड के गांव मुराद स्थित-राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मे विद्यालय परिवार के सहयोग से हुए मंदिर निर्माण के बाद विधि-विधान व मंत्रोच्चार के साथ सरस्वती की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि कनवाडा जितेंद्र सिंह द्वारा की गई एवं मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कामां अमर सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरेश चंद भारत थे। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रधान बबलू गुर्जर ने बताया कि विद्यालय स्टाफ के सहयोग से विद्यालय में मंदिर बनवाया गया जिसमें सरस्वती मां की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा प्रभचंद कटारा द्वारा की गई एवं विधिवत रूप से हवन यज्ञ किया गया इस मौके पर विद्यालय परिसर में अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया इस अवसर पर कनवाड़ा प्रधानाचार्य श्याम नारायण सिंह, ऐंचवाड़ा प्रधानाचार्य नितेश कुमार, लुहेसर प्रधानाचार्य गिर्राज डागुर, प्रहलाद सिंह जनार्दन सिंह नेमीचंद विजेंद्र सिंह हरचरण सिंह विनोद कुमार गोस्वामी रामनारायण पारस कुमार मानसिंह आकाश कुमार मीणा गजेंद्र सिंह कृष्ण कुमार तारावती कविता वर्मा प्रतिभा सिंह रेखा सैनी मिथलेश कुमारी एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कोरोना दिवंगत आत्मा शान्ति के लिए दीप प्रज्वलन

भुसावर/भरतपुर @ जागरूक जनता। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण काल में जो भी हमारे भाई बहनें इस संसार को छोड़कर के गए हैं , वर्तमान में उनके परिवार में बहुत ही परेशानी हुई द्व परिवारों की स्थिति बिगड़ी है और जिम्मेवार आत्मा के चले जाने पर सारे परिवार को हर तरह की परिस्थिति का सामना करना पड़ता है द्य ऐसी दुख की घड़ी में हम परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति मिले , समस्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें यह कहना है प्रजापति ब्रह्मा कुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय उप सेवा केंद्र भुसावर की प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकमारी गीता बहन का। गीता बहन कोरोना काल में दिवंगत समस्त भाइयों-बहनों के लिए दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रही थी। भारतीय किसान संघ तहसील अध्यक्ष भ्राता सुरेंद्र पांडे ने कहा कि जिस आत्मा की जो नियति है वह उसी प्रकार इस संसार सागर में अवतरित होकर अपना कार्य कर इस शरीर को छोड़कर चली जाती है। परमपिता परमेश्वर की कृपा से जिस आत्मा से जिन जिन आत्माओं का आत्मीय मिलन जितने दिन का रहता है उतने ही दिन रहता है। संसार सागर में दुख और सुख का जोड़ा है दुख के बाद सुख और सुख के बाद दुख आता रहता है। इस अवसर पर 101 दीप प्रज्वलन कर 2 मिनट के मौन के साथ दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की गई। कार्यक्रम में ब्र. कु. अन्नू, प्रेम माता, मनीषा, रुक्मिणी, गीता, गुड्डी, गजेंद्र भाई एवं अन्य भाई बहिने उपस्थित हुए।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

प्रतिबंधित पर्वतों पर अवैध खनन

विरोध में निकाली शव यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। बृज के धार्मिक पर्वतो पर अवेध खनन का करोबार बंद नही होने क्षुब्ध पूर्व घोषणानुसार बाबा हरिबोलदास ने रविवार को अपना शव यात्रा के लिए चौला बदल लिया है। जो भेसेडा पर्वत से भग्वा वस्त्र त्याग कर श्वेत कफन के वस्त्र धारण कर आदिबद्री धाम रवाना हो गए है। जानकारी के अनुसार हरिबोल दास बाबा को आस पास के ग्रामीणो ने शव यात्रा एंव आत्मदाह के लिए समझाने का काफी प्रयास किया। वही स्थानिय प्रशासन ने उनसे वार्ता करने का असफल प्रयास किया है।हरिबोल ने ग्रामीणो से प्रश्न करते हुए कहाँ की आप बताऐ क्या सरकार व सरकार के प्रतिनिधी व अधिकारी बृज क्षेत्र की आस्था के प्रति गम्भीर है।अब सरकारी तंत्र माफियो का गुलाम बनकर रह गया है। संतो व आमजन की आस्था के प्रति सरकार भी गम्भीर दिखाई नही देती है।क्योकि कृष्ण की क्रीडास्थली के साथ खिलवाड बर्दास्त से बाहर है।इस लिए यह कठोर कदम चुना गया है। हरिबोलदास ने साधुसंतो के साथ रविवार को आदिबद्री के धार्मिक कार्यक्रमो में भाग लिया है।हालाकि कार्यकारी अध्यक्ष राधाकान्त शास्त्री के साथ संतो ने नगर के विधायक वाजिद अली से मुलाकत में मुख्यमत्री से वार्ता करने का आश्वासन मिला है। उल्लेखनिय हैकी बृज क्षेत्र के सरक्षित पर्वतो पर अवेध खनन ,ऑवरलोडिंग रूकवाने के लिए छः माह से पसोपा मे आन्दोलन चल रहा है। इनकी निगरानी के लिए कमेटी एंव उच्च न्यायालय के आदेश भी है। उसके बाद बृज मे अवेध खनन व ऑवलोडिग नही रूका है।इससे क्षुब्ध होकर बाबा हरिबोलदास ने 12 जुलाई से शव यात्रा प्रारम्भ कर 19 जुलाई को भरतपुर जिला मुख्यालय पर शरीर को पंचतत्व मे विलिन करने की घोषणा की थी। उसके बाद भी प्रशासन खानापूर्ति करता नजर आया।रसूखात के दबाब में कठोर कार्रवाही नही की जा रही है। सभी मिलकर खनन माफियाअे को अप्रत्यक्ष सहयोग करने मे जुटे हुए है।

कई बार बाबा हरिबोलदास से वार्ता करने का प्रयास किया गया। लेकिन मुलाकत नही हो सकी है।
-रमेश चंद वर्मा, कार्यवाहक तहसीलदार पहाड़ी

अरिहंताणं रक्त सारथी समूह के चार रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

भीनमाल @ जागरूक जनता। स्थानीय नाहर हॉस्पिटल भीनमाल में भर्ती मरीज ओखसिह को इमरजेंसी में बी पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता पड़ने पर अरिहन्तान रक्त सारथी समूह के सक्रिय रक्तवीर साथी जितेंद्र कुमार सोनी के द्वारा एक यूनिट रक्तदान करते हुए सराहनीय कार्य किया। अरिहन्तान रक्त सारथी समूह भीनमाल ब्लॉक सह प्रभारी मनोज सेन ने बताया की इसी प्रकार राज हॉस्पिटल भीनमाल, नाहर हॉस्पिटल भीनमाल, राजकीय चिकित्सालय भीनमाल व कृष्णा हॉस्पिटल भीनमाल में रक्तवीर साथी

महेंद्रकुमार माली भीनमाल, झालमसिंह राजपुरोहित जुंजाणी, मोहम्मद खान आलडी, कृष्ण कुमार राणा देताकला ने रक्तदान करते हुए सराहनीय कार्य किया। इस अवसर पर संस्थापक एवं जिला संयोजक कैलाश कुमार जैन, शेरसिंह चौहान कुशलापुरा, टीकमाराम भाटी खानपुर, तेजराजसिंह भाटी, मुकेश कुमार भट्ट, विकास नागर, दलपतसिंह भाटी, संजय सुखाड़िया, सतीश जीनगर, रविन्द्र रोहिन सहित कई टीम पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं को सराहनीय कार्य हेतु बधाई दी। इस दौरान कैलाश कुमार मुद्दा ने बताया कि जल्द ही अगले महीने रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

हर रविवार 30 मिनट्स घर-कार्यालयों की होगी सफाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कलक्टर इंद्रजीत सिंह ने जारी किए आदेश

जोधपुर। प्रदेश के बारिश के मौसम के बाद वाली मौसमी बीमारियों (डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया) जैसी मच्छर जनित बीमारियों की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए समय पर इनकी रोकथाम व नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग जोधपुर की ओर से एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसको लेकर जिला कलक्टर इंद्रजीत सिंह ने आदेश जारी कर जिले के समस्त केंद्र सरकार व राज्य सरकार के जिला अधिकारियों को निर्देशित दिए कि जुलाई माह से प्रत्येक रविवार-डेंगू पर वार विशेष अभियान को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं। सभी विभाग अपने अधीनस्थ समस्त राजकीय स्टाफ व संबंधित निजी कार्यालय राजकीय व निजी शिक्षण संस्थान में प्रत्येक शुक्रवार को यह शपथ दिलाए कि प्रत्येक रविवार को प्रातः 8:00 से 8:30 तक 30 मिनट्स अपने-अपने घरों में रखे पुराने टायर, मटके, कबाड़, कूलर व फ्रिज की ट्रे इत्यादि की सफाई करेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बलवंत मंडा ने बताया कि एडिस मच्छर का लार्वा साफ पानी के छोटे-छोटे पात्र में पनपता है। अगर प्रत्येक घर में इन पात्रों को साप्ताहिक रूप से साफ कर दिया जाए तो मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया को रोका जा सकता है।

आसाराम को जेल में आयुर्वेद चिकित्सक से उपचार की अनुमति

जोधपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में जोधपुर सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू की न्यायिक हिरासत में ही आयुर्वेद चिकित्सक से उपचार की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अनुमति दोषी की हिरासत को प्रभावित नहीं करेगी। न्यायाधीश डॉ.पुष्पेंद्र सिंह भाटी की एकल पीठ में याचिकाकर्ता नारायण साईं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव पुनालेकर ने कहा कि मामले को अंतिम सुनवाई के लिए आगे रखा जाए, लेकिन एक अंतरिम उपाय के रूप में याचिकाकर्ता के पिता आसाराम को जेल में एक प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. राघवन रमनकुट्टी की ओर से इलाज की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने मामले को दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। एकलपीठ ने कहा कि जब भी आवश्यक हो, डॉ. राघवन रामनकुट्टी, जो कि पहचान पत्र के साथ जेल आएंगे, को याचिकाकर्ता के पिता से मिलने और इलाज करने की अनुमति दी जाती है।

अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की वर्चुवल सभा परिचय एवं संवाद कार्यक्रम 25 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की वर्चुअल सभा परिचय एवं संवाद कार्यक्रम 25 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन के अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से जूम एप के द्वारा शाम 4 से 6 बजे तक सम्पादित किया जाएगा। बैठक की शुरूआत भगवान अग्रसेन जी एवं महारानी माधवी जी के तैल चित्र पर पूजा अर्चना एवं अग्रसेन वंदना के साथ होगी। इसके बाद सम्मेलन के पदाधिकारियों का मंच पर आसन ग्रहण, वंदे मातरम गीत की प्रस्तुति, अध्यक्ष द्वारा स्वागत उद्बबोधन एवं बैठक के संबंध में जानकारी, महामंत्री द्वारा प्रतिवेदन, कोषाध्यक्ष द्वारा विगत आय-व्यय के संबंध में ब्यौरा प्रस्तुतीकरण, सम्मेलन की प्रांतीय इकाइयों के अध्यक्ष/संयोजको द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुति, राष्ट्रीय संगठन मंत्री द्वारा संगठनात्मक जानकारियों का प्रतिवेदन, सम्मेलन के स्थाई प्रकल्पो/राष्ट्रीय कार्यक्रमों के संबंध में वन टु वन चर्चा एवं सुझाव आमंत्रित, सम्मेलन द्वारा विगत कोविड-19 काल में राष्ट्रीय स्तर पर संपादित कार्यक्रमों की जानकारी, राष्ट्रीय संयोजक संगठन द्वारा आगामी भविष्य में प्रस्तावित संगठनात्मक रूपरेखा एवं कार्य योजना की जानकारी, सम्मेलन की सदस्यता विस्तार एवं सदस्यता संबंधी चर्चा, सम्मेलन के अंतर्गत महिला एवं युवा इकाई के संगठनात्मक स्वरूप पर चर्चा, सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का डिजिटल सम्मान, सम्मेलन द्वारा स्थापित एक ईट-एक रुपया योजना के संबंध में जानकारी एवं सुझाव राष्ट्रीय संयोजक,चेयरमैन के द्वारा, सम्मेलन की मासिक अग्र ज्योति पत्रिका की संपादिका का प्रतिवेदन, सदस्यों के लिए 15 मिनट का खुला सत्र, अन्य चर्चा अध्यक्ष महोदय की अनुमति से, विगत कोविड-19 काल में दिवंगत लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी व अंत में राष्ट्रगान एवं आभार प्रदर्शन के साथ बैठक का समापन होगा।

प्रशासन की अनदेखी

जान से खेलते नीम-हकीम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। पुरानी कहावत है कि नीम हकीम खतरा ए जान यानी नीम हकीम के चक्कर में पड़े, तो जान को खतरा हो सकता है। क्षेत्र में बिना डिग्री के सैंकड़ों नीम-हकीम आपको लोगों का ईलाज करते देखे जा सकते हैं। इन्हें किसी की जान की भी परवाह नहीं होती। गोर करने वाली बात यह है कि स्थानीय प्रशासन भी इन्हें नजरअंदाज करता रहता है। कोरोना जैसी महामारी में भी इन नीम-हकीमों ने खूब चांदी कूटी है। किसी मरीज की हालत ज्यादा खराब होती है तो उसे यहां से किसी दूसरे अस्पताल में दिखाने की कहकर टरका दिया जाता है। निम्बाहेड़ा में ऐसे नीम-हकीमों की बाढ़ सी आई हुई है। ये नीम -हकीम कई मामलों में तो ऑपरेशन तक कर देते हैं। डिप लगाना, फर्स्ट एड देना तो आम बात है। कुछ मामलों में तो झोलाछाप डॉक्टर फर्जी डिग्री तक बनवा लेते हैं। इनके पास दवाएं, ओटी रूम के अलावा मर्जी को भर्ती करने तक की सुविधा होती है। हल्के लक्षणों के मरीजों की अच्छी खासी तादाद इन झोलाछाप और नीम-हकीमों के लिए सोने की मुर्गी होते हैं। कस्बे में अलग-अलग स्थानों पर भोले-भाले लोगों को तरह-तरह से अपनी बातों के प्रभाव में लेकर दवाइयां बेचने का धंधा चल रहा है। इस तरह के नीम-हकीम रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्डों के बाहर दुकानें सजाकर बैठे रहते हैं और जैसे ही कोई इनके झांसे में आता है उसे जड़ी बूटियां बताकर दवाइयां टिका देते हैं। बीते दिनों एक मामले में मरीज की मृत्यु होने पर प्रशासन द्वारा एक बार कार्यवाही करके इतिश्री करली गई। अब धीरे-धीरे इनकी सजावट पुनः होने लगी है।

रक्तदान महादान है, 33 यूनिट हुआ रक्तदान

भरतपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद शाखा भुसावर की ओर से कस्बे के दिल्ली रोड स्थित कलावती भवन पर रक्तदान शिविर का आयोजित हुआ। रविवार 11 जुलाई 2021 को शिक्षाविद श्याम लाल गुप्ता विटामिन ए वालों की स्मृति में आयोजित शिविर में रक्त कलेक्शन के लिए भरतपुर आरबीएम अस्पताल ब्लड बैंक से डॉ प्रवीण धाकड़ की टीम भुसावर पहुंची। शिविर संयोजक देवकीनंदन सोनी ने बताया कि 51 यूनिट का लक्ष्य रखा गया था जिसमें 33यूनिट रक्तदान हुआ। रक्त दाताओं प्रशस्ति पत्र के साथ टी शर्ट स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय शाखा अध्यक्ष अंशु मित्तल, चंद्र प्रकाश आर्य, कृष्ण कुमार मिश्रा, सहित सभी कार्यकारिणी के पदाधिकारी वह अन्य लोग उपस्थित रहे।

विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन न्यूयॉर्क से करेंगे वर्चुअल लोकार्पण

जयपुर फूट यूएसए की पहली मोबाइन वैन जनता को समर्पित

जोधपुर @ जागरूक जनता। कोरोना काल में जहां हर कोई सफर नहीं कर सकता और हर सुविधा अपने आस-पास ही चाहता है। इसी को देखते हुए दिव्यांगों की सेवा के लिए विशेष वैन बनाई गई है। यह वैन प्रभा एवं कनकराज गोलिया न्यूयॉर्क यूएसए की ओर से उनके माता-पिता कंकूदेवी एवं धनराज गोलिया जोधपुर की याद में भेंट की गई हैं। जयपुर फूट यूएसए के चेयरमैन प्रेम भंडारी ने बताया कि इस वैन को जयपुर फूट यूएसए के जरिये जरूरतों के लिए भेट की जाएगी। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन न्यूयॉर्क के होटल ताज में लोकार्पण कर रहे हैं। इस वैन का आइडिया कनकराज गोलिया के नाती निखिल मेहता का है। 17 साल के इस बच्चे ने ही पहले ऑक्सीजन ऑन व्हील का कॉन्सेप्ट दिया था। इस बार निखिल ने इस दिव्यांगों की सहायता वाली वैन का आइडिया दिया तो भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक डी आर मेहता की सहमति से इसे धरातल पर लाया जा रहा है। भंडारी ने बताया कि यह वैन एक दिन में 8-10 पैर लगा सकती है। न्यूयॉर्क में होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में न्यूयॉक पुलिस के अधिकारी जॉर्ज स्टेनली, ग्रेशियर्स गिवर फाउंडेशन व जयपुर फूट यूएसए के निशांत गर्ग, अशोक पांडे, अश्विन उपाध्याय, डॉ निलेश एवं डॉ कृति मेहता मौजूद रहेंगे।

201 रोजगारविहीन कामगारों को राशन

उदयपुर @ जागरूक जनता। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दो दिवसीय सेवा चर्चा एवं शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ौदा-गुजरात से आए अतिथियों को संस्थान ने सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी तथा उन्हें अपने क्षेत्र में नरसेवा-नारायण सेवा के संकल्प संचालित करने की प्रेरणा दी गई। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि बड़ौदा के समाजसेवियों की उपस्थिति में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए ऊबेश्वर जी में विशाल राशन वितरण शिविर का आयोजित किया गया। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल, पलक अग्रवाल की टीम ने ऊपली वियाल, नीचली वियाल, शंकर खेड़ा और बड़ंगा के निर्धन, आदिवासी और गरीब बेरोजगार कामगारों को 201 राशन किट, बिस्कीट और कपड़े आदि वितरित किए। हर किट में एक माह की खाद्य सामग्री थी। गोपेश शर्मा, दल्लाराम पटेल, बृजपाल सिंह और दिलीप सिंह मौजूद रहे।

कच्ची बस्तियों में पाठशाला आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीनमाल। प्रकृति की बाहों में आकर तो देखो दो नही एक ही पेड़ लगाकर तो देखो अब है सभी से यही गुजारिश वृक्ष की तरह किसी को छाव देकर तो देखो ऐसा ही काम जालोर द सुवर्णगिरि के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है । भीनमाल स्थिति गणेश नाड़ी में कच्ची बस्तियों के बच्चों को पाठशाला के माध्यम से पर्यावरण के बारे में समझाया। जालोर द सुवर्णगिरि पेज के तत्वाधान में पौधारोपणकर कार्यकर्ता पुरण कुमार का जन्मदिवस मनाया। कार्यक्रम में अतिथि के रुप में हरिसिंह सोलंकी, नितेश संघवी और कपूरा राम दर्जी उपस्थित रहे। अतिथियों ने कच्ची बस्ती के बच्चों को पेड़- पौधों का महत्व समझाते हुए वृक्षरोपण करने के लिए प्रेरित किया।

कपूरा राम ने सभी को वृक्षो का जीवन मे महत्व समझाते हुए कहा की एक प्रसिद्ध कहावत इस प्रकार है, कल्पना कीजिए कि अगर पेड़ वाईफाई सिग्नल देते तो हम कितने सारे पेड़ लगाते, शायद हम ग्रह को बचाते। बहुत दुख की बात है कि वे केवल ऑक्सीजन का सृजन करते हैं। कितना दुखद है कि हम प्रौद्योगिकी के इतने आदी हो गए हैं कि हम अपने पर्यावरण पर होने वाले हानिकारक प्रभावों की अनदेखी करते हैं। न केवल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल प्रकृति को नष्ट कर रहा है बल्कि यह हमें उससे अलग भी कर रहा है। साथ ही हरीसिंह ने बताया कि कोरोनाकाल मे ऑक्सिजन की कमी का एक मात्र कारण पेडों की कटाई था इसलिए हमें पेड़ पौधों को न काटते हुए इनका रौपण करना चाहिए अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छे जीवनयापन करना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। ऑक्सीजन लेने और कार्बन डाइऑक्साइड को छोड़ने के अलावा पेड़ पर्यावरण से अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं जिससे वायु शुद्ध और ताज़ी बनती है। जितने हरे-भरे पेड़ होंगे उतना अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन होगा और अधिक विषैली गैसों को यह अवशोषित करेंगे।

नितेश संघवी ने बताया कि प्रदूषण का स्तर इन दिनों बहुत अधिक बढ़ रहा है। इससे लड़ने का एकमात्र तरीका अधिक से अधिक पेड़ लगाना है। उदाहरण के लिए पेड़ों से घिरे क्षेत्र, गांव और जंगल शुद्ध पर्यावरण को बढ़ावा देते हैं। दूसरी ओर शहरी आवासीय और औद्योगिक क्षेत्रों में खराब प्रदूषण और कम पेड़ों की संख्या के कारण ख़राब गुणवत्ता की वायु है। वही पूरन सोनी ने कहा कि मेरे जन्मदिवस के उपलक्ष में पौधारोपण करने का सौभाग्य मिला और हमें ऐसा करने के लिए आसपास के लोगों को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इस दिशा में कुशलता से काम करने के लिए काम करने वाले निकट गैर-सरकारी संगठन में शामिल होना सबसे अच्छा है। इस मौके पर युनुस खान, गौरव माहेश्वरी, कुलदीप सिंह राठौर, भावेश सहित अन्य कई कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

16 जुलाई से 6 अगस्त तक लगातार इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं

कोटा @ जागरूक जनता। एनटीए और अन्य संस्थानों की ओर से जारी प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम ने स्टूडेंट्स को पशोपेश में डाल दिया है। घोषित तिथियों के अनुसार 16 जुलाई से लेकर 6 अगस्त तक कुछेक दिन छोड़कर लगातार प्रवेश परीक्षाएं हैं। कोविड-काल में स्टूडेंट्स एवं अभिभावकों के लिए इस प्रकार का टाइट-शेड्यूल असुविधाजनक हो सकता है। परेशानी यह है कि परीक्षा केंद्र अलग-अलग शहरों में होने के कारण सभी प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होना स्टूडेंट्स के लिए नितांत मुश्किल कार्य है।

16 जुलाई से 6 अगस्त तक ये हैं परीक्षाएं

16-जुलाई : ट्रिपल-आईटी, हैदराबाद की ओर से अंडर ग्रेजुएट एंट्रेंस एग्जामिनेशन यूजीईई
17-जुलाई : वेस्ट बंगाल इंजीनियरिंग एंटरेंस एग्जाम।
18-जुलाई : इंडियन स्टैटिसटिकल इंस्टीट्यूट-आईएसआई, कोलकाता।
20 से 25 जुलाई : जेईई-मेन अप्रैल सेशन।
27 जुलाई से 2 अगस्त : जेईई-मेन मई सेशन
3 अगस्त से 6 अगस्त : बिट्स-पिलानी, गोवा तथा हैदराबाद के लिए प्रवेश परीक्षा बिटसेट।

ANCHOR | अच्छी पहल

छोटा प्रयास, उद्देश्य बड़ा, स्कूल में खुला स्टेशनरी बैंक

संस्था प्रधान किशन टाक ने स्कूल में की स्टेशनरी बैंक की स्थापना जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क मिलेगी स्टेशनरी

मेहराम गहलोत @ जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जसपाली/ पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर उपखंड के जसपाली गांव स्थित राजकीय मध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य किशन टाक ने एक अनूठी पहल चलाकर विधालय में चार चांद लगा दिये जी हा बात ही कुछ ऐसी है विद्यालय दो शब्दों से मिलकर बना है विद्या और आलय। इसका मतलब यह है कि विद्या का घर। यहां विद्या की देवी सरस्वती का वास होता है। अब यह शिक्षक के ऊपर आधारित है कि वह अपने छात्रों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं। अगर जिक्र सरकारी विद्यालयों की हो तो बहुत से विद्यालय ऐसे है जहां आपको शर्मसार कर देने वाला माहौल देखने को मिलेगा। शिक्षा के नाम पर यहां सिर्फ बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है। लेकिन कुछ सरकारी विद्यालय ऐसे भी हैं जो अपने छात्रों को निःस्वार्थ भाव से बच्चों के बेहतर कल का निर्माण कर सभी सरकारी विद्यालयों और शिक्षकों के लिए उदाहरण बन रहे हैं। यह कहानी जसपाली के राजकीय माध्यमिक विद्यालय की है जहां पढ़ने की सारी वस्तुएं जैसे कॉपी, पेन, पेन्सिल, बुक आदि छात्रों को निःशुल्क दिया जा रहा है।

जसपाली स्कूल में 251 स्टेशनरी किट भेंट

संसार में सबसे खुशी वही है, जो देने में विश्वास रखता है और किसी को कुछ देने से बढ़कर सुख दुनिया की किसी वस्तु में नहीं है। इसी बात को चरितार्थ करते हुए RTMT तुलसी चेरिटेबल ट्रस्ट, जोधपुर की ओर से राजकीय माध्यमिक विद्यालय जसपाली के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के लिए कॉपी, पेन, पेसिंल और अन्य स्टेशनरी भेंट की गई। इस मौके पर संस्था प्रधान किशन टाक ने बताया कि पिछले वर्ष शिक्षक दिवस पर विद्यालय मे स्टेशनरी बैंक की स्थापना की गई थी, जिसमे समय समय पर भामाशाहों व शिक्षकों द्वारा दी गयी स्टेशनरी जमा की जाती है, जो बाद मे जरूरतमंद बच्चों को वितरित की जाती है। स्टेशनरी के साथ-साथ खिलौने और वस्त्र भी वितरित किए जाते हैं RTMT ट्रस्ट के HK जसमथिया द्वारा पिछले वर्ष भी स्टेशनरी के 150 किट उपलब्ध करवाए गए थे। इस बार ट्रस्ट द्वारा 251 किट विद्यालय स्टेशनरी बैंक मे भेट किये गए। विद्यालय परिवार, सरपंच परमेश्वर व ग्रामीण जनों ने इस पुण्य कार्य के लिए HK जसमथिया व ट्रस्ट का आभार प्रकट किया गया। इस दौरान अशोक कच्छावाह LDC, करमा, रामरतन लाल, विजय सिंह, हेमाराम, सविता कुमारी,अमित कुमार शर्मा समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

मील का पत्थर बनेगा सहकारिता मंत्रालय

जागरूक जनता सरपट
ज्ञानेन्द्र मिश्रा

सहकारिता का भारत वर्ष में योगदान नकारा नही जा सकता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने मंत्रिमंडल पुनर्गठन से ठीक पहले सहकारिता मंत्रालय का गठन कर 'सहकार से समृद्धि' के अपने नजरिये को जमीन पर उतारने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया जब देश में किसान आंदोलन की गूंज है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। पिछले दशकों में कृषि आय में लगातार कमी हुई है और बदहाल छोटे किसान कर्ज के दलदल से निकलने के लिए छटपटा रहे हैं। सहकारिता मंत्रालय का गठन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है, बशर्ते वह जल्द और प्रभावी तरीके से सक्रिय हो सके। इस मंत्रालय का जिम्मा अपने सबसे दमदार केंद्रीय मंत्री अमित शाह को सौंपकर प्रधानमंत्री मोदी ने इतना संकेत तो दे ही दिया है कि वह देश में सहकारिता अभियान को नया जीवन देना चाहते हैं।

निर्मला सीतारमण ने इस साल अपने बजट भाषण के दौरान कहा था, 'सरकार बहुराज्यीय सहकारी विकास के प्रति वचनबद्ध है और इसे हर तरह का सहयोग प्रदान किया जाएगा। सहकारी संगठनों के कामकाज को सुचारू करने के लिए अलग से एक प्रशासनिक तंत्र स्थापित किया जाएगा।' अर्थव्यवस्था को सुधारने में सहकारिता अभियान की भूमिका जब सरकार भी समझ रही है तो यह कदम को उठाने में इतनी देरी क्यों हुई? देश में सहकारिता आंदोलन नई बात नहीं है। गुजरात में जब छोटे किसान स्थानीय व्यापारियों व बिचौलियों की मनमानी से परेशान थे, तब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सहकारिता की राह दिखाई थी। इससे न सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ी, बल्कि राज्य की जीडीपी के विकास में भी इसने अहम भूमिका निभाई। सहकारिता आंदोलन का उद्देश्य किसानों को फसल उगाने से लेकर प्रोसेसिंग व मार्केटिंग तक की जिम्मेदारी देना है। गुजरात मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) इसकी सफलता का ही एक मॉडल है, जिसका उत्पाद 'अमूल' एक जाना-माना ब्रांड है। पंजाब-हरियाणा और कई अन्य राज्यों के किसान इस बात के गवाह हैं कि कैसे बिचौलियों के कारण उनकी आमदनी में बट्टा लग रहा है। ये किसान इन दिनों सड़कों पर हैं क्योंकि केंद्र के नए कृषि कानूनों के चलते उन्हें बिचौलियों के चंगुल से निकल उद्योगपतियों के चंगुल में फंसने की आशंका है। ऐसे में सरकार को उन्हें यह भरोसा दिलाना होगा कि सहकारिता अभियान से जुड़कर वे अपना भाग्य खुद लिख सकते हैं। यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल, क्योंकि हितों का टकराव आड़े आएगा। क्या सरदार पटेल की तरह अमित शाह पर भी किसान भरोसा करेंगे? यह आने वाला समय और उनके काम का तरीका तय करेगा।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस सेवादल का हल्ला बोल, गैस सिलेंडर की शव यात्रा निकाली

ऊंट गाड़ियों पर सवार होकर निकले सेवादल कार्यकर्ता, थाली,घंटी और पीपे बजाकर किया विरोध प्रदर्शन, बीजेपी कार्यालय के बाहर आमने-सामने हुए कांग्रेस- भाजपा के कार्यकर्ता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बढ़ती महंगाई को लेकर प्रदेश कांग्रेस की ओर से विरोध प्रदर्शनों का दौर जारी है। 7 जुलाई से 17 जुलाई तक होने वाले विरोध प्रदर्शनों के के तहत मंगलवार को सातवें दिन कांग्रेस सेवादल ने महंगाई के खिलाफ हल्ला बोल किया और विरोध प्रदर्शन करते हुए गैस सिलेंडर की शव यात्रा निकाली। साथ ही पीपे और घंटियां बजाते हुए पैदल मार्च भी निकाला। पैदल मार्च के दौरान भाजपा कार्यालय के बाहर भाजपा कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए जिस पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा।

भाजपा कार्यालय के बाहर हुए आमने-सामने

कांग्रेस सेवादल का पैदल मार्च जैसे ही भाजपा कार्यालय के बाहर से गुजरा तो कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुख्यालय के बाहर रुककर करीब 10 मिनट तक थाली और पीपे बजाकर विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान भाजपा कार्यालय से भी भाजपा कार्यकर्ता बाहर निकल आए और दोनों के बीच टकराव की स्थिति बन गई जिस पर पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए दोनों पक्षों को अलग-अलग किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से हल्की नोकझोंक भी हुई। गौरतलब है कि पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की की दरों में लगातार हो रही वृद्धि के विरोध में प्रदेश कांग्रेस की ओर से लगातार महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। कांग्रेस के अग्रिम संगठनों,विभाग-प्रकोष्ठ की ओर से अलग-अलग दिन विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

बनीपार्क से 22 गोदाम तक निकाला पैदल मार्च

महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता सुबह 11 बजे बनीपार्क स्थित मुख्यालय पर एकत्र हुए और यहां से महंगाई के विरोध में पैदल मार्च करते हुए करीब 8 किलोमीटर का सफर तय कर 22 गोदाम सर्किल पहुंचकर पैदल मार्च समाप्त किया। सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। गैस सिलेंडर की शव यात्रा निकाली वही महंगाई के खिलाफ विरोध का अनूठा प्रयोग करते हुए कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने रसोई गैस सिलेंडर की शव यात्रा निकाली, शव यात्रा को बारी-बारी से कांग्रेस कार्यकर्ता कंधा देते रहे। वहीं पैदल मार्च के दौरान ही ऊंट गाड़ियों के काफिले भी साथ-साथ चल रहे थे जिस पर कांग्रेस सेवादल की महिला कार्यकर्ता सवार थी। पैदल मार्च के दौरान सेवादल कार्यकर्ताओं ने थाली घंटियां और पीपे बजाकर विरोध प्रदर्शन किया। पैदल मार्च के दौरान ही कार्यकर्ता पेट्रोल पंप पर हस्ताक्षर अभियान के जरिए मोदी सरकार के खिलाफ समर्थन जुटाया।

जागरूक खबरें

जयपुर बयाना स्पेशल 22 तक सवाईमाधोपुर ही जाएगी

जयपुर @ जागरूक जनता। पश्चिम मध्य रेलवे (जबलपुर) के गंगापुर स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर इंजिनियरिंग कार्य हेतु नॉन इण्टरलॉकिंग ब्लॉक लिया जा रहा है। इस ब्लॉक के कारण ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे के डिप्टी जीएम और सीपीआरओ लेफ्टिनेंट शशि किरण के अनुसार ट्रेन नंबर 09042 गाजीपुर सिटी-बान्द्रा टर्मिनस स्पेशल 18 जुलाई को आगरा कैंट-ईदगाह- बयाना-सवाई माधोपुर की बजाय आगरा कैंट-भरतपुर- बांदीकुई-जयपुर-सवाई माधोपुर होकर और ट्रेन 09009 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली स्पेशल 19 जुलाई को मुंबई सेंट्रल सवाई माधोपुर-मथुरा- पलवल-नई दिल्ली की बजाय सवाई माधोपुर-जयपुर-रेवाड़ी-नई दिल्ली होकर संचालित होगी। तो वहीं ट्रेन 09741 जयपुर-बयाना स्पेशल 19 से 22 जुलाई तक जयपुर से सवाई माधोपुर तक और ट्रेन 09742 बयाना-जयपुर स्पेशल बयाना की बजाय सवाई माधोपुर से जयपुर संचालित होगी। यानि दोनों तरफ से ये ट्रेन सवाई माधोपुर-बयाना-सवाई माधोपुर के बीच रद्द रहेगी।

आमेर दुखांतिका : बचाव कार्यो को लेकर मुख्यमंत्री ने की सराहना

जयपुर @ जागरूक जनता। सीएम अशोक गहलोत ने आमेर में आकाशीय बिजली दुखांतिका में बचाव कार्यो को लेकर प्रशासन और स्थानीय लोगों की सराहना की है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि आमेर में बिजली गिरने की घटना के बाद एसडीआरएफ, पुलिस और सिविल डिफेंस के साथ स्थानीय लोगों ने शानदार तरीके से बचाव कार्यों में हिस्सा लिया। ये कार्य प्रशंसनीय है। गहलोत ने कहा कि दुर्गम पहाड़ी पर स्थित घटनास्थल पर जाकर घायलों को नीचे लाकर उन्हें समय रहते अस्पताल पहुंचाया जिससे उनकी जान बच सकी।गौरतलब हैं कि रविवार की शाम को आमेर में आकाशीय बिजली गिरने से 11 जनों की मौत हो गई थी।

हुरतिंग खड़िया की मूर्ति का अनावरण : सीएम अशोक गहलोत ने आज अपने निवास से बांसवाड़ा में हुरतिंग खड़िया की मूर्ति का अनावरण किया। हुरतिंग खड़िया कुशलगढ़ विधायक रमिला खड़िया के पति हैं। उनके कुशलगढ़ निवास पर बड़ी संख्या में समर्थक और अन्य जन प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इसके साथ ही कलेक्टर अंकित कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी भी पहुंचे

16 से जयपुर को मिलेगी सूरत की उड़ान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना काल के बाद जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअडडे का परिचालन तेजी से सुधर रहा है। एक के बाद एक विमान जुड़ रहे हैं। हवाईअड्डे से रोजाना ही करीब 16 विमान उड़ान भर रहे हैं। ऐसे में अब जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दो नई उड़ान शुरू होने जा रही है। 16 जुलाई से जयपुर से अहमदाबाद और जयपुर से सूरत के लिए दो मार्गों पर विमान सेवा शुरू होगी। इसके अलावा 1 अगस्त से हवाई सेवाओं में जबरदस्त इजाफा होने जा रहा है। 1 अगस्त से बेंगलूरु, दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, श्रीनगर सहित कई अन्य शहरों के लिए नौ विमानन सेवा शुरू होंगी। जयपुर हवाईअड्डे से मिली जानकारी के अनुसार अभी जयपुर से सूरत के लिए कोई भी सीधी विमान सेवा उपलब्ध नहीं है। स्पाइसजेट का विमान SG-3419 सुबह 8 बजे सूरत के लिए जयपुर से रवाना होगा। वहीं विमान SG-3426 सूरत से रात 9:05 बजे चलकर रात 11 बजे आएगा।

गंगा कोविड-फ्री घोषित, रिसर्च में नहीं मिली कोरोना वायरस की मौजूदगी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। कुंभ मेले के आयोजन के समय ही कोरोना वायरस की दूसरी लहर अपने पीक पर थी। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए निरंजनी अखाड़े ने 17 अप्रैल को कुंभ समाप्त करने का निर्णय लिया था। कुंभ के दौरान बहुत से लोगों के संक्रमित होने पुष्टि हुई थी। इस दौरान यह भी कहा जा रहा था कि गंगा नदी में भी वायरस फैल गया होगा। लेकिन आपको बता दें कि गंगा नदी में कोरोना वायरस की मौजूदगी के संकेत नहीं मिले हैं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों की दो महीने तक चली रिसर्च के बाद यह निष्कर्ष पर आये हैं कि नदी कोविड- फ्री है। गोमती नदी में सितंबर 2020 और इस वर्ष 21 मई को वायरस पाया गया था। वैज्ञानिकों ने गंगा में कोरोना वायरस के संभावित अंशों की जांच के लिए 7 सप्ताह (15 मई से 3 जुलाई) तक वाराणसी से सैंपल इकट्ठा किए। टीम ने आरएनए से सभी सैंपल का आरटी-पीसीआर टेस्ट किया। बीरबल साहनी इंस्टिट्यूट ऑफ पलियोसाइंसेज के वैज्ञानिक और इंस्टीट्यूट में कोविड लैब के प्रमुख नीरज राय के हवाले से बताया गया, "हैरानी की बात है, गंगा से लिए गए किसी भी सैंपल में वायरल आरएनए के संकेत नहीं मिले।

औद्योगिक निवेश का माहौल

प्रदेश में औद्योगिक भूखंडों की बढ़ी डिमांड, ई-ऑक्शन में दोगुने आवेदन आए

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में उद्योग विभाग व रीको की कोशिशों के बाद कोरोना के बावजूद औद्योगिक निवेश का माहौल बन रहा है। इण्डस्ट्रियल एरिया में औद्योगिक भूखंडों की डिमांड बढ़ी है। रीको के ई-ऑक्शन में नीलामी में डाले भूखंडों से दोगुने आवेदन मिले हैं। फिलहाल 474 भूखंडों के आवंटन के लिए 930 आवेदन मिले हैं। रीको ने 2020-21 में कोविड के बावजूद 2800 भूखंडों का आवंटन किया है। यह रिकॉर्ड है। नए भूखंडों के आवंटन से राज्य में निवेश के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे। भारत के औद्योगिक विकास निगमों एवं राज्य वित्तीय निगमों की संस्था ने रीको को सर्वश्रेष्ठ राज्य औद्योगिक विकास निगम घोषित कर सम्मानित किया है।

since 2005
विनायक ज्वैलर्स
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 63, राजीव नगर, मदनबाड़ी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

Jagruk Janta
जागरूक जनता
Digital Edition
/jagrukjantanews jagruk_janta /jagrukjanta
jagrukjanta.net
Reliable Weekly News Paper
जयपुर, बुधवार, 14 जुलाई 2021

जागरूक खबरें

आरएएस परीक्षा 2018 का परिणाम जारी, झुंझुनू की मुक्ता राव ने किया टॉप

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आखिरकार राजस्थान प्रशासनिक सेवा 2018 भर्ती परीक्षा का परिणाम मंगलवार रात को जारी कर दिया। 1051 पदों के लिए परिणाम जारी किया गया है। परीक्षा में झुंझुनू जिले की मुक्ता राव प्रथम स्थान प्राप्त कर टॉपर रही हैं। आयोग की ओर से जारी की गई टॉप 10 की मेरिट लिस्ट में टोंक से मनमोहन शर्मा दूसरे, जयपुर की शिवाक्षी खांडल तीसरे स्थान पर रही हैं। आरएएस परीक्षा के साक्षात्कार मंगलवार को ही समाप्त हुए थे। साक्षात्कार समाप्ति के साथ ही आरपीएससी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह यादव ने आयोग की फुल कमीशन की बैठक बुलाई और इसमें परिणाम को स्वीकृति प्रदान की। इसी स्वीकृति के साथ ही लोक सेवा आयोग में परिणाम जारी कर दिया गया। आयोग की वेबसाइट पर परीक्षा परिणाम देखा जा सकता है।

1051 पदों के लिए किया गया परिणाम जारी

आज ही समाप्त हुई थी साक्षात्कार प्रक्रिया

आरएएस 2018 के टॉप-10

झुंझुनूं जिले की मुक्ता राव प्रथम, टोंक से मनमोहन शर्मा द्वितीय, जयपुर से शिवाक्षी खांडल, झुंझुनूं के निखिल कुमार, जयपुर से वर्षा शर्मा, जयपुर से यशवंत मीणा, अलवर से रवि कुमार गोयल, जालोर से बीनू देवल, टोंक से विकास प्रजापत, नागौर से सिद्धार्थ सांदू है।

राजस्थान विवि: 29 जुलाई से हो सकती हैं यूजी, पीजी फाइनल ईयर की परीक्षा!

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों में यूजी और पीजी फाइनल ईयर की परीक्षा 29 जुलाई से हो सकती है। परीक्षा नियंत्रक राकेश राव और परीक्षा कमेटी इसकी तैयारी कर प्रस्ताव कुलपति को भेज सकते हैं। यदि कुलपति प्रो. राजीन जैन की स्वीकृति मिल जाती है तो परीक्षा 29 जुलाई से करवाई जाएगी। फाइनल ईयर केसाथ सेमेस्टर परीक्षाओं का भी आयोजन करवाया जाएगा।गौरतलब है कि पिछले दिनों उच्च शिक्षामंत्री भंवर सिंह भाटी ने घोषणा की थी कि कोविड कोदेखते हुए यूजी और पीजी फाइनल ईयर की परीक्षाएं जुलाई के अंतिम सप्ताह या अगस्त के प्रथम सप्ताह में करवाई जाएंगी और 30 सितंबर तक परीक्षा परिणाम जारी किए जाएंगे। वहीं फर्स्ट ईयर और सेकंड ईयर के छात्रों को प्रमोट किया जाएगा।

एक वर्षीय एलएलएम पाठ्यक्रम की सीटें बढ़ाई, अंतिम तिथि 26 जुलाई

जयपुर @ जागरूक जनता। भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय में संचालित एक वर्षीय एलएलएम पाठ्यक्र म सत्र.2021-22 के लिए सीटों की संख्या 40 से बढ़ाकर 60 कर दी गई हैं साथ ही आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 26 जुलाई कर दी है। कुलपति डॉ. देव स्वरूप ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से प्रदेश के सभी विधि महाविद्यालयों की सम्बद्धता का कार्य पूरा कर छात्रों के परीक्षा फॉर्म भरवा लिए गए हैं। छात्रों की परीक्षाओं के सम्बन्ध में परिस्थिति का परीक्षण कर कार्य योजना बनाई जा रही है। विश्वविद्यालय की ओर से प्रदेश के सभी विधि महाविद्यालयों से आगामी सत्र की सम्बद्धता के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं, जिसमें महाविद्यालयों को सूचना प्रदान करने के साथ यह शपथ पत्र भी देना है कि प्रदान की जाने वाली सूचना सही है। गलत पाए जाने पर महाविद्यालयों की सम्बद्धता रद्द भी की जा सकती है।

सीएम गहलोत ने कुशलगढ़ पंचायत समिति के पूर्व प्रधान हुरतिंग खड़िया की मूर्ति का किया अनावरण

जनजाति क्षेत्र का विकास सरकार की प्राथमिकता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को सीएम आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बांसवाड़ा जिले के पोटलिया गांव में कुशलगढ़ पंचायत समिति के पूर्व प्रधान हुरतिंग खड़िया की मूर्ति का अनावरण किया। इस मूर्ति अनावरण समारोह को वर्चुअल संबोधित करते हुए सीएम गहलोत ने कहा कि हुरतिंग खड़िया ने कुशलगढ़ क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य किया।

उन्होंने हमेशा क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाई। उनके असामयिक निधन के बाद उनकी धर्मपत्नी रमीला खड़िया विधायक के रूप में जनसेवा के कार्यों को आगे बढा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कुशलगढ़ क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं रखेगी। इस क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं इसके भवन, तालाब सहित अन्य विकास कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

टीएसपी का विकास सरकार की प्राथमिकता

सीएम गहलोत ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र (टीएसपी) का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार उन सभी योजनाओं को मूर्त रूप दे रही है, जिनसे इस क्षेत्र के विकास को गति मिले। आदिवासी क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल पहुंचाने का काम बड़े रूप में हाथ में लिया जाएगा। योजना में ग्राम स्तर पर बनाई गई समितियों के माध्यम से प्रदेश के गांव-ढाणी में बसे 80 लाख से ज्यादा परिवारों के घर तक नल कनेक्शन के माध्यम से पानी पहुंचाया जाएगा। सीएम ने कहा कि आदिवासियों के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बेणेश्वर धाम के विकास के लिए हमारी सरकार ने 'बेणेश्वर धाम विकास बोर्ड' का गठन किया है। इसके विकास के लिए 132 करोड़ रूपए की योजना है, जिस पर जल्द ही काम शुरू किया जाएगा।

कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन जरूरी

सीएम ने कहा कि कोरोना अभी गया नहीं है, विशेषज्ञ इसकी तीसरी लहर की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। बचाव के लिए वैक्सीन लगवाना जरूरी है। ?से में आदिवासी क्षेत्र में वैक्सीनेशन को लेकर लोगों में और अधिक जागरूकता लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें लगातार मास्क पहनने, परस्पर दूरी रखने तथा बार-बार हाथ धोने जैसे कोरोना प्रोटोकॉल की पालना करनी होगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़ें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी पात्र लोगों को 5 लाख रूपए तक का इलाज कैशलेस उपलब्ध करा रही है। योजना से जुड़े सभी सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों में इलाज सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने 2 प्रस्तावों को दी मंजूरी

3 से 5 वर्ष की सेवा करने वाले एनएचएम के संविदाकर्मियों को मिलेगा एकबारीय बोनस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में 31 मार्च, 2021 को तीन से पांच वर्ष की सेवाएं पूरी करने वाले संविदाकर्मियों को वन टाइम लॉयल्टी, बोनस तथा अनुभव आधारित बोनस दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह लाभ एनएचएम के उन संविदाकर्मियों को देय नहीं होगा जो 31 मार्च, 2017 की पात्रता के आधार पर पहले ही यह लाभ ले चुके हैं। सीएम ने 31 मार्च 2021 को तीन वर्ष की सेवाएं पूर्ण करने वाले एनएचएम के संविदा कार्मिकों को 10% की दर से तथा इस तिथि को पांच वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कार्मिकों को 15% की दर से 1 अप्रैल, 2021 से एकबारीय लॉयल्टी बोनस अथवा अनुभव आधारित बोनस का लाभ देने की स्वीकृति दी है।

प्रस्ताव के अनुसार पूर्व में 31 मार्च, 2017 की पात्रता के आधार पर जिन संविदाकर्मियों को तीन वर्ष के अनुभव पर 10 प्रतिशत की दर से बोनस का भुगतान कर दिया गया था, उनकी यदि पांच वर्ष की सेवा 31 मार्च, 2017 के बाद पूर्ण हो गई है तो उन्हें भी पांच प्रतिशत की अंतर राशि का भुगतान किया जाएगा।

निजी भूमि में खातेदार के रजिस्टर्ड सहमति धारक ले सकेंगे खनन पट्टा

सीएम गहलोत ने निजी खातेदारी भूमि में खातेदार के रजिस्टर्ड सहमति धारक को भी खनन पट्टा एवं क्वारी लाइसेंस का आवंटन करने के लिए राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सीएम गहलोत ने वर्ष 2021-22 के बजट में इस संबंध में घोषणा की थी। खातेदार को उसकी खातेदारी भूमि में एक से चार हैक्टेयर तक के खनन पट्टे अथवा क्वारी लाइसेंस डेडरेंट या क्वारी रेंट के पांच गुना निश्चित प्रीमियम पर तथा डेडरेंट अथवा क्वारी रेंट के दस गुना निश्चित प्रीमियम पर खातेदार के रजिस्टर्ड धारक को आवंटित कर सकता है।

आटीडीसी की 36 होटल इकाईयों को देंगे लीज पर

विभाग की आमदनी अनलॉक करने की कवायद

जिलों में आठ सदस्यीय कमेटी का होगा गठन

कमेटी 15 दिन में लीज राशि का निर्धारण कर सौपेंगी रिपोर्ट

पर्यटन विभाग को घाटे से उबारने का बना रोडमैप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आरटीडीसी की प्रदेश में लंबे समय से बंद 36 इकाइयों को अब लीज पर दिया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों में आठ सदस्यीय कमेटी का गठन किया जाएगा। इसमें जिला कलक्टर, उपखंड अधिकारी, संबंधित जिले के कोषाधिकारी व पर्यटन विभाग के अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। यह समिति अगले 15 दिन में लीज राशि का निर्धारण कर पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव को रिपोर्ट देगी। पर्यटन राज्य मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने मंगलवार को पर्यटन विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। इसमें डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन के हिसाब से अपार संभावना है। विभाग की ओर से लगातार पर्यटकों को लुभाने के लिए नवाचार किए जा रहे हैं। इससे घाटे में चल रही इकाईयों की आमदनी भी अनलॉक हो सकेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लंबे समय से बंद 36 इकाईयों को अब लीज पर दिया जाएगा। इससे इनके निर्माण की सार्थकता पूरी हो सकेगी। इस दौरान अधिकारियों की ओर बिड डॉक्यूमेंट का प्रजेन्टेशन मंत्री के सामने दिया गया।

समिति इन बातों का रखेगी ध्यान

मंत्री डोटासरा ने बताया कि कमेटी की ओर से सार्वजनिक निर्माण विभाग की प्रचलित दर, जिलास्तरीय दर, पर्यटन की संभावना सहित अन्य बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए अपनी रिपोर्ट देगी। बैठक में राजस्थान टूयूरिज्म डवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड की प्रबंध निदेशक निक्या गोहाएन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जेल में ही रहेंगे सलूंबर विधायक: पत्नी को फर्जी मार्कशीट से चुनाव लड़ाना पड़ा भारी, जमानत याचिका फिर खारिज

उदयपुर @ जागरूक जनता। उदयपुर के सलूंबर विधायक अमृतलाल मीणा को फर्जी मार्कशीट प्रकरण में आज की रात फिर जेल में बितानी पड़ेगी। मंगलवार को मीणा के वकीलों ने सलूंबर कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। न्यायालय ने याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, साल 2015 में बीजेपी विधायक अमृतलाल मीणा ने अपनी पत्नी को सेमारी सरपंच पद का चुनाव लड़ाया था। इसमें उनकी पत्नी शांता देवी को जीत हासिल हुई थी। शांता देवी की प्रतिद्वंदी उम्मीदवार सुगना देवी ने शांता देवी की फर्जी मार्कशीट को लेकर शिकायत दर्ज कराई। सीबीसीआईडी ने मामले की जांच शुरू की। इसमें विधायक की पत्नी की मार्कशीट फर्जी पाई गई।

अमेरिका ने माना: 17 साल में...

धरती पर दिखे 144 UFO

एलियन से भी इंकार नहीं, भारत में भी 1951 से दिख रही हैं 'उड़न तश्तरियां'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

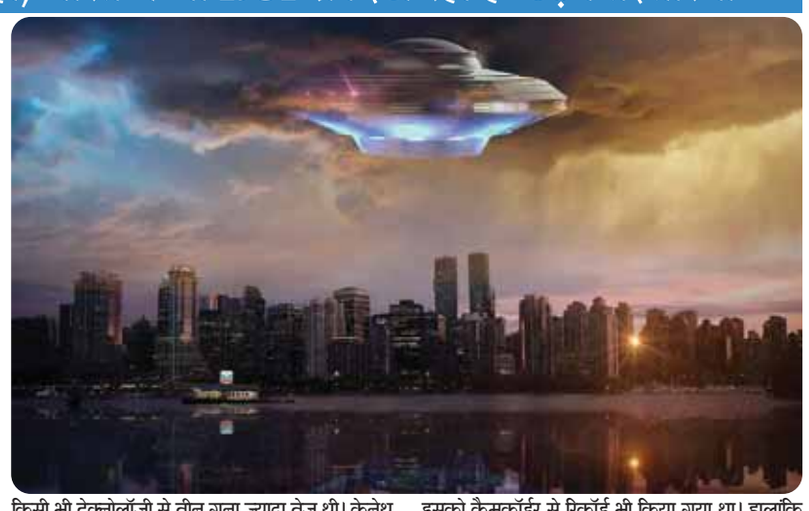

वाशिंगटन। अप्रैल 2020 की बात है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने 3 वीडियो जारी किए थे। इन्हें अमेरिकी नेवी ने S-18 फाइटर जेट में लगे इंफ्रा रेड कैमरे की मदद से रिकॉर्ड किया था। बताया गया कि ये स्नह यानी अन-आइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट हैं, जिन्हें आम भाषा में उड़न तश्तरी भी कहते हैं। वीडियो में ये ऑब्जेक्ट हवाई स्टंट करते हुए बेहद तेज रफ्तार से उड़ते दिख रहे थे। अब बात करते हैं जून 2021 की। UFO की जांच के लिए बनाई गई अमेरिकी टास्क फोर्स ने एक रिपोर्ट जारी की है। 9 पन्नों की इस रिपोर्ट में अमेरिकी गवर्नमेंट सोर्स के जरिए 2004 से 2021 के बीच 144 UFO जिसे अमेरिका अन-आइडेंटिफाइड एरियल फिनॉमिना यानी UAP कहता है, उन्हें देखे जाने का जिक्र है। हम यहां आपको बता रहे हैं कि UFO पर अमेरिका की स्टडी में क्या बातें सामने आई हैं? दुनिया के अन्य देशों में UFO और एलियंस पर क्या स्टडी की जा रही है? धरती पर पहली बार UFO कब देखे गए और भारत में ये कब-कब दिखाई दिया? इसके अलावा हम आपको बताएंगे UFO से जुड़ी कुछ रोचक कहानियां...

एलियन होने के नहीं मिले सबूत, मगर इंकार भी नहीं

UFO की जांच के लिए बनाई गई अमेरिकी टास्क फोर्स ने न तो पुष्टि की है, न ही इस बात को खारिज किया है कि इस तरह के ऑब्जेक्ट पृथ्वी पर एलियंस के आने का संकेत हो सकते हैं। यह रिपोर्ट डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस ने 'प्रिलिमिनरी असेसमेंट: अनआइडेंटिफाइड एरियल फिनॉमिना' नाम से जारी की गई है। इस टास्क फोर्स का गठन 10 महीने पहले किया गया था।

24 जून 1947 को आई 'उड़न तश्तरी' की पहली खबर

24 जून 1947 को मशहूर बिजनेसमैन और पायलट केनेथ अर्नोल्ड वॉशिंगटन स्टेट में माउंट रेनियर के पास उड़ान भर रहे थे। केनेथ ने 9 चमकीले ऑब्जेक्ट्स को एकसाथ V पैटर्न में आसमान में उड़ते हुए देखा। उनकी स्पीड लगभग 2700 किमी प्रति घंटा थी, जो उस वक्त की किसी भी टेक्नोलॉजी से तीन गुना ज्यादा तेज थी। केनेथ ने बताया कि उन्होंने आसमान में तश्तरी जैसे ऑब्जेक्ट देखे हैं, जिसे अगले दिन कई अखबारों ने छाप दिया कि आसमान में उड़ती हुई तश्तरी देखी गई है। इसके बाद UFO देखने की घटनाएं बढ़ गईं।

अमेरिका 7 दशकों से जुटा रहा है UFO के बारे में जानकारी

1947 से 1969 तक अमेरिकी एयरफोर्स ने प्रोजेक्ट ब्लू बुक नाम से एक जांच ऑपरेशन चलाया। इसमें कुल 12,618 रिपोर्ट्स की जांच में पाया गया यह सामान्य घटनाएं थीं। जबकि 701 रिपोर्ट्स के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं निकल सकी। 2007 से 2012 के बीच एडवांस्ड एयरोस्पेस थ्रेट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम लॉन्च हुआ। बाद में यह प्रोग्राम बंद कर दिया गया। इन सभी प्रोजेक्ट की रिपोर्ट सीक्रेट रखी गई। साल 2020 में एक प्रोग्राम शुरू किया गया, जिसे अन-आइडेंटिफाइड एरियल फिनॉमिना टास्क फोर्स नाम दिया गया। इसी टास्क फोर्स की रिपोर्ट 25 जून को सार्वजनिक की गई है।

भारत में 1951 में पहली बार दिखा UFO

1951 में दिल्ली में फ्लाइंग क्लब के मेंबर्स ने एक ऑब्जेक्ट को आसमान में देखा। ये सिगार के आकार का था। थोड़ी देर दिखने के बाद ये आसमान में गायब हो गया। ऐसे ज्यादातर ऑब्जेक्ट्स 21वीं सदी की शुरुआत में देखे गए थे। उसके बाद कैमकॉर्डर से ऐसी घटनाओं को रिकॉर्ड करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती चली गई। 29 अक्टूबर 2017 को एक तेजी से उड़ते हुए चमकीले ऑब्जेक्ट को कोलकाता के पूर्वी छोर पर देखा गया। इसको कैमकॉर्डर से रिकॉर्ड भी किया गया था। हालांकि बाद में इसकी पहचान प्लैनेट वीनस के रूप में हुई। 2013 के बाद से चेन्नई से लखनऊ तक ऐसे ऑब्जेक्ट्स को देखना काफी कॉमन हो गया था। ये ऑब्जेक्ट्स बुलेट के आकार के होते थे और रात में दिखाई देते थे। इन्हें करीब 10 मिनट तक आसमान में घूमते हुए देखा गया।

परिवार को लेकर एक्सपर्ट्स में मतभेद

पत्रिका वैज्ञानिकों के लिए एक अजूबा है क्योंकि इसके बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि देखे गए आधे से ज्यादा ऑब्जेक्ट्स उल्कापिंड, टूटते तारे और शुक्र ग्रह हो सकते हैं।1969 में कोलोरैडो यूनिवर्सिटी ने UFO पर पहली एकेडमिक स्टडी पब्लिश की। इसके मुताबिक पिछले 21 सालों में ऐसा कुछ नहीं मिला जिसने FO की स्टडी में कोई साइंटिफिक नॉलेज जोड़ा हो। हालांकि 1998 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पीटर स्टुर्रोक ने माना कि लभगभग आधे ऑब्जेक्ट्स पर स्टडी की जा सकती है। रोचेस्टर यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एडम फ्रैंक का मानना है कि UFO के वीडियो में साइंटिफिक नजरिए से कुछ भी नहीं है। रिचमंड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जैक सिग्नल का मानना है कि जरूरी नहीं कि आसमान में दिखने वाली हर अजीब सी चीज दूसरे ग्रह की हो। पिछले साल अमेरिका की एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में एक आर्टिकल छपा, जिसमें अनुमान लगाया गया था कि मिल्की वे गैलेक्सी में हमारे अलावा 36 इंटेलिजेंट सभ्यताएं हो सकती हैं। यह अनुमान इस आधार पर था कि पृथ्वी की तरह अन्य प्लैनेट्स पर इंटेलिजेंट लाइफ को पनपने में 5 अरब वर्ष लगते हैं।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.com
विश्वसनीय समाचार पत्र
जो दिखेगा वही बिकेगा
जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।
आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की
जागरूक जनता के साथ
विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक
विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

जागरूक खबरें

मुस्कान सोसायटी की बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। डाक बंगला रोड़ स्थित मुस्कान सोसाइटी कार्यालय पर सोसायटी के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई जिसमें सोसाइटी से जुड़े नए सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किए जाने के साथ विभिन्न सेवा प्रकल्पों पर चर्चा कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रवक्ता फैसल खान के अनुसार बैठक में सोसायटी द्वारा विकसित की जा रही मुस्कान वाटिका में बैठने के लिए बेंचे लगाने, मवेशियों को रोकने के लिए बेरीकेटिंग करने, बाउंड्री वाल की मरम्मत कराने एवं पौधे सींचने के लिए पानी की बड़ी टंकी रखवाने के कार्य को गति देने का निर्णय लिया। इस दौरान सोसायटी के सदस्य पार्षद शमशु कमर की सलाह पर वाटिका में औषधीय पौधे लगाने के साथ काली मिट्टी की व्यवस्था पर चर्चा हुई। पिछले दिनों सोसाइटी से लगातार कई समाजसेवियों के जुड़ाव से उत्साहित पदाधिकारियों, अध्यक्ष हजारीलाल मेघवाल, सचिव एजाज अहमद, संरक्षक भजन जिज्ञासु, आदि ने सोसाइटी के बढ़ते कार्यभार के चलते दो ज्वाइंट सेक्रेट्री के पद सृजित करते हुए शिक्षाविद प्रद्युम्न श्रीमाली व पार्षद फिरदोस बी को जिम्मेदारी सौंपी। इसी तरह शमसी खान बक्षी को कोषाध्यक्ष एवं सह कोषाध्यक्ष के रूप में पार्षद पुष्पा वच्छानी को कार्यभार सौंपा गया। बैठक में सीनियर सदस्य एस.एस.अग्रवाल ने हर माह सिविल हॉस्पिटल में मरीजों की कुशलक्षेम पूछने तथा फल बिस्किट आदि बांटने का भी सुझाव रखा जिसे सर्वसम्मति से मान्य किया गया। इस दौरान नए जुड़े सदस्यों फिरदोस बी, मैना आचार्य, शबाना बी, अब्दुल कलाम एडवोकेट, सोहेल खान,रवि जाजपुरा का उपरणा ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन कर मन-वचन और कर्म से सतत समाज सेवा में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का संकल्प कराया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ शमा खान ने किया।इस अवसर पर शायर जमील अहमद, शातिलाल दायमा, मेहविश खान, सौहेल खान, माहेनूर खान सहित बड़ी संख्या में सोसायटी सदस्य उपस्थित थे।

युनाइटेड इण्डियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन पदाधिकारी सम्मानित

बीकानेर @ जागरुक जनता। उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंच का पंजीकरण हो जाने पर गांधी पार्क मे कार्यकर्ताओ की सभा का आयोजन किया गया। गत 18 वर्षों से उपभोक्ताओ की सेवा मे समर्पित डा मेघराज आचार्य को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया। इस अवसर पर युनाइटेड इण्डियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के नव मनोनीत प्रदेश उपाध्यक्ष अजय त्यागी, बीकानेर जिलाध्यक्ष के कुमार आहूजा, जिला महामंत्री वीरेंद्र अभानी, जिला उपाध्यक्ष विवेक आहूजा और विधि सलाहकार एडवोकेट केशव खत्री का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डा मेघराज आचार्य ने अजय त्यागी को राष्ट्रीय महासचिव, वीरेंद्र अभानी को राष्ट्रीय संयोजक और राजेन्द्र छंगाणी को राष्ट्रीय उप संयोजक मनोनीत किया। संगठन के विस्तार हेतु पूरे भारत मे प्रदेश, संभाग, जिला एवं तहसील स्तर तक कार्यकर्ताओ को जोडकर प्रत्येक स्तर की कार्यकारिणी गठन हेतु अजय त्यागी और विरेन्द्र अभानी को संयुक्त रूप से अधिकृत किया गया। आज की मीटिंग मे एडवोकेट मोहम्मद असलम, एडवोकेट कंवर नियाज मोहम्मद, सलीम खान, रामस्वरूप गहलोत, संतोष पडिहार, ओम मोदी, विश्वजीत स्वामी, जगदीश शर्मा, आशा पारीक, राजूदेवी व्यास, मधु शर्मा, सीता देवी रामावत, कोमल गहलोत, मधु, विनीत, प्रिंस, रतन, प्रेम सिंह, ओम सिंह आदि उपस्थित थे।

चोखली के घर पहुंचा राशन, टूटे टापरे की छत पर बांधा त्रिपाल

उदयपुर @ जागरूक जनता। भींडर पंचायत समिति की बगड़ ग्राम पंचायत के गांव विलकावास की चोखली बाई को नारायण सेवा संस्थान ने जीवनयापन सम्बन्धी सहायता दी। उल्लेखनीय है कि चोखली का पति शराब पीकर न केवल उससे गाली-गलौज और मारपीट करता था, बल्कि उसने उसे छोड़कर दूसरी शादी भी रचा ली। चोखली के सामने न सिर ढकने को अब छत थी और न जीवनयापन के लिए दाना-पानी। वह मजबूर होकर पिता हीरा रावत के घर आ गई। कुछ समय पूर्व उसके पिता भी चल बसे। मुसीबतें चोखली का पीछा नहीं छोड़ रही थी। रहने का टापरा भी टूटा था। जिसमें बारिश के दौरान दिन गुजारने की चिंता के साथ ही रोजी-रोटी की समस्या उसे परेशान कर रही थी। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि निदेशक वंदना अग्रवाल और टीम को उसके घर भेजा गया, जहां उसके टापरे पर त्रिपाल बांधा गया और दो माह का राशन, पहनने और ओढ़ने-बिछाने के वस्त्र प्रदान किए गए। राशन में आटा, दाल, चावल, शक्कर, तेल, चाय की पत्ती और जरूरी मसाले थे।

आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल में न्यायिक सदस्य के रिक्त पद को भरने की मांग

जयपुर सांसद रामचरण बोहरा को सौंपा ज्ञापन

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर के आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल में स्थायी न्यायिक सदस्य की जल्द से जल्द नियुक्ति हेतु सैनिक परिवारों द्वारा सासंद रामचरण बोहरा को उनके आवास पर ज्ञापन दिया। सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और उनके परिजनों को पेंशन, वेतन-भत्ते, नौकरी और सेवा लाभ आदि केसों की सुनवाई के लिए राजस्थान में आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल संचालित है लेकिन फरवरी 2016 के बाद से इस ट्रिब्यूनल में न्यायिक सदस्य का पद रिक्त है। पिछले 5 साल से यह पद खाली होने के कारण 5000 से ज्यादा केस लंबित चल रहे हैं। आज सैनिक मामलों के एक्सपर्ट अरुण ढाका द्वारा ज्ञापन देकर ट्रिब्यूनल में न्यायिक सदस्य के रिक्त पद को भरे जाने की मांग की। अरुण ढाका ने बताया कि पिछले 5 सालों से न्यायिक सदस्य नहीं होने के कारण सैनिक, पूर्व सैनिक, वीरांगनाओं और उनके परिवारजन जयपुर स्थित ट्रिब्यूनल ऑफिस के चक्कर लगा रहे हैं। इन 5 सालों में 20 से ज्यादा पूर्व सैनिकों का निधन भी हो गया लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। सैंकड़ों परिवादी न्याय की आस में भटकने को मजबूर हैं। इस ट्रिब्यूनल में न्यायिक सदस्य के पद की नियुक्ति केंद्र सरकार का रक्षा मंत्रालय व कानून मंत्रालय करता है। चूंकि 19 जुलाई से संसद में मानसून सत्र चलेगा जिसमें सभी सांसद भाग लेंगे, ऐसे में जयपुर सांसद रामचरण बोहरा को रक्षामंत्री व कानून मंत्री से व्यक्तिगत मिलकर भूतपूर्व सैनिकों को न्याय दिलाने की मांग की। इस रिक्त पद को भरे जाने की मांग के क्रम में सैनिक मामलों के एक्सपर्ट अरुण ढाका ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, झुंझुनूं सांसद नरेंद्र खीचड़ आदि कई संसद सदस्यों को ईमेल के जरिये ज्ञापन भेजा है।

'ज्ञानसुधा' करवाएगा रीट की तैयारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सिविल सेवा परीक्षा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा, सहायक आचार्य, यूजीसी नेट जेआरफ के बाद अब कॉलेज शिक्षा विभाग युवाओं को रीट परीक्षा और बैंक परीक्षाकी तैयारी करवाएगा। युवा यह तैयारी कर सकेंगे 'ज्ञानसुधा' कार्यक्रम के जरिए जिसकी कॉलेज शिक्षा की ओर से लाइव स्ट्रीमिंग की जा रही है। इसके साथ ही इस बुधवार को भारतीय सेना में सेवा के अवसर और उनके जुड़ी जानकारियों पर लेफ्टिनेंट कर्नल ऋषि भारद्वाज और प्रतियोगी परीक्षाओं में भारतीय संविधन से संबंधित सामान्य ज्ञान पर पूर्व कॉलेज शिक्षा आयुक्त प्रदीप बोरड के सत्र होंगे। इसी प्रकार शनिवार को होने वाले सत्रों में इंटरव्यू फेस करने के लिए और उसमें सफलता पाने के लिए प्रबंधन विकास संस्थान जयपुर के अध्यक्ष प्रो. रमेश अरोड़ा प्रशासनिक सेवाओं के लिए साक्षात्कार- स्वयं का श्रेष्ठ कैसे करें? विषय पर युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। इसी दिन दूसरे सत्र में पुनः भारतीय संविधान से संबंधित सामान्य ज्ञान में पूछे जाने वाले प्रश्नों को लेकर पूर्व जिला कलेक्टर जगरूप सिंह सेशन लेंगे।

बिना रजिस्ट्रेशन भी कर सकते हैं क्लास अटैंड

उल्लेखनीय है कि कॉलेज शिक्षा विभाग की ओर से संचालित इस लाइव स्ट्रीमिंग प्रोग्राम से युवाओं का प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए मागनतो मिल रहा है साथ ही विषयपरक तैयारी, इंटरव्यू की तैयारी, करियर गाइडेंस और सक्सेस मंत्रा टिप्स भी मिल रहे हैं। पूरी तरह से निशुल्क इस प्रोग्राम की खासियत यह है कि जिन युवाओं से प्रोग्राम में शामिल होने के लिए पहले रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है वह भी बिना रजिस्ट्रेशन भी क्लास अटैंड कर सकते हैं। ज्ञानसुधा चैनल पर अभी तक लगभग 7300 युवा रजिस्डर्ड हैं और चैनल में लाइव सेशन देखने वाले युवाओं की संख्या एक लाख तीन हजार को पार कर चुकी है। अब तक कुल 16 सत्रों का आयोजन हो चुका है जिनके वीडियोज भी ज्ञानसुधा यू ट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए हैं। इन चैनल पर अपलोड पाठ्य सामग्री को भी अब तक 7190 घंटे देखा जा चुका है।

अब तक अपलोड 350 से अधिक वीडियो

ज्ञानसुधा चैनल पर विभिन्न विषयों से संबंधित 350 से भी अधिक वीडियोज अपलोड किए जा चुके हैं। ज्ञानसुधा से जुड़े दर्शकों में सबसे अधिक 34 फीसदी महिलाएं हैं। सबसे अधिक 59.4 फीसदी लोग 18 से 24 साल की आयु के हैं। इसके बाद 18 फीसदी दर्शक 35 से 34 आयु वर्ग के हैं जबकि तीसरे स्थान पर 9 फीसदी दर्शक ऐसे भी हैं जो 33 से 44 साल की आयु वर्ग के हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि विभाग की ओर से उपलब्ध करवाई जा रहे इन क्लासेज का फायदा उस आयु वर्ग के युवा ले रहे हैं जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में लगे हैं।

> ज्ञानसुधा में आयोजित होने वाले सत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार कर रहे युवाओं के साथ-साथ सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों और प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए फायदेमंद हैं। इतना ही नही इन सेशन्स का फायदा शिक्षकों को भी मिलेगा। हमने सभी शिक्षकों को इन कार्यक्रमों की जानकारी विद्यार्थियों तक पंहुचाने के निर्देश दिए हैं। जिससे सही अपेक्षित लाभार्थी को सरकार के इन कार्यक्र मों का फायदा मिल सके।
>
> **विनोद भारद्वाज,** राज्य कार्यक्रम समन्वयक, कॉलेज शिक्षा।

वल्लभनगर और भींडर के किसानों बताई समस्याएं

चूंडावत से मिले किसान नेता, हाथों-हाथ मिला आश्वासन

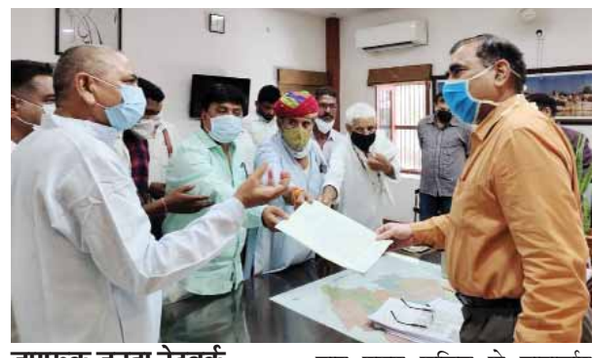

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। वल्लभनगर विधानसभा कि पंचायत समिति वल्लभनगर और भींडर से सैकडों की संख्या में किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर भीम सिंह चूंडावत से मुलाकात की। चूंडावत ने किसानों को भरोसा दिलाया कि वे समस्याओं के निराकरण के लिए संघर्षरत है और रहेंगे। चूंडावत ने किसानों की समस्या सुनी और जिला प्रभारी मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास से मोबाईल पर बात कर समस्याओं का शीघ्रता से समाधान करने को कहा। प्रभारी मंत्री ने 3-4 दिन में उदयपुर आकर उनकी समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया। इसके बाद मुख्य सचिव से वार्तालाप बात की तो मुख्य सचिव ने उनके द्वारा राज्य सरकार कि नीतियों के अनुसार जो भी किसानो के हित में होगा वो करने का आश्वासन दिया। किसानों के प्रतिनिधि चूंडावत की कार्यशैली से इतने प्रभावित हुए। उन्होंने चूंडावत को एकमात्र विकल्प बताते हुए कहा कि वो चूंडावत के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार है और सिर्फ चूंडावत को ही अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए एक मजबूत स्तम्भ मानते हैं। चूंडावत ने उनकी भावनाओं की कद्र करते हुए यह कहा कि वो चुनाव लड़े या नहीं लड़े पर किसानों के लिये वो हर लड़ाई लड़ेंगे और उनके दुःख दर्द में हमेशा साथ खड़े रहेंगे।

रेस्टा प्रदेश कार्यकारिणी व जिला अध्यक्षों की वर्चुअल मीटिंग सम्पन्न

अनिवार्य हिंदी एवं अंग्रेजी विषय व्याख्याता पद का हो सृजन

अनिवार्य विषय के व्याख्याता पद सृजित करने व वॉइस प्रिंसिपल में 50 % पदों पर सीधी भर्ती करने के सुझाव

संशोधित सेवा नियमों का विश्लेषण करने व संगठन की आगामी रणनीति को लेकर किया विचार विमर्श

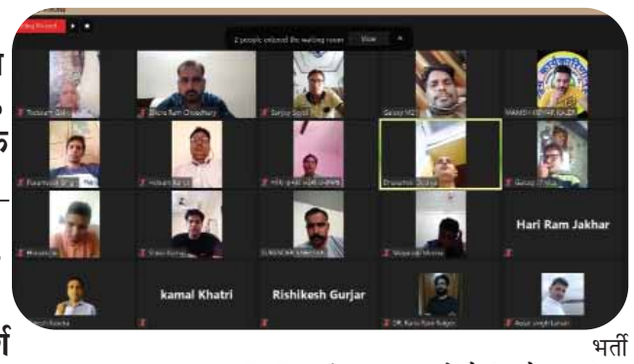

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ, रेस्टा की प्रदेश कार्यकारिणी व जिलाध्यक्षों की वर्चुअल बैठक प्रदेशाध्यक्ष भेरूराम चौधरी, प्रदेश महामंत्री मदन गढ़वाल व मुख्य संरक्षक सुरेन्द्र सहारण की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संशोधित राजस्थान शैक्षिक सेवा नियम 2021 के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय सभी वरिष्ठ अध्यापकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से लिये गए।

राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा के बाड़मेर जिलाध्यक्ष बसन्तकुमार जाणी ने बताया कि राजस्थान शैक्षिक (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम 2021 में वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पदोन्नति हेतु अधिस्नातक के साथ साथ स्नातक स्तर पर उसी विषय के अध्ययन को अनिवार्य किया गया है यह नियम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए स्वागत योग्य है लेकिन जिन्होंने अपनी अधिस्नातक डिग्री जुड़वा ली है, उनको व्याख्याता पदोन्नति में पात्र माना जाये। प्रदेश उपाध्यक्ष चिमनाराम जाणी ने बताया कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले इसी को यथार्थ व धरातल पर लागू करने हेतु सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अनिवार्य हिंदी एवं अंग्रेजी विषय व्याख्याता पद सृजन किया जाए व 50 प्रतिशत पदों पर डीपीसी इसी सत्र 2021-22 में की जाए। प्रदेश महिला मन्त्री मनीता चौधरी ने बताया कि सीधी भर्ती पर अंतर मण्डल स्थानान्तरण होने से वरिष्ठता विलोपन नही हो (पुलिस विभाग व राजस्व विभाग में नए नियम 2017 में ही प्रतिस्थापित किये जा चुके है)

मनीष कालेर ने कहा कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य का पद 25 प्रतिशत सीधी भर्ती से भरा जाए । नवसृजित उप प्रधानाचार्य के पदों पर 5 वर्ष का राजकीय अनुभव रखने वाले अध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता को शामिल करते हुए 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से भरे जाए। प्रदेश सभाध्यक्ष टोडाराम गोलिया ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक सीधी भर्ती 2011 नियुक्ति वर्ष 2012-13 में दो विषयों सामाजिक विज्ञान व गणित वालों को एक ही भर्ती के अभ्यर्थी होते हुए 1 वेतन वृद्धि का नुकसान उठाना पड़ रहा है माननीय न्यायालय के आदेश भी इसके पक्ष में दिया जा चुका है अतः इनको भी अन्य अभ्यर्थियों के साथ 1 वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाए। वरिष्ठ अध्यापक भर्ती 2016 व 2018 की वेटिंग लिस्ट निकालकर, तुरन्त नियुक्ति देने सहित कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रदेश महामंत्री मदन गढ़वाल ने बताया कि शीघ्र ही शिक्षा मंत्री से समय लेकर संगठन द्वारा मुलाकात करके सेवा नियमों में किये गए संशोधन पर संगठन द्वारा सुझाव व मांगपत्र दिया जाएगा। प्रदेश संगठन मंत्री पवन गोठवाल ने सभी वरिष्ठ शिक्षकों को अपने कैडर बेस संगठन से जुड़कर संगठित व एकजुट रहने की अपील की।

बैठक में बाड़मेर जिलाध्यक्ष बसन्त कुमार जाणी, सीकर जिलाध्यक्ष प्यारेलाल ढाका, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष मोहनलाल खराड़ी, कोटा जिलाध्यक्ष शिवकुमार धमेजा, जोधपुर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश, पाली जिलाध्यक्ष परमवीरसिंह, बीकानेर जिलाध्यक्ष ललित कुमार, नागौर जिलाध्यक्ष लक्ष्मण काला, अलवर जिलाध्यक्ष संजय राणा, दौसा जिलाध्यक्ष रामधन मीना, बून्दी जिलाध्यक्ष भानु राठौड़, करौली जिलाध्यक्ष देवेन्द्रसिंह, धौलपुर जिलाध्यक्ष अवतारसिंह लहरी, उदयपुर जिलाध्यक्ष दर्शन कुमार मेनारिया, चितौड़गढ़ जीतमल जाट, जालोर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सामोता, सिरोही जिलाध्यक्ष नितिन सोमरा, जयपुर जिलाध्यक्ष मूलचंद देवंदा, झालावाड़ जिलाध्यक्ष नारायणसिंह, बारां जिलाध्यक्ष लोकेश शाक्यवाल सभी जिलाध्यक्षों सहित प्रदेश उपाध्यक्ष चिमनाराम जाणी, नरेश कुमार, प्रदेश महिला मन्त्री मनीता चौधरी, मंजू गौड़, नेहा गुप्ता, प्रदेश संगठन मंत्री पवन गोठवाल, धर्मवीर दादिया, हिमांशु तापड़िया, सुभाष गोरा, महेश मीना, ऋषिकेश गुर्जर, हरिराम जाखड़, संजय सोयल, ओमप्रकाश शर्मा, नवनीत शर्मा, गौतम आचार्य, कमल खत्री, लक्ष्मणसिंह कुमावत, हेतराम राहड़ सहित प्रदेश कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने विचार विमर्श कर सुझाव दिए।

जोधपुर का लाड़ला बना भारतीय रेल मंत्रालय का मंत्री

जोधपुर का फिर बढ़ा मान..

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। मोदी सरकार में अब मारवाड़ से तीन मंत्री हैं जिनमें जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, बाड़मेर सांसद कैलाश चौधरी कृषि राज्य मंत्री और एक और सोगात 7 जुलाई 2021 को मोदी सरकार पार्ट 2 में अश्विनी वैष्णव के केंद्रीय रेल मंत्री और संचार सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री बनने के बाद पूरे मारवाड़ वासियों का सीना फुले नहीं समाया। हालांकि वे उड़ीसा से राज्य सभा सांसद है लेकिन मारवाड़ से जुड़े हैं इससे पूर्व रेलवे मंत्रालय पीयूष गोयल संभाल रहे थे।

अश्विनी वैष्णव और उनका जीवन परिचय

उनका केबिनेट मंत्री बनाना सबको चौंका गया और दो साल पहले भी जब वे ओडिशा से राज्यसभा के सांसद बनकर आए थे तब भी राजनितिक गलियारे में चर्चा का विषय बने थे। लेकिन कहते हेना राजनीति में चर्चा होती रहनी चाहिए तभी आदमी सफलता कि सीढियाँ चढ़ता है। अश्विनी वैष्णव का जन्म सं 1970 में जोधपुर के बैरागी परिवार में हुआ था। अश्विनी वैष्णव को मोदी सरकार की कैबिनेट में शामिल किया गया हैं हाल में उनको भारतीय रेल मंत्रालय का मंत्री बनाया गया हैं, वैष्णव मूल निवासी रातानाड़ा जोधपुर के हैं, और उनका पैतृक गांव पाली जिले का जीवानंद कल्ला हैं, वैष्णव जयनारायण विश्वविद्यालय से भी शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं, वैष्णव ओडिशा के राज्यसभा सांसद भी थे, और अटल बिहारी वाजपेयी के सबसे निकटम थे। अश्विनी वैष्णव अपने काम करने पर यकीन रखते न कि दिखावा करने पर इसलिए आज तक आप इनको नही जानते ।

वैष्णव का प्रारंभिक जीवन

अश्वनी वैष्णव का पैतृक गांव पाली जिले में जीवंत कला ग्राम है. उनके पिता दाऊलाल वैष्णव 1966 में पढ़ने के लिए पाली से जोधपुर आ गए थे। इसके बाद दाऊलाल जोधपुर के ही हो गए। दाऊलाल की दो संतानें हैं अश्वनी और आनंद। अश्वनी शुरुआत से ही पढ़ाई में होनहार थे। उन्होंने 1986 में 12वीं क्लास टॉप की थी। उसके बाद में एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक किया और उसके बाद मास्टर्स की डिग्री आईआईटी कानपुर से की। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में चुने गए। पूरे भारत में उनका 26वां नंबर था। उनके पिता ने कहा था कि वे जो भी करें, देश हित में करें। राष्ट्र के लिए कार्य करें।

कार्यकुशलता के कारण बड़े नेताओं के साथ रहे हैं अच्छे सम्बन्ध

अश्विनी वैष्णव कि छवि काफी कार्य कुशल व्यक्ति के रूप में रही है वाजपेयी के निजी सचिव रहने के दौरान वे कई बड़े नेताओं के संपर्क में आये जिनमे हमारे आज के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी रहे हैं। ओडिशा में कार्य करने के दौरान उनका नवीन पटनायक से भी अच्छा सम्बन्ध रहा है ।

ये हैं अश्विनी वैष्णव की काबिलियत

- Engineering Degree in Electronics and communication (Gold Medalist)
- M.tech, IIT Kanpur
- MBA, Wharton
- IAS all India Rank w|
- Collector Balasore
- Vice President, Siemens
- MD, GE Transportation
- Rajya Sabha MP Odisha

> मेरे कर्मक्षेत्र जोधपुर के मूल निवासी भाई अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री के रूप में अब देश सेवा करेंगे। क्या ही सुखद संयोग है कि हम दोनों का न केवल जोधपुर से रिश्ता है बल्कि हम कॉलेज के समय के मित्र भी हैं और अब केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी साथ बैठेंगे। अश्विनी जी की योग्यता उस हीरे की है जिसकी चमक दिनों दिन निखरती जाती है। उनकी प्रशासनिक दक्षता और नेतृत्व कौशल लाज़वाब है। मुझे उनमें कॉलेज का वही मित्र दिखता है जिसकी प्रतिभा और अच्छाई सबको प्रभावित करती रही। भाई अश्विनी को बधाई और शुभकामनाएं देना उन्हें गले लगाकर पुराने दिन याद करने जैसा है।
>
> **- गजेंद्र सिंह शेखावत,** जोधपुर सांसद एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, भारत सरकार

ग्राम पंचायत में किया पौधरोपण

बांसवाड़ा @ जागरूक जनता। मानसून सत्र में जिलेभर में हो रहे सघन वृक्षारोपण की श्रृंखला में जिले की लक्ष्मणगढ़ झरी ग्राम पंचायत में पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी कालू भाई ने कहा कि हर एक व्यक्ति एक पौधा अपने नाम से लगाएं और उसका पूरा ध्यान रखे। उन्होंने ग्रामीणों को फलदार पौधे और हर्बल प्लांट लगाने के महत्व को बताते हुए कहा कि कोरोना काउंट में ऑक्सीजन की कमी के चलते वृक्ष ही हमारे जीवनदाता है। इस अवसर पर सचिव ऋषभ ठाकुर, प्रीति जैन, प्रेरणा उपाध्याय, सुनीता राठौड़, थावरचंद, राज किशोर वर्मा आदि उपस्थित रहे।

ANCHOR

गहलोत समर्थक MLA नागर का बयान

90% विधायक गहलोत के साथ इसलिए वे मुख्यमंत्री

150 सीटें आती, जमानत जब्त होने वालों को टिकट देकर 99 पर ला देने वाले नेता माफी मांगें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कांग्रेस में एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच जुबानी जंग शुरू होने के आसार बन गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक पूर्व मंत्री और दूदू से निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर ने अब सचिन पायलट खेमे पर निशाना साधा है। बाबूलाल नागर ने कहा- बीजेपी सरकार के खिलाफ जैसा माहौल था उसमें कांग्रेस की 150 सीटें आ रही थीं,आज जो लोग मेहनत करके सरकार बनाने के दावे कर रहे हैं वे बताएं कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की 150 सीटें आनी थीं, वह 99 पर ही क्यों सिमट गई? जीतने वाले लोगों के टिकट काटकर जमानत जब्त होने वाले लोगों को टिकट किसने दिए, किसी को आगे लाने की होड़ में कांग्रेस का नाश कर दिया। ऐसे नेताओं को हाईकमान से माफी मांगनी चाहिए जिन्होंने कांग्रेस को 150 की जगह 99 पर लाकर छोड़ दिया।

नागर ने नाम लिए बिना सचिन पायलट पर निशाना साधते हुए कहा, राजस्थान के विधायक गहलोत को पसंद करते हैं। 13 निर्दलीय लड़े हैं उनमें से 10 से 11 लोग वे हैं जो कांग्रेस के मंत्री विधायक रहे, जो निर्दलीय जीतने के बाद भी कांग्रेस को अपनी मां कहते हैं उनके भी टिकट काट दिए।

80 से 90 फीसदी विधायक गहलोत के साथ

नागर ने कहा- मेरा तीन बार का अनुभव है, जब जब मुख्यमंत्री का निर्णय करने की बारी आती है तो हाईकमान पर्यवेक्षक भेजता है और विधायक दल की बैठक करके एक एक विधायक का पक्ष जानते हैं। हर विधायक की राय के बारे में हाईकमान को अवगत कराते हैं। 80 से 90 फीसदी विधायक अशोक गहलोत के साथ हैं, 2018 में भी यही हुआ था। विधायकों का बहुमत अशोक गहलोत के साथ है इसीलिए हाईकमान ने उन्हें सीएम बनाया है। हाईकमान के विश्वास के साथ विधायकों का विश्वास भी गहलोत के साथ है। 2020 से कोरोना का दौर चल रहा है, ऐसे वक्त में जब तीसरी लहर कर आशंका है, हमारा पहला फोकस मंत्रिमंडल पुनर्गठन की जगह कोरोना से लड़ने पर होना चाहिए।

पायलट खुद भी एमपी का चुनाव हारे थे

नागर ने कहा, मैं सचिन पायलटजी का आलोचक नहीं हूं, राजेश पायलट को आदर्श मानता हूं, उनका प्रशंसक हूं। ऐसा ही कोई जादू है तो आपने एमपी का चुनाव लड़ा था तो खुद नहीं जीत पाए थे। इसलिए कोई गलतफहमी पालकर नहीं बैठें, एक नेता के बूते पर नहीं सबको साथ लेकर चलने से और कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही सरकार बनती है।

हम जब हाफ पेंट पहनकर घूमते थे तब गहलोत कांग्रेस का झंडा उठाए घूमते थे, गहलोत राजस्थान ही नहीं देश की कांग्रेस की धरोहर

पायलट खेमे की मांगों पर तंज कसते हुए नागर ने कहा, कुछ निर्णय कांग्रेस हाईकमान को तत्काल लेने होते हैं, ऊपर से संतुष्ट करने की नीति अपनाई। अशोक गहलोत राजस्थान ही नहीं पूरे देश की कांग्रेस के धरोहर हैं। हम जब हाफ पेंट पहनकर घूमते थे तब अशोक गहलोत कांग्रेस का झंडा लेकर घूमते थे। उन्हें देखकर हम कांग्रेस में आए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गहलोत से ज्यादा जानने वाला, परखने वाला और चाहने वाला कोई नेता नहीं है। उनकी तुलना का कोई नेता नहीं है। जैसे बीजेपी में स्वर्गीय भैरोसिंह शेखावत के बराबर कोई नेता नहीं था वैसे ही कांग्रेस में अशोक गहलोत के बराबर कोई नेता नहीं है।

जागरूक खबरें

सार्वजनिक स्थानों पर 55 पेड़ लगाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। ग्राम खोरामीणा, आमेर स्थित में राज्य कर अधिकारी देशराज मीणा के राजकीय सेवा में 10 पूर्ण होने पर ग्राम पंचायत खोरामीणा में 55 पौधे लगाए साथ ही ग्रामीणवासियों ने इनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली । देशराज ने कहा कि जीवन में कोई खुशी का पल हो तो हमें कम से कम 5 पेड़ अवश्य लगाने चाहिए । मीणा खोरामीणा पंचायत के ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने अब तक हजारो पेड़ बाँटने के साथ लगभग 1500 पेड़ खोरा मीणा के पंचायत क्षेत्र में लगा दिए, सभी पंचायत के लोग इनका आभार व्यक्त करते हैं। इस दौरान समाजसेवी कालूराम चांदोलिया, नरेगा मजदूर पंचायत सेकेट्री सरपंच वार्डपंच आदि मौजूद रहे।

पीसीसी सदस्य राठौड़ ने किया भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के गांवों का दौरा

भीनमाल @ जागरूक जनता। विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक कांग्रेस प्रत्याशी एवं पीसीसी सदस्य उमसिह राठौड़ ने भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के दर्जनभर गांवों का दौरा कर आमजन व कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। युवा कांग्रेस नेता अधिवक्ता श्रवण ढाका ने बताया कि पीसीसी सदस्य उमसिह राठौड़ ने भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के बिजलिया, रंगाला, खोखा, जैसावास, बागोड़ा, धुम्बड़िया, नरसाणा, सेवड़ी, जेरण, अरणू, वागावास, जुंजाणी गांव में आयोजित शादी समारोह व शोक सभाओं में शिरकत की। वहीं उन्होंने आमजन व कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर हाल-चाल जाने। मीडिया प्रभारी टीकमाराम भाटी ने बताया कि पीसीसी सदस्य राठौड़ ने बागोड़ा पहुंचकर पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहब्बत सिंह चौहान से मिलकर आशीर्वाद लिया। उमसिह राठौड़ ने गांवों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन की जनसुनवाई भी की। इस मौके पर खोखा सरपंच सलीम खान, पूर्व सरपंच खंगाराराम जाट, पूर्व युवा कांग्रेस लोकसभा महासचिव प्रेमाराम रोपड़िया व नरपतसिंह सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फतेहपुर बीडीओ सुनील ढाका के निर्देश पर नबीपुरा में जल्द होगा नाली निर्माण

सीकर @ जागरूक जनता। फतेहपुर के नबीपुरा ग्राम में मुख्य रास्ते में बनी नाली टूटने से पिछले कई दिनों से ग्रामीण परेशान थे। मानसूनी तेज बरसात मंगलवार को नबीपुरा में होने से मुख्य रास्ते पर क्षतिग्रस्त नाली ग्रामीणों के लिए परेशानी बन गयी। मंगलवार को फतेहपुर के कर्मठ बीडीओ सुनील ढाका ने तुरंत संज्ञान लेते हुए ग्राम विकास अधिकारी अशोक कुमार को बुधवार से नाली निर्माण करने के निर्देश दिये। बीडीओ सुनील ढाका का कहना है कि मानसून समय में ग्रामीण क्षेत्रों में तेज बरसात होने से मुख्य रास्तों पर पानी भराव से घरों मर पानी घुसने लग जाता है तथा पशुओं, ग्रामीणों के आवागमन में बाधा आती है। ग्राम विकास अधिकारी अशोक कुमार का कहना है कि कुछ बजट स्वीकृति की तकनीकी समस्या के कारण देरी हुई है। ठेकेदार को कार्य करने के लिए बोल दिया है। अगले 4-5 दिन में नाली बनकर तैयार हो जाएगी। ग्रामीणों ने बीडीओ सुनील ढाका को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाया 73वां स्थापना दिवस

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। एबीवीपी पीपाड़ शहर ईकाई ने स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान कई स्थानों पर कार्यक्रमों हुए। जिसमें परिषद के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया । मुख्य कार्यक्रम राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में किया गया। जिसमें सर्वप्रथम सभी कार्यकर्ताओं ने स्वामी विवेकानंद और मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। विद्यार्थी परिषद के पूर्व जिला सह संयोजक रामकिशोर टाक ने कहा कि हमें गर्व है कि हम दुनियां के सबसे बड़े एवं प्राचीन छात्र संगठन के सदस्य हैं। जो संगठन न सिर्फ भारत बल्कि विश्व के 21 देशों में शिक्षा क्षेत्र के विकास के साथ ही सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है। इस अवसर पर पुर्व नगर मंत्री अतुलसिंह कच्छावाह और सीताराम टाक ने विद्यार्थी वर्ग को आह्वान किया कि वह परिषद से जुड़ शिक्षा क्षेत्र के विकास एवं देश समाज की सेवा के लिए आगे आएं। इस दौरान कोविड में सेवा देने वाले कोरोना कर्मवीरों को सम्मानित किया गया। मनीष बागवान ने बताया ABVP जो छात्र हित के साथ ही समाज व राष्ट्र हित में भी कार्य करती आ रही है। शिक्षाविद और प्रवक्ता भवानी सिंह कच्छावाह ने बताया की इसके अलावा अलगाववाद, अल्पसंख्यक तुष्टीकरण, आतंकवाद और भ्रष्टाचार जैसी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के खिलाफ लगातार परिषद का संघर्षरत है। उन्होंने बताया कि जोधपुर पीपाड़ शहर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नाम सबसे ज्यादा रक्तदान करने का रिकॉर्ड है। परिषद का नारा छात्र शक्ति- राष्ट्र शक्ति के साथ जुड़कर लाखों छात्र छात्राएं परिषद के कार्यकर्ता के रूप में निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। इस दौरान युवा पार्षद पीयूष शर्मा, छात्र नेता अजय सिंह टाक, मनीष कच्छावाह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वुडलैंड पार्क में जेडीए लगाएगा 25 हजार पौधे, ऑक्सीजोन विकसित किया जाएगा

जयपुर। जेडीए की ओर से इस मानसून में 50 हैक्टेयर भूमि पर 25 हजार पौधे लगाकर ऑक्सीजोन विकसित करने की योजना है। वुडलैंड पार्क योजना के तहत जेडीए की उद्यान शाखा इस काम को करेगी। मंगलवार को हुई बैठक में आयुक्त ने कहा कि शहर के बीचों-बीच जो जगह खाली हैं, वहां पर सघन पौधे लगाए जाएं। सजावटी पौधों की बजाय पांच से दस फीट ऊंचे फलदार, फूलदार और छायादार पौधे लगाए जाएं। बैठक में तय हुआ कि जोन-7, 10, 11, 13 व 14 के अलावा जेडीए की विभिन्न योजनाओं में पार्क के लिए आरक्षित भूमियों पर सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। जेडीसी गौरव गोयल ने बताया कि जेडीए की आरक्षित भूमि पर सघन पौधारोपण कर ऑक्सीजन विकसित किया जाएगा। ये पेड़ आबादी के बीच एक साथ लगाए जाएंगे। प्रति हैक्टेयर भूमि पर 500 पेड़ लगाने का लक्ष्य दिया है।

ये पेड़ लगाए जाएंगे

नीम, शीशम, पिलकन, मोलश्री, करंज, काइजेलिया पिन्नाटा, अशोक, अर्जुन, गूलर, सिरस, बड़, पीपल, पुत्रंजीवा, अमलताश, गुलमोहर, जकरंडा, स्पेथोडिया, कचनार, केशियाश्यामा, पेल्टाफार्म, जामुन, शहतूत, इमली, आंवला, आम, बीलपत्र लगाए जाएंगे।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

नई कैबिनेट में राजस्थान का जलवा

अश्विनी को रेल-आईटी, भूपेंद्र को श्रम-पर्यावरण और शेखावत को जलशक्ति

मोदी सरकार में हमारे 3 कैबिनेट मंत्री, 2 राज्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पीएम नरेंद्र मोदी की नई कैबिनेट में राजस्थान का भी जलवा दिखा है। यहां से 3 कैबिनेट मंत्री और 2 राज्य मंत्री बनाए गए हैं। ओडिशा से राज्यसभा सांसद और जोधपुर के रहने वाले अश्विनी वैष्णव को रेल और आईटी का जिम्मा सौंपा गया है। अश्विनी पहले राजस्थानी हैं, जिन्हें फुल फ्लैश रेल मंत्रालय मिला है। इससे पहले यूपीए सरकार में सीपी जोशी के पास रेलवे का अतिरिक्त चार्ज था। इसके अलावा भूपेंद्र यादव को दो बड़े व अहम मंत्रालयों श्रम रोजगार व पर्यावरण मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, गजेंद्र सिंह शेखावत के पास अब भी जल शक्ति मंत्रालय है।

दिलचस्प ये भी है कि अब सीएम गहलोत के गृह जिले जोधपुर से मोदी कैबिनेट में दो मंत्री हो गए हैं। एक शेखावत व दूसरे वैष्णव। यही नहीं, राजस्थान के अर्जुन राम मेघवाल और कैशाल चौधरी बतौर राज्यमंत्री मोदी कैबिनेट में शामिल हैं। कोटा सांसद ओम बिडला लोकसभा स्पीकर हैं। इस तरह देखा जाए तो दो दशक में पहली बार राजस्थान केंद्र में इतना पॉवरफुल हुआ है।

अर्जुन मेघवाल और कैलाश चौधरी बतौर राज्यमंत्री कैबिनेट में शामिल हैं

मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए गए भूपेंद्र यादव राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। उनके केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनने के पीछे सियासी समीकरण साधने की कवायद तो है ही, आरएसएस और बीजेपी के टॉप नेताओं से उनके अच्छे संपर्कों के अलावा राम मंदिर केस में उनकी भूमिका भी एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। राम मंदिर केस में उन्होंने जिस तरह सबूत जुटाने से लेकर पैरवी तक में सहायता दी उससे ही आरएसएस और बीजेपी में उनका कद बढ़ा। यादव सुप्रीम कोर्ट के वकील हैं। वे पूर्व वित्त मंत्री दिवंगत अरुण जेटली के संपर्क में आए थे। साल 2010 में वे बीजेपी राष्ट्रीय मंत्री बनाए गए, फिर 2012 में राजस्थान से राज्यसभा में भेजे गए। 2018 में राजस्थान से ही दोबारा राज्यसभा सांसद बने। अजमेर में उनका जन्म हुआ। यहीं उनकी शिक्षा भी हुई।

हमारे ये दिग्गज नेता भी केंद्र में रहे

अटल सरकार में राजस्थान से जसवंत सिंह कैबिनेट मंत्री थे। उनके पास वित्त, रक्षा और विदेश जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय रहे। भरतपुर के नटवर सिंह नरसिम्हा राव की सरकार में मंत्री रहे। उसके बाद यूपीए1 में भी विदेश मंत्री रहे। यूपीए-2 में सीपी जोशी कैबिनेट मंत्री रहे, जिनके पास ग्रामीण विकास मंत्रालय था। बाद में रेल सहित कई मंत्रालयों का अतिरिक्त प्रभार मिल गया था। उस समय सचिन पायलट, नमो नारायण मीणा, भंवर जितेंद्र सिंह, लालचंद राज्य मंत्री थे। यूपीए-2 में महादेव सिंह खंडेला भी मंत्री रहे थे। पहली मोदी सरकार में पीपी चौधरी, सीआर चौधरी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अर्जुन राम मेघवाल और गजेंद्र शेखावत राज्य मंत्री थे।

अन्तरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी का एस्ट्रो टर्फ

सुखाड़िया विवि में बनेगा हॉकी का एस्ट्रो टर्फ मैदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। सुखाडिया विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी का एस्ट्रो टर्फ खेल मैदान बनाया जाएगा। निर्माण के लिए कुलपति प्रो अमेरिका सिंह के निर्देशन में तकनीकी कमेटी ने निरीक्षण किया। ओलम्पियन एवं अर्जुन अवार्डी अशोक कुमार ध्यानचंद की अध्यक्षता में गठित पाँच सदस्यों की कमेटी द्वारा एस्ट्रो टर्फ के निर्माण के लिए योजना बनाई गई। क्रीड़ा मण्डल के सचिव डॉ गिरिराज सिंह चौहान ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा हॉकी एस्ट्रो टर्फ की विस्तृत कार्य परियोजना के लिये ओलम्पियन अशोक कुमार ध्यानचंद की अध्यक्षता में पांच सदस्य कमेटी का गठन किया गया जिसमे हॉकी राजस्थान के उपाध्यक्ष महिपाल सिंह निम्बाडा, जिला खेल अधिकारी, शकील हुसैन, स्पोर्टस एण्ड टेक्निकल एडवाइजर, विक्रम सिंह, तथा हॉकी उदयपुर के सचिव, डॉ कुलदीप सिंह झाला, द्वारा हॉकी एस्ट्रो टर्फ को लेकर महाराणा भूपाल स्पोर्टस काम्पलेक्स में जमीन चिन्हित की साथ ही विस्तृत कार्य परियोजना तैयार की गई ।हॉकी उदयपुर के सचिव एवं डॉ कुलदीप सिंह झाला ने बताया वर्ल्ड युनिवर्सिटी गेम्स को मद्देनजर रखते हुए विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय मापदंड का ब्लू हॉकी एस्ट्रो टर्फ तैयार करवाया जाना प्रस्तावित है साथ ही फ्लड लाईट की व्यवस्था का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। कुलपति प्रो अमेरिका सिंह द्वारा उक्त प्रस्ताव की सराहना की तथा राष्ट्रीय खेल एवं खिलाडियों का अन्तरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा युक्त स्पोर्टस हास्टल के निर्माण हेतु आवश्यक प्रस्ताव तैयार पर सहमति प्रदान की गई।

सरकारी कॉलेजों में प्रवेश शुरू, 22 तक आवेदन होंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में परीक्षाओं पर सरकार के फैसले के बाद प्रमोट और रिएडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि यूनिवर्सिटी में प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है क्योंकि फर्स्ट ईयर में प्रवेश के लिए 12वीं के रिजल्ट का इंतजार है। सरकारी कॉलेजों में यूजी द्वितीय, तृतीय और पीजी फाइनल के लिए एडमिशन 22 जुलाई तक ऑनलाइन किए जाएंगे। 31 जुलाई तक ई मित्र से फीस जमा होगी। प्रमोट छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई होगी। इधर, राजस्थान यूनिवर्सिटी में प्रथम वर्ष से द्वितीय और द्वितीय वर्ष के छात्रों को प्रमोट करने की प्रक्रिया शुरू होगी। राजस्थान कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो.एसएल शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन क्लासेज शुरू हो गई है।

प्री डीएलएड के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब 19 जुलाई

पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं बीकानेर ने प्री डीएलएड के लिए आवेदन की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी की है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 19 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई थी। प्री डीएलएड समन्वयक के अनुसार अब तक करीब 4 लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

कांग्रेस नेता उमसिह राठौड़ ने बागोड़ा पहुंचकर पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहब्बतसिंह से मुलाकात कर लिया आशीर्वाद

भीनमाल @ जागरूक जनता। विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक कांग्रेस प्रत्याशी एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य उमसिह राठौड़ ने बागोड़ा पहुंचकर पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहब्बत सिंह चौहान से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा भी की। वहीं पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहब्बत सिंह चौहान ने कांग्रेस नेता ऊम सिंह राठौड़ का साफा पहनाकर स्वागत भी किया।

कोरोना: अपनो को खो चुके मृतक परिजनों के लिए आर्थिक सहायता योजना शुरू

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। जिला कलेक्टर निर्देशानुसार कोरोना सहायता योजना योजना अंतर्गत नगर पालिका पीपाड़ शहर क्षेत्र में जिन परिवारों के परिजनों की मृत्यु दिनांक 1.4 2020 के पश्चात हुई है उनके पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता हेतु मुख्यमंत्री कोरोना बाल सहायता योजना, मुख्यमंत्री को कोरोना विधवा सहायता, एवं मुख्यमंत्री कोरोना पालनहार सहायता योजना लागू की गई है उक्त योजना में मृतक की कोरोना की पॉजिटिव रिपोर्ट, मृत्यु प्रमाण पत्र, भर्ती टिकट आवश्यक रूप से संलग्न करना होगा। उक्त योजना के पात्र व्यक्ति कार्यालय नगर पालिका से या ई मित्र से फार्म प्राप्त कर कार्यालय नगर पालिका में कार्य दिवस के दौरान जमा कराया जा सकता है।

मंत्रिमंडल विस्तार

कितना सार्थक वैष्णव चयन

देश की प्रगति व विकास के लिए बड़ा से बड़ा जोखिम उठाने को तैयार प्रधानमंत्री मोदी ने कैबिनेट 2.0 के विस्तार के साथ कई फेरबदल कर सबको चौका दिया। खास बात यह है कि दिग्गज नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाकर नए चेहरों पर भरोसा कर अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्रालय दिए। रेल,संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालयों की कमान अश्विनी वैष्णव को सौंपी गई है।

भगवान प्रसाद
सामाजिक कार्यकर्ता
@jagrukjanta.net

आखिर अश्विनी वैष्णव कौन है? क्या है उनकी पृष्ठभूमि? क्या वैष्णव प्रधानमंत्री की आकांक्षाओं पर खरे उतरेंगे?

कहते हैं कि हीरे की परख केवल जौहरी ही जानता है। ऐसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रीमंडल के लिए नायाब हीरे चुनते हुए कैबिनेट को चुना। जिसमें अश्विनी वैष्णव का चयन प्रमुख है। वैष्णव राजनीति में आने से पूर्व नौकरशाह थे। बीजेपी और मोदी ने उन्हें राज्यसभा लाते हुए बड़ा दांव खेला है।

अश्विनी वैष्णव कौन है?

अश्विनी वैष्णव 1994 बैच के आईएएस है। वे बालासोर में डीएम और कटक में कलेक्टर भी रह चुके हैं। वर्ष 2019 में ओडिशा से राज्यसभा सांसद है।

जन्म एवं परिवार- वैष्णव का जन्म 18 जुलाई 1971 को राजस्थान के जोधपुर में हुआ। इनके पिता का नाम दाऊलाल वैष्णव और माता का नाम सरस्वती वैष्णव है। पिता दाऊलाल मूलरूप से पाली जिले के देसूरी के निकट जीवन्द कलां गांव के रहने वाले थे। वे सन् 1966 में जोधपुर आ गए। अश्विनी वैष्णव का विवाह सुनीता वैष्णव से 15 फरवरी 1995 में हुआ। इनके दो संतान है जिनका नाम राहुल और तान्या।

अश्विनी वैष्णव की शिक्षा- दिल्ली पब्लिक स्कूल से अश्विनी वैष्णव ने स्कूली शिक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के एम.बी.एम इंजीनियरिंग कॉलेज से बी.टेक की पढ़ाई की जिसमें गोल्ड मेडलिस्ट रहे। इसके पश्चात वैष्णव ने आई.आई.टी. कानपुर से एम.टेक की पढ़ाई की। साथ ही उन्होंने व्हार्टन स्कूल ऑफ द यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया से एम.बी.ए. किया है।

वैष्णव की पृष्ठभूमि- शिक्षा के बाद अश्विनी वैष्णव ने सिविल सर्विस की तैयारी शुरू कर दी। वर्ष 1994 में उन्हें आई.ए.एस. परीक्षा में 27वीं रैंक पर सफलता मिली। बालासोर के डीएम रहते हुए अश्विनी वैष्णव ने आपदा प्रबन्धन अच्छे से किया। इसके बाद मुख्यमंत्री पटनायक ने उन्हें कटक का कलेक्टर नियुक्त किया। वर्ष-2003 तक ओडिशा में रहने के बाद उस समय के प्रधानमंत्री अटलबिहारी का डिप्टी सेक्रेटरी बनाया गया। वैष्णव डेढ़ वर्ष तक गोवा पोर्ट के डिप्टी चेयरमैन भी रहे। साल 2008 में वे पढ़ाई के लिए अमेरिका चले गए और दो वर्ष बाद लौटकर नौकरी से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वे कई प्राइवेट कम्पनी में वाइस प्रेसीडेन्ट से लेकर डायरेक्टर रहे। वैष्णव ने गुजरात में ऑटो उपकरण की विनिर्माण इकाइयां भी स्थापित की।

अश्विनी का राजनीतिक जीवन- पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के डिप्टी सेक्रेटरी रहते हुए अश्विनी वैष्णव का भाजपा के कई नेताओं से सम्पर्क बन गया। इनमें मोदी भी शामिल है। दूसरी तरफ ओडिशा में नौकरी के समय वहां के मुख्यमंत्री पटनायक से भी मधुर सम्बंध बनें। इसी तरह वैष्णव ने ओडिशा में बीजेपी और बीजेडी के गठबंधन में सेतू की भूमिका निभाई।

बिना बहुमत जीता राज्यसभा चुनाव- 28 जून 2019 को अश्विनी वैष्णव ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही बीजेपी ने उन्हें ओडिशा से राज्यसभा का उम्मीदवार बना दिया। वैष्णव को जीताने के लिए बीजेपी के पास पर्याप्त विधायक संख्या नहीं थी। फिर भी बीजेडी के समर्थन और उम्मीदवार खड़ा नहीं करने से अश्विनी वैष्णव आसानी से राज्यसभा सांसद बन गए। दो वर्ष से वे राज्यसभा में बीजेपी के पक्ष में कई मुद्दों पर मुखर होकर बोले हैं। जब वे सरकार का पक्ष रखते हैं तो विरोधी पस्त हो जाते हैं।

वैष्णव पर भरोसा जताने के अहम करण- वैष्णव पी.पी.पी इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल डवलपमेन्ट के विशेषज्ञ माने जाते हैं तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र से आने के साथ कुशल प्रशासनिक अनुभव होने से वे अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभा पाएंगे। इसके अलावा पिछले दो वर्षों के राज्यसभा के कार्यकाल में अपने कार्यो से अपनी ओर ध्यान आकर्षित कराने भी में सफल रहे।

पहले दिन से ही एक्शन मोड में वैष्णव- 1. नए रेल मंत्री ने अपने मंत्रालय के कर्मियों को सुबह सात बजे से लेकर रात बारह बजे तक काम करने के आदेश दिए है। जिसमें मंत्रालय दो शिफ्ट में चलेगा। इससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि 24 घंटे सेवा में दौड़ने वाली ट्रेनों का मंत्रालय जब 17-18 घंटे उनके बारे में नीति-निर्माण करेगा तो अवश्य ही क्रांतिकारी बदलाव आने के साथ रेल यातायात की दशा भी सुधरेगी।

2. सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का पदभार ग्रहण करते ही वैष्णव ने दो टूक राय रखी कि भारत में रहने और काम करने वालों को देश के नियम मानने ही होंगे। निःसंदेह उनका इशारा ट्विटर और सभी सोशल मीडिया को है। जो भारत के कानूनों के प्रति अड़ियल रुख अपना रहे थे। इससे स्पष्ट है कि आने वाले समय में देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाले देशी-विदेशी कंपनियों और लोगों की खैर नहीं।

युवा सोच से लबरेज और कुछ नया करने के संकल्प के साथ मंत्री बने वैष्णव देश की रीढ़ कहे जाने वाले रेल मंत्रालय को मजबूत करने के लिए अपने प्रशासनिक अनुभव का इस्तेमाल करेंगे तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय को अपने आईटी ज्ञान व महारथ से विभाग का कायाकल्प करेंगे। दृढ़ इच्छाशक्ति से देश के हर तबके के हित में कार्य करते हुए एक अमिट हस्ताक्षर बनने का प्रयास करेंगे। जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा। जैसा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। यह कितना सफल होगा। ये भविष्य के गर्भ में छिपा है। इस पर सबकी नजर चौकन्नी भी रहेगी।

ANCHOR | गुप्त नवरात्र

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

इस दौरान मां दुर्गा की आराधना गुप्त रूप से की जाती है इसलिए इन्हें गुप्त नवरात्र कहा जाता है। इन नवरात्र में मानसिक पूजा का महत्व है। वाचन गुप्त होता है। लेकिन सतर्कता भी आवश्यक है। ऐसा कोई नियम नहीं है कि गुप्त नवरात्र केवल तांत्रिक विद्या के लिए ही होते हैं। इनको कोई भी कर सकता है लेकिन थोड़ी सतर्कता रखनी आवश्यक है। दश महाविद्या की पूजा सरल नहीं।

कालीकुल और श्री कुल

जिस प्रकार भगवान शंकर के दो रूप हैं एक रुद्र (काल-महाकाल) और दूसरे शिव, उसी प्रकार देवी भगवती के भी दो कुल हैं- एक काली कुल और श्री कुल। काली कुल उग्रता का प्रतीक है।

काली कुल में महाकाली, तारा, छिन्नमस्ता और भुवनेश्वरी हैं। यह स्वभाव से उग्र हैं। श्री कुल की देवियों में महा-त्रिपुर सुंदरी, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला हैं। धूमावती को छोड़कर सभी सौंदर्य की प्रतीक हैं।

दस महाविद्या किसकी प्रतीक

छिन्नमस्ता (वैभव, शत्रु पर विजय, सम्मोहन)
त्रिपुर भैरवी (सुख-वैभव, विपत्तियों को हरने वाली)
धूमावती (दरिद्रता विनाशिनी)
बगलामुखी (वाद विवाद में विजय, शत्रु पर विजय)
मातंगी (ज्ञान, विज्ञान, सिद्धि, साधना)
कमला (परम वैभव और धन)

आराधना का मंत्र

काली तारा महाविद्या षोडशी भुवनेश्वरी।
भैरवी छिन्नमस्ता च विद्या धूमावती तथा।
बगला सिद्धविद्या च मातंगी कमलात्मिका।
एता दश महाविद्याः सिद्धविद्याः प्राकृर्तिता।
एषा विद्या प्रकथिता सर्वतन्त्रेषु गोपिता।।

नवरात्र में माँ भगवती की आराधना दुर्गा सप्तशती से की जाती है , परन्तु यदि समयाभाव है तो भगवान् शिव रचित सप्तश्लोकी दुर्गा का पाठ अत्यंत ही प्रभाव शाली एवं दुर्गा सप्तशती का सम्पूर्ण फल प्रदान करने वाला है। गृहस्थ साधक जो सांसारिक वस्तुएं, भोग-विलास के साधन, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन पाना चाहते हैं उन्हें इन नौ दिनों में दुर्गासप्तशती का पाठ करना चाहिए, यदि इतना समय न हों तो सप्तश्लोकी दुर्गा का प्रतिदिन पाठ करें। देवी को प्रसन्न करने के लिए और साधना की पूर्णता के लिए नौ दिनों में लोभ, क्रोध, मोह, काम-वासना से दूर रहते हुए केवल देवी का ध्यान करना चाहिए। कन्याओं को भोजन कराएं, उन्हें यथाशक्ति दान-दक्षिणा, वस्त्र भेंट करें

गुप्त नवरात्र में की जानेवाली पूजा विधि के बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री का कहना है, ''धर्मिक मान्यतानुसार गुप्त नवरात्रि में अन्य नवरात्रि की तरह पूजा करनी चाहिए। नवरात्रि नौ दिनों का पर्व होता है तथा जिसकी शुरुवात प्रथम दिन घट स्थापना से की जाती है। घट स्थापना के पश्चात नौ दिनों तक सुबह तथा शाम में माँ दुर्गा अर्थात भगवती की पूजा करनी चाहिए। अष्टमी या नवमी के दिन नवरात्रि का समापन कन्या-पूजन करने के पश्चात करना चाहिए। आशादा नवरात्रि जिसे गुप्त नवरात्री या वरही नवरात्रि के रूप में भी जाना जाता है नौ दिवसीय वराही देवी को समर्पित उत्सव है। गुप्त नवरात्री के दिन तांत्रिकों और साधकों के लिए बहुत ही शुभ माने जाते हैं। उपवास रखकर और श्लोकों और मंत्रों का जप करके भक्त, देवी के प्रति अपनी भक्ति को दर्शाते हैं। यह माना जाता है कि इस नवरात्री के दौरान देवी तुरंत भक्तों की प्रार्थनाओं पर ध्यान देती हैं और उनकी इच्छाओं को पूरा करती हैं। वराही देवी को तीन रूपों में पूजा जाता हैः दोषों को हटाने वाली, धन और समृद्धि का उपहार देने वाली और ज्ञान की देने वाली है। इस साल में 4 बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है? इनमें से माघ और आषाढ़ मास में पड़ने वाली 2 नवरात्रों को गुप्त नवरात्र कहते हैं। गुप्त नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा की जाती है। वैसे तो चारों नवरात्रि मां दुर्गा के भक्तों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती हैं लेकिन माघ और आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि अघोरियों और तांत्रिकों के लिए बहुत विशेष मानी जाती हैं। आषाढ़ की गुप्त नवरात्रि 11 जुलाई से शुरू होकर 18 जुलाई तक चलेंगी। इन नवरात्रि में भी भक्त निराहार रहकर या फलाहार लेकर व्रत करते हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री से गुप्त नवरात्र के शुभ मुहूर्त और इनका महत्व जानते हैं।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

इस साल आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा गज यानी हाथी की सवारी से आएंगी। इसके अलावा नवरात्र में पूजा की शुरुआत आर्द्रा नक्षत्र में होने से योग और उत्तम हो गया है। बता दें कि नवरात्र 8 दिन की होगी, क्योंकि षष्टी और सप्तमी तिथि एक ही दिन हैं। इससे सप्तमी तिथि का क्षय हो गया है।

जागरूक खबरें

जार में वेक्सीनेशन शिविर संपन्न 500 वैक्सीन लगे

जयपुर @ जागरूक जनता। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) द्वारा कोविड-19 कोविशिल्ड वेक्सीन शिविर आयोजित किया गया । जिसमें पत्रकार व पत्रकार परिवार जनों को कोविशिल्ड लगवाई गई । जार की प्रदेश अध्यक्ष हरिवल्लभ मेघवाल ने बताया कि शिविर में अरुण जोशी उपनिदेशक एवं जनसंपर्क विभाग ने अवलोकन करते हुए जार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की । शिविर की शुरुआत 11:00 से की गई और शाम 5:00 बजे तक 500 वेक्सीन लगाई गई। इस अवसर पर शिविर में जार की प्रदेश महामंत्री दीपक शर्मा के निर्देशों पर जयपुर जिला संयोजक मुकेश मिश्रा, प्रदेश संगठन महासचिव दीपक पंवार, प्रदेश सलाहकार श्रीलाल जोशी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुभाष मित्रुका, प्रदेश सचिव रामदेव उपाध्याय, प्रदेश कोषाध्यक्ष आर के न्याति, हरिनाम सिंह, व वर्गो सांस्कृतिक संस्था से रूपाली कश्यप, रवि कश्यप, जेपी बुनकर, सुनील जैन, राजेश नागर, राकेश शर्मा, प्रशांत भारद्वाज, प्रशांत शर्मा ब्लड डोनर, मोहित शर्मा, जीशान, रघु, पुलकित सिंह भाटी, रमेश भगत सहित जार के सभी पत्रकारों ने शिविर में सहयोग किया।

जैलातरा में आयोजित रक्तदान शिविर में 25 यूनिट हुआ रक्तदान

सांचौर @ जागरूक जनता। उपखंड क्षेत्र के जैलातरा में रक्तदान शिविर व नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन स्थानीय निवासी समाजसेवी विक्रम माहेश्वरी के जन्मदिन पर सरदार पटेल प्रस्तावित कॉलेज भवन में मुख्य अतिथि सरपंच प्रतिनिधि हंजारीराम भील विशिष्ट अतिथि ग्राम विकास अधिकारी जयराम विश्नोई, राशन डीलर प्रेमाराम व कॉलेज संस्थापक हीराराम चौधरी के आतिथ्य व विक्रम माहेश्वरी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान 25 युवाओं ने रक्तदान किया। साथ ही बी लाल हॉस्पिटल सांचौर के जनरल फिजिशियन डॉ अश्विन पटेल, डेंटल एवं कॉस्मेटिक सर्जन डॉ वैष्णवी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अनुज व डॉ सुनील पैथोलॉजिक की टीम ने अलग-अलग चिकित्सा विभागों की टीम ने 80 लोगों के स्वास्थ्य की जांच नि शुल्क की गई। जिसमें बीपी शुगर आंखों की जांच दांतों की जांच सहित सभी प्रकार की सामान्य बिमारियों की जांच व इलाज हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा नि शुल्क किया गया। इस दौरान कृष्ण चौधरी, भी लाल बल्ड बैंक प्रभारी रमेश जाणी, निलेश माहेश्वरी, कपिल माहेश्वरी, ओम बिश्नोई, विनोद जाखड़ धन्नाराम पंचाल व एएनएम उर्मिला आदि मौजूद रहे।

मांडलगढ़ नगर पालिका बोर्ड की बैठक में विकास पर चर्चा

मांडलगढ़ @ जागरूक जनता। नगर पालिका मांडलगढ़ के सभागार में मंगलवार को पालिका बोर्ड की साधारण सभा की बैठक अध्यक्ष जफर टांक की अध्यक्षता में आहूत हुई। जिसमे मुख्य अतिथि विधायक गोपाल लाल शर्मा, पालिका के निर्वाचित पार्षदगण, मनोनित सहवृत सदस्यगण अधिशाषी अधिकारी साबिर हुसैन उपस्थित थे । पालिकाध्यक्ष जफर टांक ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि नगर के विकास मे किसी प्रकार का भेद - भाव नहीं किया जायेगा साथ ही माण्डलगढ़ के चहूमुखी विकास को लेकर सदन के सभी सदस्य एक साथ नजर आये । पालिकाध्यक्ष जफर टांक ने पालिका स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित करने की घोषणा की जिससे नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण सम्भव हो सकेगा। अन्य विकास कार्यो मे परशुराम मार्ग निर्माण, अम्बेडकर सर्किल पर बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर सर्किल की एवं किले पर राणा सांगा की प्रतिमा स्थापित करने, पालिका क्षेत्र के श्मशानों एवं कब्रिस्तानों को रोल मॉडल बनाने, गोपाल मून्दडा से श्रीजल तक सी.सी. एवं नाली निर्माण एवं रेल्वे स्टेशन बाईपास रोड़ पर रोड़ लाईट लगाने, काफी समय से लम्बित पडे माण्डलगढ़ - गौठ लिंक रोड़ के निर्माण से जुडी समस्याओं के शीघ्र निराकरण कर सड़क निर्माण कराने, नगर पालिका स्वच्छ रखने हेतु सफाईकर्मियों की संख्या में बढ़ोतरी व राज्य सरकार द्वारा 2 अक्टूबर से चलाये जाने वाले प्रशासन शहरों के संग अभियान के सफल क्रियान्वयन मे सहयोग एवं जनसहभागिता बढाने पर विचार विमर्श किया गया। का प्रस्ताव रखा। बैठक मे पार्षद रेखा वैष्णव, पवनेश ओस्तवा, अनिता सुरान, दुर्गा माली, अशोक कुमार जाट, रामेश्वर लाल मीणा, दीपक कुमार नायक, कांता देवी रेगर, सुमन ओस्तवा, नील कमल पटवा, आरती सोनी, पूजा ब्रह्मभट्ट, अरूण कुमार व्यास, लादु लाल खटीक, ईश्वर चांवरिया, नजमा बानो सिलावट, रफीक मोहम्मद टांक, हर्षित पंवार, सहवृत सदस्य अनीस मोहम्मद जी पिंजारा, लक्ष्मी लाल हरिजन, सत्यनारायण जीनगर, अल्का लढ़ा, शोभा लाल धोबी, सुरेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

'काव्य बौछार महोत्सव' सम्पन्न

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा बरसात के मौसम को साहित्यिक सुहावने मौसम में बदलने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन "काव्य बौछार महोत्सव" का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'बरसात' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया तथा एक से बढ़कर एक बरसात विषय पर आधारित अपनी काव्य रचनाओं को प्रस्तुत कर बरसात के मौसम को और भी रंगीन और सुहावना बना दिया। इस महोत्सव में समूह द्वारा सहयोग हेतु विशेष रूप से वाणी कर्ण (काठमांडू, नेपाल) का चयन किया गया था। जिन्होंने अपने विशिष्ट सहयोग से ऑनलाइन 'काव्य बौछार महोत्सव' को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समूह द्वारा महोत्सव में शामिल होने वाली विशिष्ट सहयोगी शख्सियत वाणी कर्ण सहित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन "पुनीत काव्य मेघ" सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम वाणी कर्ण, संजय कुमार गुप्ता, चंचल जैन, कुसुम अशोक सुराणा, कंचन कंठ, संध्या शर्मा, प्रतिभा तिवारी, निर्मला कर्ण, सरला सोनी "मीरा कृष्णा", डॉ. ऋतु नागर, डॉ. उमा सिंह बघेल, मंजू शर्मा, डॉ. सरला सिंह "स्निग्धा", भारती अग्रवाल, मीता लुनिवाल, सुनीला गुप्ता, पदमा दीवान "अर्चना", प्रिया झंवर रचनाकारों के रहे।

महिला सदन की नौ आवासिनियों के विवाह की तैयारियां

जयपुर @ जागरूक जनता। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के राज्य महिला सदन में नौ आवासिनियों के विवाह की तैयारियां जोरों पर हैं। विवाह की महत्वपूर्ण रस्म हल्दबान का कार्यक्रम सोमवार दोपहर को आयोजित किया गया। शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता डॉ. समित शर्मा ने बताया कि विवाह कार्यक्रम में कोविड प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं और नौ जोड़ों का विवाह कार्यक्र म तीन दिवस में विभक्त किया गया है। आगामी 14,15 और 16 जुलाई को तीन-तीन आवासिनियों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। सोमवार को हल्दी की रस्म अदा की गई। इसमें विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। मंगलवार शाम संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान कार्यकारिणी की बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मांडलगढ़। श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंध एंव विकास संस्थान की बैठक में द्वितीय चरण का भूगर्भ नींव कार्य पुरा होने पर अब तृतीय चरण का का निर्माण कार्य शीघ्र कराने का निर्णय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा सर्व सम्मति से लिया गया। जोगणिया माता संस्थान परिसर में बानोडा बालाजी के पंडित कैलाश चन्द्र शर्मा के सानिध्य में संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जोशी ने बताया कि मंदिर का कार्य प्रगति की और है तथा मकराना का मार्बल लगाया जाकर इस पर विवेचन कर निर्णय लिया। भैरव.मंदिर, उण्डेश्वर यहादेव, श्रंगार चौकीयां व गुबंद तथा छतरियां बनाई जायेगी। जोशी ने यह भी बताया कि सामने की तरफ श्री देवनारायण, श्री हनुमान मंदिर तथा श्री शिव मंदिर का वर्तमान में निर्माण प्रगतिशील है। साथ ही जोगणिया माता शक्तिपीठ पर भविष्य में आने वाले यात्रियों के लिए शुद्ध भोजन की उपलब्धता हेतु संस्थान द्वारा नवरात्रा तक भोजनालय रेस्टोरेंट का उचित दर पर संचालन किया जाएगा। इसके अलावा जोगणिया माता शक्तिपीठ परिसर में स्थित गायत्री मंदिर परिसर को, श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट शांतिकुंज हरिद्वार केंद्र जिसमें बेगू, मांडलगढ़, बिजोलिया, बागड़ा घाटा, सिंगोली, रतनगढ़, एमपी के गायत्री शक्तिपीठ ओं का संचालन उप केंद्र जोगणियामाता जी द्वारा किया जाएगा। जिसमें गायत्री साधना, मासिक संस्कार, प्रशिक्षण धार्मिक, साहित्य केंद्र, घर-घर देव स्थापना, ज्ञान रथ का संचालन क्षेत्र के बालकों का वैदिक विधान के अंतर्गत संस्कार प्रतिभा संस्कार शिविरों के आयोजन किए जाएंगे, बैठक में संस्थान के महासचिव भंवरलाल त्रिपाठी, सदस्यगण राम सिंह चुंडावत, व्यवस्थापक लाल सिंह परिहार, गायत्री परिवार के प्रतिनिधि घनश्याम पालीवाल, नंदकिशोर सनाढ्य, सदस्य प्रेमचंद धाकड़, रामेश्वर लाल गुर्जर, शिवकुमार त्रिपाठी, नवल राम गुर्जर, रामसिंह फोटोग्राफर, कन्हैया लाल मेवाड़ा, शांतिलाल धाकड़, वरिष्ठ सलाहकार दलपत सिंह सांखला, सुशील बोहरा, बालू राम गुर्जर, बाबूलाल सुथार गॉड मार्बल मकराना से सिकंदर गॉड, विशाल सोमपुरा उपस्थित थे। ज्ञात रहे जोगणिया माता शक्तिपीठ संस्थान के आजीवन अध्यक्ष भंवरलाल जोशी ने वर्षो से तन और मन और धन के साथ विकास कार्य किया जिसका बखान करना मुश्किल है। बाउजी के नाम से लोकप्रिय जोशी ने टीम भावना के साथ जो मेहनत कर विकास की नींव रखी थी। वह आज भव्यता की और अग्रसर है और उसी का परिणाम है कि आज जोगणिया माता की भव्य सुंदरता के साथ साथ यह धार्मिक आस्था का कुंभ बन गया है।

पूर्व सरपंच स्व. वरधाराम मेघवाल की पुण्यतिथि पर किया पौधारोपण

समाजबंधुओं ने मेघवाल की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीनमाल। मेघवाल समाज छात्रावास समिति भीनमाल के संरक्षक व पूर्व निम्बावास सरपंच स्वर्गीय वरधाराम मेघवाल की चौथी पुण्यतिथि पर समाजबंधुओं ने दो मिनट का मौन रखकर एवं पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। मेघवाल समाज विकास एवं शिक्षा समिति जालोर के जिला उपाध्यक्ष एवं व्याख्याता मांगीलाल परमार ने उनको याद करते हुए कहा कि स्व. मेघवाल बहुजन समाज के मसीहा थे। इस अवसर पर स्व. मेघवाल की याद में छात्रावास प्रांगण में पौधारोपण करते हुए संरक्षण की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर मेघवाल समाज विकास एवं शिक्षा समिति के सचिव हरचंदराम बोस, प्रधानाचार्य सवाराम वाणीका, प्रधानाध्यापक ताराराम भाटी, वरिष्ठ भाजपा नेता ठाकराराम मेघवाल, छात्रावास सचिव कालाराम दादालियान, ठेकेदार बाबूलाल निम्बोडा, मोड़ाराम मिस्त्री, शान्तिलाल परमार, भीखाराम भाटी, हितेश परमार, संजय परमार सहित कई समाज बंधु उपस्थित थे।

शनि अमावस्या पर दक्षिण मुखी बालाजी हाथोज धाम में किया गया तेल अभिषेक एवं भव्य श्रृंगार

जयपुर @ जागरूक जनता। शनि अमावस्या के शुभ अवसर पर दक्षिण मुखी बालाजी हाथोज धाम में किया गया तेल अभिषेक एवं भव्य श्रृंगार। शनि अमावस्या के शुभ अवसर पर दक्षिण मुखी बालाजी हाथोज धाम का तेल अभिषेक कर भव्य श्रृंगार किया गया। बालाजी महाराज के चमेली तेल एवं सिंदूर युक्त चोला चढ़ाकर रंग-बिरंगे वर्क चढ़ाकर बालाजी महाराज का भव्य श्रृंगार किया गया। स्वामी श्री बालमुकुंद आचार्य जी महाराज हाथोज धाम ने बताया कि शनि अमावस्या के पावन पर्व पर बालाजी महाराज का तेल अभिषेक किया गया एवं वाल्मीकि सुंदरकांड और शनि स्तोत्र के पाठ किए गए एवं ऋतु पुष्पों से बालाजी महाराज का श्रंगार कर महा आरती का आयोजन किया गया।

राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ (रेस्टा) का प्रतिनिधि मण्डल मिला शिक्षामंत्री

रेस्टा ने शिक्षामंत्री को सौंपा 5 सूत्री मांग पत्र

अनिवार्य विषय के व्याख्याता पद सृजित करने व वॉइस प्रिंसिपल के 50% पदों पर सीधी भर्ती करने की मांग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ, रेस्टा के प्रतिनिधि मण्डल प्रदेशाध्यक्ष भेरूराम चौधरी व मुख्य संरक्षक सुरेन्द्र सहारण व प्रदेश सभाध्यक्ष टोडाराम गोलिया के नेतृत्व में शिक्षामंत्री गोविंदसिंह डोटासरा से मिलकर 5 सूत्री मांगपत्र सौंपा। राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा के बाड़मेर जिलाध्यक्ष बसन्त कुमार जाणी ने बताया कि माननीय शिक्षामंत्री जी व मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुसार प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले इसी को यथार्थ व धरातल पर लागू करने हेतु सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अनिवार्य हिंदी एवं अंग्रेजी विषय व्याख्याता पद सृजन किया जाए व 50 प्रतिशत पदों पर डीपीसी इसी सत्र 2021-22 में की जाए। सीधी भर्ती पर अंतर मण्डल स्थानान्तरण होने से वरिष्ठता विलोपन नही हो (पुलिस विभाग व राजस्व विभाग में नए नियम 2017 में ही प्रतिस्थापित किये जा चुके है) उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य का पद 25व सीधी भर्ती से भरा जाए व नवसृजित उप प्रधानाचार्य के पदों पर 5 वर्ष का राजकीय अनुभव रखने वाले अध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता को शामिल करते हुए 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से भरे जाए। व्याख्याता पदोन्नति में स्नातक व अधिस्नातक में समान विषय के नियम को लागू होने से पहले योग्यता जुड़वा चुके वरिष्ठ अध्यापको को इसका फायदा दिया जाए।

वरिष्ठ अध्यापक सीधी भर्ती 2011 नियुक्ति वर्ष 2012-13 में दो विषयों सामाजिक विज्ञान व गणित वालों को एक ही भर्ती के अभ्यर्थी होते हुए 1 वेतन वृद्धि का नुक़सान उठाना पड़ रहा है माननीय न्यायालय के आदेश भी इसके पक्ष में दिया जा चुका है अतः इनको भी अन्य अभ्यर्थियों के साथ 1 वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाए । वरिष्ठ अध्यापक भर्ती 2016 व 2018 की वेटिंग लिस्ट निकालकर, तुरन्त नियुक्ति देने सहित संगठन का माँग पत्र सौंपा गया। शिक्षामन्त्री ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए माँगों पर विचार करते हुए छात्र हित मे निर्णय लेने की बात कही। प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेशाध्यक्ष भेरूराम चौधरी, प्रदेश संरक्षक सुरेन्द्र सहारण, प्रदेश सभाध्यक्ष टोडाराम गोलिया, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष कालेर, अवतार सिंह लहरी, राजेन्द्र सामोता, ललित चौधरी, शिवा कुमार धमेजा सहित प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने अपील खारिज की

हर्षवर्धन लोढ़ा एमपी बिड़ला समूह की कंपनियों के चेयरमैन पद पर बने रहेंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय ने बिरला परिवार के सदस्यों द्वारा दायर एक अपील को खारिज कर दिया और 22 अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें हर्षवर्धन लोढ़ा को सभी एमपी बिड़ला समूह की कंपनियों के चेयरमैन के रूप में बने रहने की अनुमति प्रदान की गई थी। फॉक्स एंड मंडल के पार्टनर देबांजन मंडल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने लोढ़ा के खिलाफ अदालत की अवमानना के आरोपों को खारिज कर दिया, जो चेयरमैन पद से इस्तीफा नहीं देने के लिए लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि फैसला न्यायपालिका में हमारे विश्वास की पुष्टि करता है क्योंकि हम एमपी बिरला समूह की कंपनियों के कामकाज को बाधित करने में बार-बार प्रयासों को बेअसर करना जारी रखे हुए हैं। बिरला परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में कपिल सिब्बल, पी चिदंबरम, केवी विश्वनाथन, जनक द्वारकादास और अखिल सिब्बल जैसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं की एक पूरी टीम को मैदान में उतारा था। अपील को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय को 31 मार्च 2022 तक एमपी बिरला समूह की कंपनियों में निदेशक के रूप में लोढ़ा के पद पर बने रहने सभी बकाया अपीलों और क्रॉस-अपील का निपटान करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने बिरला को निर्विवाद गवर्नेंस मानकों के साथ चार कंपनियों के संचालन को कमजोर करने के उनके निरंतर अभियान में एक और बुरी हार का सामना करना पड़ा। मंडल ने कहा कि इस तरह के प्रयास, यदि रोके नहीं गए, तो इन कंपनियों के शेयरधारकों सहित हजारों हितधारकों के हितों पर असर पड़ेगा।

ध्वज का अनावरण: विप्र फाउंडेशन के ध्वज का अनावरण, प्रथम ध्वज रणथंभौर में त्रिनेत्र गणेशजी को अर्पण

जयपुर @ जागरूक जनता। ब्राह्मण समाज के वैधिक संगठन विप्र फाउंडेशन का अपना ध्वज होगा। ध्वज का विधि विधान से रणथंभौर में त्रिनेत्र गणेशजी को अर्पण कर अनावरण किया गया। विप्र फाउंडेशन ने ध्वज अनावरण को देशभर में ध्वज उत्सव के रूप में मनाया। त्रिनेत्र गणेशजी को प्रथम अर्पण राजस्थान विप्र फाउंडेशन जोन-डी के प्रदेशाध्यक्ष वेदप्रकाश उपाध्याय व संगठन महामंत्री शांतनु पराशर ने किया। सोशल मीडिया के राष्ट्रीय प्रभारी माधव शर्मा, महिला प्रदेशाध्यक्ष विमला शर्मा, सवाईमाधोपुर महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशा शर्मा, जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, युवा अध्यक्ष आकाश भारद्वाज आदि पदाधिकारी मौजूद थे। कुसुमल रंग के बने विप्र फाउंडेशन के इस ध्वज के मध्य विप्र फाउंडेशन का लोगो "उन्नत समाज, समर्थ राष्ट्र" ध्येय वाक्य के साथ अंकित किया गया है। जयपुर में फाउंडेशन के जोन-1 प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल ने मोती डूंगरी मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की। संस्था के मुख्य संरक्षक व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस विधायक सत्यनारायण शर्मा ने छत्तीसगढ़ फाउंडेशन अध्यक्ष चरण शर्मा के साथ रायपुर में भगवान जगन्नाथ जी के समक्ष ध्वज वंदना की।

ANCHOR

धरना - प्रदर्शन

सरकार दलितों व जनता को सुरक्षा देने में विफल, मुख्यमंत्री आमजन का विश्वास खो चुके-भाजपा

भाजयुमो की युवा तरुणाई में धरना प्रदर्शन मैं आक्रोश दिखाया, सरकार की नाकामी पर लगाए नारे

महामहिम के नाम ज्ञापन देकर दलित वर्ग पर बढ़ रहे अत्याचार मामलों में संज्ञान लेने की मांग की

महेन्द्र गर्ग @ जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। भाजपा युवा मोर्चा के धरना प्रदर्शन में आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नारायण पुरोहित ने राजस्थान की कानून व्यवस्था और राज्य सरकार की नाकामी पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में दलित उत्पीड़न, अत्याचार, महिला दुष्कर्म व बच्चियों के साथ बलात्कार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं राज्य में अपराधियों व माफियाओं के हौसले बुलंद है जिसके कारण बेटियां असुरक्षित महसूस कर रही है वहीं अनुसूचित जाति- जनजाति वर्ग भी बढ़ते जुल्म के बीच शासन में सुनवाई नहीं होने से यह वर्ग भयभीत हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत आम जन का विश्वास खो चुके हैं।

मुख्यालय स्थित जिला कलेक्ट्रेट सिरोही पर मंगलवार को राजस्थान में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति पर बढ़ रहे अत्याचार पर पिछले दिनों झालावाड़ जिले में समुदाय विशेष के लोगों द्वारा कृष्णा बाल्मीकि की लाठी,भाला,सरियों से सरेआम हमला करके जघन्य हत्या की गई, इस प्रकार प्रदेश में जघन्य अपराधों में वृद्धि, लूट, भ्रष्टाचार में बेतहाशा बढ़ोतरी आदि आरोपों पर भाजयुमो के प्रदेश व्यापी धरना-प्रदर्शन के मौके पर बड़ी तादाद में जुटे भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार को ललकारते हुए एकदिवसीय आंदोलन के माध्यम से चेतावनी दी कि अगर प्रदेश के हालात आने वाले दिनों में नही सुधरे तो कार्यकर्ता आमजन के साथ सरकार के खिलाफ सड़को पर उतरेगा।

जिलाध्यक्ष पुरोहित ने आरोप लगाकर कहा कि मुख्यमंत्री अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हुए है। उन्होंने कहा कि बिगड़े हालातों में राज्य में गैंगरेप और बलात्कार पीड़ित महिलाओं के आंसू कांग्रेस सरकार से न्याय मांग रहे हैं। उन्होंने पुरजोर शब्दों में मांग की कि या तो वे कानून व्यवस्था की सुध ले या इस्तीफा दें। इसी प्रकार पूर्व राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने राज्य सरकार पर नाकामी का आरोप मढते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है और सरकार मस्त है देवासी ने स्थानीय निर्दलीय विधायक के बार बार कांग्रेस सरकार के गुणगान और मुख्यमंत्री गहलोत की शान में कसीदे गढ़ने के आरोप लगाकर कहा कि इन हरकतों को भी जनता भली-भांति समझ रही है।

प्रदर्शन के मौके पर रेवदर विधायक जगसीराम कोली ने गहलोत सरकार को घेरते हुए राज्य कांग्रेस सरकार को दो धड़ों मे बटी नजर आने का आरोप लगा निशाना साधा और कहा कि इन की आपसी खींचतान के कारण सारी प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है, विधायक ने प्रशासन पर भी शासन के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत को सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने का ध्यान है। पूर्व जिलाध्यक्ष लुंबाराम चौधरी ने कहा कि कांग्रेस शासन में दलित वर्ग पर बढ़ते अत्याचार की निर्मम घटनाएं लगातार सामने आ रही है यह शर्मनाक है और सरकार की नाकामी है।

धरना प्रदर्शन के संयोजक भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल माली ने भारी संख्या में उपस्थित युवा शक्ति को एकजुट होने का आह्वान करते हुए यह तो अभी अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है... का नारा बुलंद करके संबोधन में राज्य सरकार को तानाशाही बताकर कटघरे में खड़ा किया। माली ने गहलोत सरकार को चुनोती देते हुए कहा की सत्ता के दंभ में अहंकारी सरकार ने अगर इसी प्रकार अपनी जायज मांगों और न्याय की गुहार लगाने वालों का मुंह बंद करने की कोशिश की तो आंदोलन के माध्यम से ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने पिछले दिनों जयपुर कलेक्ट्रेट पर मोर्चा के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर की लाठी चार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की। इसी तरह जिला उपाध्यक्ष नारायण देवासी ने कहा कि सरकार की आपसी खींचतान के कारण प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है उन्होंने भी विधायक लोढा पर प्रशासनिक हस्तक्षेप करने और जिले में कानून व्यवस्था कमजोर होने की बात कही। भाजयुमो पूर्व जिलाध्यक्ष हेमंत पुरोहित ने राज्य सरकार की शह पर प्रदेश में शासन- प्रशासन के माध्यम से भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार होने और तस्करी व अवैध गतिविधियों में इनकी मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए। जिला महामंत्री जयसिंह राव ने भी गहलोत सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। नगर अध्यक्ष लोकेश खण्डेलवाल ने शासन के जरिए पुलिस प्रशासन का उपयोग सियासी षड्यंत्र में करने का आरोप लगाकर कहा कि यह इनका नैतिक पतन है, सरकार पर तानाशाही से जनता की आवाज दबाने की बात कही। इसी तरह पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश सगरवंशी, महिपाल चारण, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री श्रीमती रक्षा भंडारी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष गणपतसिंह राठौड़, मन की बात के संयोजक मांगूसिंह बावली, युवा सरपंच जितेंद्र चौधरी, भाजयुमो के भुवनेश राजपुरोहित आदि ने भी संबोधन में गहलोत सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। धरने के बाद सभी कार्यकर्ता स्वरूप विलास परिसर में पहुंचे जहां भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल को महामहिम के नाम ज्ञापन सौंपा।

इनकी रही उपस्थिति

धरना प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष दिलीपसिंह मांडाणी,श्रीमती दुर्गेश शर्मा, महामंत्री दुर्गाराम गरासिया, जिलामंत्री छगनलाल घांची, मंडल अध्यक्ष नारायणसिंह, महावीर यति, हिदाराम माली, गणपतलाल पुरोहित, लीलाराम प्रजापत, टेकचंद भंबानी, ओबीसी मोर्चा जिला ध्यक्ष पवन पटेल, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष मगनलाल मीणा, पूर्व चेयरमैन सुरेश थिंगर, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष गणपतसिंह रेवदर, प्रेमसिंह लोधा आबूरोड, नरपत चारण, लक्ष्मण कोली, अशोक मेवाड़ा, रवि शर्मा, आकाश माली, मुकेश राजपुरोहित, दमयंती डाबी, हेमलता पुरोहित, विजय गोठवाल, मीडिया प्रभारी चिराग रावल, नैनसिंह राजपुरोहित, पार्षद मणिदेवी माली, गोविंद माली, गीता पुरोहित, दर्शना देसाई, अंशु वशिष्ठ, रेनू वर्मा, अशोक पुरोहित, प्रकाश पटेल, राहुल रावल, शैलेश चौधरी, अनिल प्रजापत, विक्र मसिंह, हार्दिक देवासी, फूलाराम, कुलदीपसिंह, प्रेमसिंह चारण, भानुप्रतापसिंह, दिलीपसिंह, वीरेंद्र चौहान, जितेंद्र गर्ग, भरत मालवीय, अजय भट्ट,रणछोड़ पुरोहित, ललित प्रजापत, कपूराराम पटेल, सिद्धार्थ देवासी, भरत माली, बाबूसिंह मकरोड़ा, नितिन रावल,भवर माली, आनंद वाघेला, विशाल वाघेला, मनीष वाघेला, कुणाल, मनीष माली, नरेंद्र माली, मुकेश प्रजापत, बंटी प्रजापत, हिम्मतसिंह, इंदरसिंह, सुनील गुप्ता, पुष्कर पटेल, विकास प्रजापत, करण प्रजापत, भावेश कुमार आदि बड़ी तादाद में कार्यकर्ता मौजूद थे।

महामहिम से ज्ञापन में यह की मांग

भाजयुमो की तरह से दिए गए ज्ञापन में प्रदेश में अनुसूचित जाति जनजाति पर बढ़ रहे अत्याचार पर तत्काल संज्ञान में लेकर राज्य में कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने तथा जनता में विश्वास का राज स्थापित करने के लिए कहा गया, लिखा कि कृष्णा बाल्मीकि के मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो और परिवारजन को एक करोड़ का मुआवजा राशि और परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

जागरूक खबरें

युवाओं को रक्तदान जैसे कार्यों में देना चाहिए बढ़-चढ़कर सहयोग - भीम पटेल

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 51 युनिट रक्त हुआ एकत्रित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम गोरधनपुरा चौकी में राजनौता रोड़ पर स्थित मेडीसना अस्पताल में युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल के मुख्य आतिथ्य में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। अस्पताल के निदेशक व शिविर संयोजक डॉ.जितेन्द्र सिंह राजपूत की अगुवाई में लगाये गये शिविर में कुल 51 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। मुख्य अतिथि भीम पटेल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवा वर्ग को ज्यादा से ज्यादा रक्तदान जैसे कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिये।विशेषकर महामारी के इस दौर में तो ज्यादा योगदान दिया जाना चाहिए जब देश को रक्त की अधिक जरूरत है। वहीं पटेल ने रक्तदाताओं को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान डॉ. धर्मपाल कुमावत,अमरसिंह,दीपक तंवर,चन्द्रजीत योगी, दीपक मेघवाल, प्रकाश यादव,सतवीर कुमावत, कोमल शेखावत, मुनेश, सुन्दर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

योगेश कुमार आर्य की पदोन्नति पर एसडीएम सुनीता मीना एवं तहसीलदार शर्मा ने दी शुभकामनायें

कोटपूतली @ जागरूक जनता। स्थानीय तहसील कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी योगेश कुमार आर्य को पदोन्नत होकर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी बनाये जाने पर एसडीएम सुनीता मीणा एवं तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि वे वर्ष 1991 से ही राजस्व,उपकोष व उपखण्ड कार्यालय में अपनी सेवायें दे रहे हैं।आर्य ने इस मुकाम तक पहुंचने का श्रेय अपने माता पिता एवं गुरुजनों के आशीर्वाद को दिया है।इस मौके पर नायब तहसीलदार ओमप्रकाश रैगर, मदन वर्मा,कैलाश चंद गुर्जर,कृष्ण स्वरूप,रामकिशन बलाई,मनोज यादव, ज्ञान चंद,बलवीर सोनी, सत्यवीर मुक्कड़ एवं ओमप्रकाश चनेजा ने भी आर्य को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

एबीवीपी के 73वें स्थापना दिवस पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

चिकित्सकों ने 83 लोगों की जांच कर उन्हें दिया परामर्श

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के नागाजी की गौर स्थित भोमिया जी के मंदिर पर एबीवीपी के 73 वें स्थापना दिवस पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में चिकित्सकों ने 83 लोगों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया। नगर मंत्री सुनील सैनी ने अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए बताया कि एबीवीपी अपने 73 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। जिसको लेकर देश भर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।आज एबीवीपी एक छात्र संगठन से विचारधारा बन चुका है। जिसका लक्ष्य सुसंस्कारित छात्र शक्ति से राष्ट्र का पुनर्निर्माण करना एवं आदर्श समाज का निर्माण करना है। जिसका माध्यम शिक्षा एवं आज का विद्यार्थी है। इस दौरान नगर अध्यक्ष राजेश चौधरी, जिला संयोजक भीम सिंह पायला,मोनू स्वामी,सह नगर मंत्री नरेन्द्र लादी, इन्द्र प्रकाश ठाकुर, मधुर गोयल,योगेश मीणा,बलवीर सैनी,अनमोल गोयल, अश्वनी सैनी, राहुल शर्मा,शिवम सक्सेना सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा नगर मण्डल की बैठक आयोजित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। स्थानीय भाजपा नगर मण्डल कार्यालय पर मण्डल कार्यकर्ताओं की बैठक अध्यक्ष गोपाल मोरीजावाला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें जिला उपाध्यक्ष जगदीश नोनपुरा ने संगठनात्मक चर्चा करते हुए कहा कि नगर मण्डल की संरचना में शक्ति केन्द्र प्रमुख,शक्ति केन्द्र प्रभारी,बूथ अध्यक्षों की नियुक्ति का भौतिक सत्यापन कर संगठन में कार्यों को सूचारू रूप से करने की बात कही। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि बैठक में जिला मंत्री रविन्द्र सिंह शेखावत, बाबूलाल खटाणा,ललित गोयल, हेमराज गुर्जर, कमलेश प्रजापत, जितेन्द्र सिंह शेखावत,एडवोकेट देवेन्द्र कुमार आर्य, संजय टेलर,सतीश सैनी, रिंकू सैनी, सुरेश चौधरी,कपिल शर्मा, दयाराम कुमावत, खेताराम सैनी, अशोक नरूका,रवि यादव आदि मौजूद रहे।

विराज फाउंडेशन के द्वारा पेड़ लगाकर दिलाया सेवा का सकल्प

चौमू @ जागरूक जनता। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत ग्राम पंचायत मोरीजा स्थित रावला चौक के सीताराम जी के मंदिर में उपसरपंच सुदर्शन शर्मा के आतिथ्य में प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के नेतृत्व में फलदार फूलदार एवं छायादार 11 पेड़ लगाकर सेवा का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान प्रदेश महासचिव (आयुष प्रकोष्ठ) डॉ पवन कुमार तिवाडी ने बताया की एक पेड़ सौ पुत्रों के समान होता है जिस प्रकार कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में ऑक्सीजन की कमी होने से कई परिवारों ने अपने लोगों को खोया है इसी वैश्विक महामारी को देखते हुए हर व्यक्ति को पेड़ जरूर लगाना चाहिए जिससे कि प्रकृति को बचाकर हम आने वाली पीढ़ियों को संरक्षित कर सके। पेड़ लगाकर उनका संरक्षण करना हर व्यक्ति का परम कर्तव्य है व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम 11 पेड़ जरूर लगाने चाहिए इस दौरान युवा नेता अनुज आत्रेय, नरोत्तम शर्मा, बसंत लालानी, बजरंग अग्रवाल, नागर पारीक, रविंद्र जोशी, दीपक सैन, करण सैन आदि लोग उपस्थित थे

राजस्थान में घायलों को मुफ्त इलाज

सरकारी अस्पतालों में न आईडी दिखानी होगी और न ही किसी से कोई पैसा लिया जाएगा, प्राइवेट हॉस्पिटल फिलहाल इस नियम के दायरे से बाहर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एक्सीडेंट में घायल होने वाले लोगों का अब राजस्थान के सभी सरकारी हॉस्पिटल में मुफ्त इलाज होगा। घायल व्यक्ति के परिजन या उसे वहां तक लाने वाले व्यक्ति से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं वसूला जाएगा। सरकार की इस सुविधा के दायरे में राज्य के साथ-साथ दूसरे राज्य के व्यक्ति भी आएंगे। यह सुविधा राज्य के सभी सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट हॉस्पिटल में भी शुरू करनी थी। फिलहाल इसे केवल सरकारी हॉस्पिटल में ही शुरू किया गया है।

खर्च के कारण नहीं मिलती मदद

अक्सर राज्य के बाहर से आए व्यक्ति के एक्सीडेंट के मामले में घायल की पहचान नहीं होने और पुलिस की कार्रवाई नहीं होने तक हॉस्पिटल स्टाफ इलाज करने में आनाकानी करते हैं। इसके अलावा, कई बार लोग इसलिए भी घायलों की मदद को आगे नहीं आते, कि हॉस्पिटल वाले पहले ही पैसे मांगते हैं। समय से इलाज नहीं मिलने पर जान चली जाती है। इन सबको देखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस साल बजट भाषण में घोषणा की थी। घोषणा के मुताबिक राज्य में सड़क दुर्घटना में घायल तमाम व्यक्तियों का बिना किसी पहचान और पात्रता पूछे चाहे वह किसी भी राज्य का हो उसका इलाज राज्य के प्राइवेट और सरकारी हॉस्पिटल में मुफ्त किया जाएगा।

प्राइवेट हॉस्पिटल का प्रस्ताव फाइनेंस में जाएगा

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सूत्रों के मुताबिक, प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों को कितना पैसा देना है और कैसे देना है, इसको लेकर नीति तैयार की जा रही है। इसके लिए अलग से बजट का प्रावधान किया जाएगा। इसलिए इस प्रस्ताव को बनाकर मंजूरी के लिए वित्त विभाग को भेजा जाएगा। वहां से मंजूरी आने के बाद ही प्राइवेट हॉस्पिटल में ये सुविधा शुरू की जाएगी।

चिरंजीवी योजना में होंगे कवर

सूत्रों की मानें तो राज्य के जो निवासी हैं, उनको चिरंजीवी योजना के तहत प्राइवेट हॉस्पिटल में इंश्योरेंस के दायरे में लाकर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि राज्य के बाहर वाले व्यक्तियों के लिए क्या प्रावधान करने हैं, इसको लेकर अभी विचार किया जा रहा है। संभावना है कि इन लोगों के लिए भी इंश्योरेंस की ही कोई नई पॉलिसी अपनाई जाएगी। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्तियों को निजी अस्पतालों में इलाज मिल सके।

मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

हथकरघा निगम में छह माह का वेतन बकाया, सरकार देगी 50 लाख का ऋण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना काल में आर्थिक तंगी में फंसे राजस्थान हथकरघा निगम को घाटे से उबारने के लिए सरकार राज्य नवीनीकरण कोष से 50 लाख रुपए का ऋण देगी। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने हथकरघा निगम की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं। आर्य ने कहा कि तकनीकी क्षमता नहीं रखने वाले निगम के कार्मिकों को प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाएगा। निगम अनावश्यक और संस्थापन व्यय को सीमित करेगा। व्यवसाय को बढ़ाने के लिए निगम में पेशेवर सलाहकार नियुक्त किया जाएगा। बैठक में उद्योग सचिव आशुतोष एटी पेडणेकर ने बताया कि कोविड के कारण निगम आय नगण्य रह गई है। कार्मिकों के 6 माह के वेतन भत्ते व आवश्यक भुगतान बकाया हो गए हैं। वर्तमान में निगम में कुल 33 कार्मिक है जिनमें से 19 कार्मिकों को अन्य विभाग में डेपुटेशन पर भेजा जा चुका है अब निगम में कुल 14 कार्मिक ही कार्यरत है एवं निगम में ई-मार्केटिंग भी की जा रही है। बैठक में प्रमुख वित्त सचिव अखिल अरोरा, उद्योग विभाग की संयुक्त सचिव कीर्ति जैन और उद्योग एवं राजकीय उपक्रम विभाग की सलाहकार प्रमिला भंसाली भी मौजूद रही।

राज्यमंत्री ने ग्राम चुरी व गोनेड़ा में शिक्षा विभाग के कोरोना योद्धाओं को किया सम्मानित

शिक्षा विभाग कार्मिकों ने दिया अपना योगदान -राज्यमंत्री यादव

किसी भी कार्मिक ने कोरोना के दौरान लगाई गई ड्युटी से हटाने के लिए नहीं कहा,यह गौरव की बात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। क्षेत्रीय विधायक एवं स्टेट मोटर गैराज राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव द्वारा कस्बे के निकटवर्ती ग्राम चुरी व गोनेड़ा में शिक्षा विभाग के कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया गया।ग्राम चुरी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री यादव ने कहा कि कोरोना से जंग के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हमेशा कोटपूतली की माँगों को प्राथमिकता दी है।साथ ही यहाँ के शिक्षा विभाग के कार्मिकों ने भी स्वयं के प्रोत्साहन से आगे आकर महामारी पर नियंत्रण में अपना योगदान प्रदान किया है।आम तौर पर शिक्षा विभाग के कार्मिक चुनावों या अन्य किसी कार्य में लगी ड्युटी हटवाने का निवेदन करते देखे गए हैं लेकिन कोरोना से मानवता की इस जंग में किसी भी कार्मिक ने अपनी लगाई गई ड्युटी से हटवाने की बात नहीं की है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। शिक्षा विभाग के कोरोना वॉरियर्स का सहयोग अविस्मरणीय है।

यह हम सबकी एकजुटता व संवेदनशीलता को दर्शाता है।वहीं राज्यमंत्री यादव ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सहयोग व एकजुटता से ही हम सबसे पहले जिले भर में कोरोना जैसी खतरनाक महामारी पर नियंत्रण कर पाये हैं।राज्य सरकार द्वारा मेडीकल किट वितरण की योजना शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर ही शिक्षा विभाग के कार्मिकों की वजह से क्षेत्र में 14 हजार मेडीकल किटों का वितरण हो सका।राज्यमंत्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान भी कोरोना से निपटने में अव्वल है।कोटपूतली से शुरू होकर मेरा गाँव-मेरी जिम्मेदारी अभियान पूरे प्रदेश में पहुँचा यह हम सबके लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने बतौर राजकीय योजना इसे प्रदेश भर में लागु किया।इस मौके पर उन्होंने चुरी नोडल के अधीन आने वाले शिक्षा विभाग के 207 कार्मिकों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।राज्यमंत्री यादव ने राजकीय विद्यालय में भामाशाह जयन्त यादव द्वारा निर्मित माँ सरस्वती की मूर्ति व मंदिर का भी विधि-विधान से अनावरण किया।वहीं विद्यालय में विज्ञान संकाय खुलवाने की घोषणा भी की।साथ ही राजकीय विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच अर्जुन लाल ने की।संस्था प्रधान रामकिशन यादव ने आभार व्यक्त किया।

अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष छीत्तरमल सैनी, सीबीईओ अनिल यादव, एसीबीईओ दयाराम चौरडिया, आरपी राजेन्द्र सैनी, कल्याणपुरा सरपंच प्रतिनिधि विक्रम छावड़ी, कबुल चंद यादव, विक्रम लीडर, सतीश छावड़ी, डॉ. आर.पी.यादव, राजेश यादव,बनेठी सरपंच प्रतिनिधि देवीसिंह, कंवरपुरा सरपंच प्रतिनिधि धर्मवीर डीलर, भोमसिंह तंवर, सांवतराम सहित अन्य मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन कैलाश चंद ने किया।इसी प्रकार ग्राम गोनेड़ा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में भी शिक्षा विभाग के कार्मिकों को भी प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए बतौर कोरोना योद्धा सम्मान से सम्मानित किया।राज्यमंत्री यादव ने कहा कि शिक्षा विभाग के कार्मिकों ने बिना किसी लाग लपेट के अपना सहयोग प्रदान किया है।कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच एडवोकेट देवेन्द्र रावत ने की। इस दौरान युवा रेवॉल्युशन अध्यक्ष एडवोकेट मनोज चौधरी,देवता सरपंच रामनरेन्द्र शर्मा, पवन गुर्जर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरूआत में माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया।इस दौरान ग्रामीणों ने राज्यमंत्री यादव को फूल माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया।

राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर के पदाधिकारियों को भी किया गया सम्मानित

इस मौके पर राज्यमंत्री ने राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर ब्लॉक कोटपूतली के पदाधिकारियों को कोरोना काल में समर्पण भाव से जन सेवा करने एवं मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1 लाख 11 हजार रूपयों की राशि भेंट करने पर उपशाखा के पूर्व अध्यक्ष श्रीराम लहकरा को माला व साफा पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।इस दौरान शार्दुल सिंह यादव, पुष्करमल रावत,सुरेन्द्र सिंह, रामकुमार कटारिया एवं जयचंद लहकरा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर धारा 144 लागू

श्रीगंगानगर @ जागरूक जनता। भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा से दो किलोमीटर पट्टी में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गए हैं। जिला कलेक्टर जाकिर हुसैन ने श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, रायसिंहनगर, अनूपगढ़ व घडसाना से लगती भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा से दो किलोमीटर पट्टी में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार शाम सात बजे से सुबह छह बजे तक इस क्षेत्र में कोई व्यक्ति आवागमन नहीं कर सकेगा।

किस्सा कहानियों का

नविता मिश्रा
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

शिवाजी महाराज के लिए उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा स्रोत उनकी मां जीजाबाई थी ,क्योंकि शाहजी राजे हमेशा युद्ध और अपनी रणनीतियों में व्यस्त रहते थे।अपने बेटे शिवाजी और पत्नी जीजाबाई को पुणे के शिवनेरी किले में छोड़कर महीनों घर से दूर रहते और शिवबा अपनी मां के सानिध्य में अपना बचपन प्रेरक कहानियों के साथ बिताते थे । वह प्रेरक कहानियां ही थी जिसने शिवबा को छत्रपति शिवाजी राजे बना दिया। कहानियों में बहुत ताकत होती है प्रेरणा देने ,की कल्पना शक्ति बढ़ाने की, कौशल बढ़ाने की और इलाज करने की। कुछ तथ्यों के अनुसार 19वीं सदी में गद्य में एक नई विधा का विकास हुआ जिसका नामकरण कहानी के रूप में हुआ ।मनुष्य के जन्म के साथ उसकी कहानी शुरू होती है।कहानी सुनना मानव का स्वभाव है ।कहानी किसी सच्ची या काल्पनिक घटना का उस तरह का वर्णन है जिसे सुनकर कुछ सुनने वाला उससे कुछ सीखता है।कहानी के कुछ संभावित रूप इस प्रकार हैं उपन्यास, कविता, नाटक, चलचित्र, संस्मरण आदि।

जेपी चौकसे जी के लेख में एक कहानी प्रकाशित हुई थी जो इस प्रकार है ।एक विक्षिप्त बुद्धि का शहंशाह था जो विवाह करके उसी रात अपनी मल्लिका की हत्या कर देता।इस तरह उसने कई रानियों की हत्या कर दी एक बार उसका विवाह बहुत ही चतुर स्त्री के साथ हुआ उस मलिका ने विवाह की रात शहंशाह को एक कहानी सुनाई ।वह कहानी अगले दिन सुबह तक चली , और इसी तरह उस मलिका ने उस शहंशाह को 1 हजार कहानियां सुना दी। शहंशाह की विक्षिप्त बुद्धि उन कहानियों के माध्यम से ठीक हो गई और इन 1000 कहानियों का संग्रह कहलाया ÷अलिफ लैला÷। धीरे-धीरे प्रचलन कम होता जा रहा है कहानियां सुनने और कहने का । पहले बच्चे अपनी दादी- नानी के पास बैठते तो कहानियों की पोटली से कुछ कहानी सुनने को मिल जाती थी।हमें हमारी दादी मां के मुंबई में घर आने के उत्साह का कारण एक यह भी था कि दादी मां अपने संग कहानियों का पिटारा भी लाती थी।दादाजी भारत के स्वतंत्रता की कहानियां सुनाते तो दादी मां अध्यात्म से जुड़ी शिक्षाप्रद कहानियां सुनाती। नानी की पोटली में चुटकुले वाली कहानियां हुआ करती थी।कई बार कहानी किताबों के माध्यम से हम तक पहुंचती ।कहीं ना कहीं वह कहानियां ही थी जो पिछली पीढ़ी के बच्चों को मानसिक रोगों से दूर रखती।

आज जब बच्चे माता-पिता या घर के सदस्य तक पहुंचने की कोशिश करते हैं और उनकी व्यवस्था में बाधा डालते हैं तो उन्हें मोबाइल दे दिया जाता है जिसमें वह पब्जी ,फ्री फायर इत्यादि आक्रामक खेल खेलते हैं। तो मानसिकता पर कहीं ना कहीं असर तो होगा ही। अब कहानियां सुनना - सुनाना लुप्त सा होता जा रहा है।यह कुछ ऐसा है कि हमारी संस्कृति के की किताब के कुछ पन्ने हटने लगे हो ।आइए उन पन्नों को फिर उस पुरानी किताब में चिपकाए और हमारे भविष्य को फिर कहानियों के किस्से सुनाए।

(ये लेखक के अपने विचार है)

भगत की कोठी-तिरूच्चिराप्पल्लि साप्ताहिक हमसफर सुपरफास्ट शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। उत्तर पश्चिम रेलवे रेल यात्रियों की सुविधा के लिए भगत की कोठी-तिरूच्चिराप्पल्लि-भगत की कोठी साप्ताहिक हमसफर सुपरफास्ट स्पेशल शुरू कर रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 04815 भगत की कोठी-तिरूच्चिराप्पल्लि हमसफर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 21 जुलाई से आगामी आदेशों तक भगत की कोठी से बुधवार को शाम 4.10 बजे रवाना होकर रात 9.30 बजे जयपुर होते हुए तीसरे दिन शाम 4.00 बजे तिरूच्चिराप्पल्लि पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04816 तिरूच्चिराप्पल्लि-भगत की कोठी हमसफर सुपरफास्ट स्पेशल 24 जुलाई से आगामी आदेशों तक तिरूच्चिराप्पल्लि से प्रत्येक शनिवार को सुबह 7.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन रात 1.35 बजे जयपुर होते हुए सुबह 7.45 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 04737 भिवानी-तिलकब्रिज प्रतिदिन एक्सप्रेस स्पेशल 16 जुलाई से अगामी आदेशों तक भिवानी से सुबह 5.00 बजे रवाना होकर सुबह 8.41 बजे तिलकब्रिज पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04738, तिलकब्रिज-भिवानी प्रतिदिन एक्सप्रेस स्पेशल आगामी आदेशों तक तिलकब्रिज से शाम 6.35 बजे रवाना होकर रात 10.30 बजे भिवानी पहुंचेगी।

महिलाओं सहित ग्रामीणों ने उपखण्ड कार्यालय पर दिया सांकेतिक धरना

शुक्लावास ग्राम पंचायत क्षेत्र में हो रहे खनन एवं अवैध ब्लास्टिंग पर कार्यवाही की माँग

सरपंच सचिन यादव के नेतृत्व में एसडीएम सुनीता मीणा को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की माँग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत शुक्लावास क्षेत्र में बड़े स्तर पर हो रहे खनन एवं अवैध ब्लास्टिंग से ग्रामीणों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत क्षेत्र में अवैध खनन व ब्लास्टिंग रूकवाये जाने की माँग को लेकर बड़ी संख्या में महिलाओं सहित ग्रामीणों ने उपखण्ड कार्यालय पर सांकेतिक धरना देकर कार्यवाही की माँग की।इस दौरान ग्रामीण महिलाओं का कहना था कि अवैध खनन एवं ब्लास्टिंग से पर्यावरण व लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रतिदिन होने वाली ब्लास्टिंग से हमेशा कंपन बना रहता है।मकानों में दरारें आ रही हैं।जिससे उनके गिरने की सम्भावना व जानमाल की हानि का अंदेशा भी बना रहता है।इसको लेकर सरपंच सचिन यादव की अगुवाई में ग्रामीणों ने एसडीएम सुनीता मीणा को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में लिखा है कि पूर्व में भी इस विषय में ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की माँग की थी।विगत 10 जुलाई को दोपहर हुई ब्लास्टिंग में लक्ष्मी देवी पत्नी बुधराम के मकान की पट्टीयां टुट गई।जिससे पीड़ित परिवार की जान जाते-जाते बची है।ज्ञापन में उचित कार्यवाही की माँग की गई है। वहीं एसडीएम सुनीता मीणा ने ग्रामीण महिलाओं की मांग सुनते हुए उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया है।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान समाजसेवी राधेश्याम शुक्लावास सहित ग्रामीण एवं महिलाएं मौजूद रही।

कसूर क्या मेरा

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
कविता
योगेन्द्र कुमार

तू जग का पालनहार है तो बता कसूर
क्या मेरा? जन्म मुझे देने वाला कर रहा
कत्ल क्यूं मेरा?
1.माता पिता के प्रेम की क्या मैं नहीं
निशानी? क्या दोनों ने रची ना मिलकर
मेरी जन्म कहानी?फिर क्यूँ जन्म न
देता मुझको करता पाप घनेरा?
जन्म..
2. दुनिया में ना आई सूनी होगी कोई
कलाई, रक्षा बंधन पर देखेगा किसका
रस्ता भाई, क्रम विकास रुक जयेगा, ग़र
हो सहयोग ना मेरा। जन्म..
3. मैं शक्ति स्वरूपा, लक्ष्मी रूपा, विद्या
दायिनी माता
करती हूं, उपकार मैं उसपर शरण मेरी जो
आता, पर अस्तित्व मिटा रहा मानव
धरती से मेरा। जन्म
4. झांसी रानी बनकर मैंने गोरों को
ललकारा, इंद्रा गांधी बन मुजीब का मैं
ही बनी सहारा, मदर टेरेसा, लता,
कल्पना, रज़िया नाम है मेरा। जन्म..
5. जिस घर कन्या भ्रूण की कोख में
हत्या होवे, दफ़ा 302 में दण्डित घर
वाले सब होवें, सहयोगी पापी डॉक्टर का
उठ जाए जग से डेरा। जन्म..
6. सुना है मैंने सब दानों में बड़ा है
कन्यादान, ऋषि, मुनि, ज्ञानी जन कहते,
कहते वेद पुराण
कन्यादान किये बिन 'योगी' मिटे ना
जग का फेरा। जन्म..
(लेखक, रिटायर्ड प्रिंसीपल योग प्रशिक्षक
भीलवाड़ा से है)

जागरूक खबरें

मोरीजा संस्कृत विद्यालय में मनाया गया पाटोत्सव

चौमूं @ जागरूक जनता। राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय मोरीजा में आज मां सरस्वती के पांचवे पाटोत्सव का कार्यक्रम किया गया। मंदिर निर्माण कर्ता श्री ताराचंद जांगिड़ के परिवार से आलोक जांगिड़ प्र अ सुरेश कुमार गुप्ता के सानिध्य में बनवारी लाल शर्मा ने मंत्रोचार के द्वारा मां शारदा की पूजा अर्चना, श्रृंगार कर भोग लगाया। इससे पूर्व शाला परिसर में एक पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया गया। कोरोना काल को देखते हुए बच्चों की अनुपस्थिति में साधारण कार्यक्रम किया गया। विराज फाउंडेशन के अध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, वैध पवन कुमार तिवाड़ी, अशोक शर्मा, मोहन लाल जाट, राम शंकर छीपा, कैलाश कुमावत, सुनीता सोनी ने माता के दरबार मे पूजा करके प्रसाद प्राप्त किया। अंजनी कुमार ने बताया की इस शाला मे भामाशाह एवं सहयोग कर्ताओ का हमेशा और हर कार्य में सहयोग मिलता रहता है। आलोक जांगिड़ ने शाला परिसर मे बच्चों की अनुपस्थित मे भी फल फूल रहें पेड़ पौधों की देखरेख करने पर स्टॉफ साथियो को साधुवाद दिया।

जलदाय विभाग के पास खाली पडी भूमि पर उपकोष कार्यालय खोलने का कांग्रेस पार्षद ने किया एतराज

चौमूं @ जागरूक जनता। उपकोष कार्यालय के लिए शहर में जमीन की तलाश की जा रही है।नगर पालिका बोर्ड बैठक में जलदाय विभाग के पास खाली पड़ी भूमि पर कार्यालय बनाने का प्रस्ताव लिया गया है।इस प्रस्ताव पर कांग्रेस पार्षद कुसुम भातरा ने एतराज जताया है। पार्षद ने नगर पालिका श्वह व चैयरमैन को पत्र लिखकर अपना एतराज जताया है। पार्षद ने पत्र में लिखा है कि जलदाय विभाग की भूमि किसी अन्य विभाग को नहीं दी जाए। पूर्व में भी भाजपा सरकार ने कड़े विरोध के बावजूद जलदाय विभाग की जमीन पर सुलभ कांपलेक्स बना दिया था।आने वाले समय में ईसरदा बांध और बिसलपुर से आने वाले पानी के लिए यह जमीन काम आएगी। आपको बता दें कि चोमू नगरपालिका में कांग्रेस का ही बोर्ड है।

वृक्षारोपण कर सादगी से मनाया अपना जन्मदिन, बच्चों को पारितोषिक वितरण

चौमूं @ जागरूक जनता। शिक्षाविद एवं mjf ग्रुप के चेयरपर्सन कैलाश राज सैनी जी के जन्मदिन के अवसर पर श्री वीर हनुमान मार्ग पर द्वद्वद्ध हॉस्पिटल परिसर मे श्री हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना कर और अपने पिता संत सुवालाल तंवर का आशीर्वाद लिया तथा इसके पश्चात वृक्षारोपण कर अपना जन्म दिन मनाया। इस दौरान कैलाश राज सैनी ने गौरव नर्सिंग के विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरण कर सम्मान किया। इस दौरान B.Ad कॉलेज व नुसिंह कॉलेज के विद्यार्थियों और स्टाफ के द्वारा कैलाश राज सैनी जी के जन्मदिन के अवसर पर विद्यार्थियों व स्टाफ के द्वारा केक कटवाया गया तथा कॉलेज परिसर में जगह-जगह पौधे लगाए । इस दौरान विद्यार्थियों ने फूलों का गुलदस्ता देकर श्री कैलाश राज सैनी को जन्मदिन की बधाई भी दी। वही कोरोना गाइडलाइन की पालना करते हुए अपना जन्मदिन सादगी के साथ मनाया।

गरीब बच्चों को फल फरूट बांट कर सादगी पूर्ण तरीके से मनाया जन्मदिन

चौमूं @ जागरूक जनता। आम आदमी पार्टी विधानसभा क्षेत्र चोमू के पूर्व विधायक प्रत्याशी रहे एडवोकेट पवन कुमार प्रजापति ने तय कार्यक्र म के अनुसार अपना जन्मदिन सादगी पूर्ण तरीके से सभी क्षेत्रवासियों का आशीर्वाद लेकर मनाया आज मंगलवार के दिन सर्वप्रथम सामोद वाले वीर हनुमान जी के आशीर्वाद लेकर कार्यक्रम की शुरुआत की उसके पश्चात अंजनी हनुमान मंदिर हाड़ोता में पहुंचकर आशीर्वाद लिया वहीं पर गौ माता की सेवा के लिए गायों को हरा चारा डाला तत्पश्चात विश्वव्यापी कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए आज तहसील परिसर में सभी न्यायिक अधिकारियों को सैनिटाइज व 95 मास्क वितरित किए गए बार एसोसिएशन चोमू में सभी अधिवक्ता गण व उपस्थित पक्षकारों को मास्क वितरित किए गए ताकि कोरोना महामारी से बचाव किया जा सके उसके बाद गरीब व असहाय लोगों के बच्चों बच्चियों को फल वितरित किया गया इसके पश्चात तहसील परिसर चोमू में सभी अधिवक्ताओं ने एक साथ मिलकर के जन्म की शुभकामनाएं दी उन सब का आज आशीर्वाद लेकर के सभी इष्ट मित्रों का वआम आदमी पार्टी विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं का तहे दिल से आभार व्यक्त किया तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

निबंध प्रतियोगिता आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। श्री सांवलिया जी राजकीय महाविद्यालय मंडफिया के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर परजनसंख्या वृद्धि और सतत विकास विषय पर वर्चुअल मोड पर निबंध प्रतियोगिता प्राचार्य डॉ. एस.एल. खटीक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थी सुश्री सीमा रेगर का सर्वश्रेष्ठ स्थान रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्र म अधिकारी डॉ. महादेव सिंह ने किया।

समस्या नहीं समस्या का समाधान बने युवा-सुराणा

चौमू। वर्तमान समय में युवा सकारात्मक दृष्टिकोण को लेकर आगे बढ़े एवं समस्या नहीं वरन समस्या का समाधान बनें। यह बात नेहरू युवा केंद्र सिरोही के नव चयनित राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवकों के साथ संवाद करते हुए माउंट आबू स्थित स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र पर आईएएस अभिषेक सुराणा उपखंड अधिकारी माउंट आबू ने कही। जिला युवा अधिकारी मोहित कुमार ने नेहरू युवा केंद्र द्वारा कोरोना काल मे संपादित गतिविधियों के बारे में अवगत कराते हुए आगामी कार्य योजना के बारे में बताया। सदस्य, शासी निकाय, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राजेंद्र सैन ने आगामी समय में आने वाली चुनौतियों के लिए स्वयं सेवकों को कुशलता के साथ तत्पर रहने हेतु प्रेरित किया। इससे पूर्व स्काउट गाइड सी.ओ. जितेंद्र सिंह भाटी ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने कार्यक्षेत्र में आ रही विभिन्न बाधाओं एवं चुनौतियों के विषय में अपने विचार साझा किए। युवा टीम स्वाभिमान जयपुर ग्रामीण के यादराम सैनी, अविनाश आर्य सहित सिरोही जिले के विभिन्न ब्लॉकों के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति

वास्तविक पट्टाधारियों की करें पहचान-आंजना

गोदाम एवं सौर ऊर्जा संयंत्र की गुणवता में प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी तय की जाए

स्टेट क्रेडिट को.ऑपरेटिव सोसायटियों की ऑडिट विभागीय ऑडिट निरीक्षक करेगा

ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के लिए हिस्सा राशि 5 लाख रुपए ही रहेगी

डेयरी के 503 पदों पर परीक्षा एक माह में होगी आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति के वास्तविक पट्टाधारियों की पहचान कर पट्टा देने की प्रक्रिया पूरी की जाए। साथ ही जांच से संबंधित जो भी कार्यवाही लंबित है, उसे समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। मंगलवार को पंत कृषि भवन में मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति एवं मुख्यमंत्री बजट घोषणा से संबंधित बिन्दुओं पर विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में उनका कहना था कि इस विषय पर प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास की अध्यक्षता में पूर्व में गठित समिति को भी एक्टिव किया जाए। उन्होंने कहा कि नई गठित होने वाली दो हजार नई ग्राम सेवा सहकारी समितियों के लिए हिस्सा राशि में कोई परिवर्तन नही किया गया है। उन्होंने कहा कि पांच लाख रुपए की हिस्सा राशि समिति के विकास के लिए जरूरी है।

वहीं सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल ने बताया कि 400 से अधिक नई ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। 466 सहकारी समितियों को सौर ऊर्जा संयंत्र से जोडने के लिए रील एवं टेडंर के माध्यम से अनुबंध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 120 गोदाम निर्माण के लिए स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

पशुपालक और मत्स्य पालकों को भी मिलेगा ऋण

आंजना ने फसली ऋण योजना में पशुपालकों और मत्स्य पालकों को जोड़े जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस साल तीन लाख नए किसानों को फसली ऋण का वितरण होना है। उन्होंने ग्राम सेवा सहकारी समितियों में निर्मित होने वाले गोदामों के लिए डिजाइन प्रारूप एवं गाइडलाइन जारी करन के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए और इनकी गुणवत्ता के की जिम्मेदारी सीसीबी के प्रबंध निदेशकों को दिए जाने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि अपेक्स बैंक पैक्स कम्प्यूटराईजेशन की प्रक्रिया में गति लाए ताकि समय पर किसानों को योजनाओं का लाभ और मॉनिटरिंग में सुविधा मिल सके। सहकारिता मंत्री ने कहा कि स्टेट क्रेडिट को.ऑपरेटिव सोसायटियों की ऑडिट विभागीय ऑडिट निरीक्षक से करवाई जाए। साथ ही मल्टी स्टेट क्रेडिट को.ऑपरेटिव सोसायटियों के निरीक्षण की भी समुचित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के बीमा से संबंधित प्रीमियम की राशि ऋण वितरित होते ही बीमा कंपनी को मिल सके इसके लिए मैकेनिज्म तैयार किया जाए ताकि किसान को समय पर बीमा लाभ मिल सके। उन्होंने सौर ऊर्जा से जुडने वाली 500 जीएसएस में गुणवत्ता का ध्यान रखे जाने के निर्देश भी दिए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत ने कहा कि मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति से संबंधित तथ्यों की विशेष मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि बीमा से संबंधित संपूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जा रहा है ताकि कोई समस्या नहीं रहे।

आईटीआई अतिथि अनुदेशकों की पीड़ा, विभाग से लॉकडाउन वेतन के नहीं हो रहे आदेश, मंत्री चांदना से फिर लगाई गुहार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के मुखिया अशोक गहलोत ने भले ही संविदाकर्मियों एवं अन्य श्रेणी में आने वाले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को लॉकडाउन अवधि के वेतन के आदेश जारी कर बड़ी सौगात दे दी हो लेकिन प्रदेश के ही आईटीआई विभाग में कार्यरत अतिथि अनुदेशकों के लिए यह आदेश केवल कोरा सपना ही बनकर रह गया है। गौर करने वाली बात यह है कि जब पिछले कोरोना काल में स्वयं मुख्यमंत्री गहलोत ने आईटीआई गेस्ट फैकल्टी को आदेश के अनुसार संविदाकर्मी या अन्य श्रेणी में मानते हुए अलग से बजट जारी कर लॉकडाउन अवधि के वेतन का भुगतान करवाया था तो फिर इस बार विभाग क्यों वेतन देने के आदेश नहीं निकाल रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की दस्तक के बाद अप्रैल माह से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बंद है?। ऐसे में इन संस्थानों में कार्यरत अतिथि अनुदेशक घर बैठकर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अध्ययन करवा रहे हैं लेकिन तीन माह से भी अधिक समय गुजर जाने के बाद भी संस्थानों के प्रिंसिपल द्वारा अभी तक न तो उनको लॉकडाउन अवधि का वेतन दिया गया है और न ही ऑनलाइन क्लास का। इसके चलते अतिथि अनुदेशकों के आर्थिक हालात खस्ता हो गये हैं तथा भूखे मरने तक की नौबत आ गई है। अतिथि अनुदेशकों द्वारा जब संस्थान के अधिकारियों से वेतन बनवाने की मांग की जा रही है तो वे आगे विभाग से आदेश आने का हवाला देकर टरका रहे हैं। वहीं अतिथि अनुदेशकों के अनुसार कई संस्थानों द्वारा अतिथि अनुदेशकों को ऑनलाइन क्लास के हिसाब से एक घंटे का वेतन लेने का दबाव बनाया जा रहा है जबकि अनुदेशकों द्वारा दो घंटे के हिसाब से वेतन की मांग की जा रही है। अतिथि अनुदेशकों ने खेल मंत्री अशोक चांदना से गुहार लगाते हुए मांग की है कि लॉकडाउन वेतन देने के अलावा उन्हें कम से कम दो घंटे का ऑनलाइन क्लास लेने का वेतन का भुगतान विभाग से करवाया जाए।

लॉकडाउन अवधि और ऑनलाइन क्लास का हो भुगतान

अतिथि अनुदेशकों का कहना है कि उन्हें पिछले कोरोना काल की तरह लॉकडाउन अवधि का वेतन देने के साथ कम से कम दो घंटे के समय का ऑनलाइन कक्षाएं लेने का भी भुगतान विभाग द्वारा किया जाए। इस संबंध में अतिथि अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अशोक चांदना से कार्रवाई कर वेतन भुगतान करवाने की मांग की है।

10वीं-12वीं के रिजल्ट 31 से पहले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को गंभीरता से लिया है। 10वीं व 12वीं के रिजल्ट लगभग तैयार हो चुके हैं। 10वीं की मार्किंग 15 जुलाई तक बोर्ड के पास पहुंच जाएगी, जबकि 12वीं में व्यावसायिक शिक्षा को छोड़ शेष के मार्क्स अपडेट हो चुके हैं। 31 जुलाई से पहले रिजल्ट घोषित कर दिए जाएंगे। RBSE के चेयरमैन डी.पी. जरोली ने बताया कि अधिकांश मार्क्स आ चुके हैं। इसके बाद भी काफी काम होता है। यह तय है कि 31 जुलाई से पहले दोनों रिजल्ट स्टूडेंट को दे दिए जाएंगे। जरोली ने बताया कि हर साल की तरह मार्कशीट भी बच्चों को मिलेगी। अब तक इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। वैसे इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं है। मार्कशीट भी उसी समय तैयार होगी।

स्कूल पर है रिजल्ट देने की जिम्मेदारी

इस बार रिजल्ट देने की सारी जिम्मेदारी स्कूल पर ही है। परीक्षा नहीं होने के कारण दोनों क्लासेज के स्टूडेंट्स को प्रमोट किया जा रहा है। दसवीं के स्टूडेंट्स को जहां आठवीं, नौवी व दसवीं के सेशनल मार्क्स के आधार पर मार्क्स दिए जा रहे हैं, वहीं बारहवीं के स्टूडेंट्स को दसवीं, ग्यारहवीं व बारहवीं के मार्क्स पर पास किया जा रहा है। बारहवीं में प्रैक्टिकल एग्जाम के अलावा सेशनल मार्क्स ही आधार हैं।

12वीं के मार्क्स पहुंचे, 10वीं के 15 तक

RBSE ने 12वीं के स्टूडेंट्स के मार्क्स भेजने के लिए स्कूलों को 7 जुलाई तक का समय दिया था। बाद में इसे बढाकर 10 जुलाई कर दिया था। इसी तरह 10वीं के मार्क्स 12 जुलाई तक मांगे गए थे। इसे भी बढ़ाकर अब 15 जुलाई कर दिया गया है। ऐसे में 12वीं के मार्क्स पहुंच गए हैं। 10वीं के परसों तक पहुंच जाएंगे। प्रैक्टिकल के मार्क्स भी RBSE को मिल गए हैं। सिर्फ व्यावसायिक शिक्षा के मार्क्स शेष रह गए हैं। 31 जुलाई से पहले यह काम भी पूरा हो जाएगा।

आदर्श पार्क की तर्ज़ पर सर्कल विकसित करेगा आवाज़ फ़ाउंडेशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चोमूँ। शहर के राधास्वामी बाग तिराहे पर कचरे से सटी हुई आज़ाद सर्कल के अब अच्छे दिन शुरू हो गये है। आज से एक महीने पहले इस सर्कल पर जहाँ देखो जिधर देखो सिर्फ़ कचरे के ढेर नज़र आते थे पर शहर के युवाओं द्वारा संचालित आवाज़ फ़ाउंडेशन की मुहिम स्वछ चोमूँ हरा भरा चोमूँ से इस सर्कल की तश्वीर बदलने लग गयी है। अब इसमें कचरे की जगह एक साफ़ सुथरा मैदान और लहलहाते नए पेड़ पौधे दिखना शुरू हो गये है।

पर्यावरण प्रेमी प्रदीप तिवारी ने बताया की आवाज़ फ़ाउंडेशन के युवाओं ने इस सर्कल को गौद ले लिया है तथा यहाँ की सम्पूर्ण देखरेख उनके द्वारा ही की जा रही है। सदस्य CA दयानन्द देव ने बताया की हमारी टीम पिछले एक महीने से लगातार यहाँ काम कर रही है परंतु यहाँ के हालात बहुत ख़राब होने के कारण इस सर्कल को पूर्णतया विकसित करने में अभी भी काफ़ी समय लगना बाक़ी है। अभी इस सर्कल पर सिर्फ़ छाँयादार पेड़ पौधे लगाये जा रहे है , तथा इनके विकसित होने पर यहाँ साज सजावट वाले पौधे और लगाकर यहाँ आदर्श पार्क बनाया जाएगा। नगरपालिका चेयरमैन विष्णु सैनी ने भी युवाओं द्वारा किए जा रहे इस कार्य को सराहा तथा उन्हें हर प्रकार की सहायता का आश्वासन दिया। चेयरमैन ने बताया की नगरपालिका स्वच्छ चोमूँ हरा भरा चोमूँ के संकल्प के लिए प्रतिबध है, तथा इसी तर्ज़ पर फ़ाउंडेशन के सहयोग से आने वाले समय में और भी पार्क विकसित करेगी। सर्कल के आसपास के दुकानदारों ने भी इस छेत्र को साफ़ सुथरा रखने की शपथ ली तथा आवाज़ फ़ाउंडेशन के इस कार्य को सराहा। इस अवसर पर Dr. JP सैनी ,सुरेंद्र कुमावत, विजयपाल खातोंदिया, प्रकाश यादव, विजय जांगिड, CA राहुल योगी, CA अनिल सैनी, CA हिमांशु अग्रवाल, CA शंकर लाल, दिलीप राठौर, अंशुल कुमावत,मुकेश चौधरी, योगेश शर्मा, ऋष्ण कुमार गुरुजी, काना सैनी सहित फ़ाउंडेशन के कई कार्यकर्ता उपस्तिथ थे।

रणथम्भौर में फिर बढ़ा बाघों का कुनबा

दो शावकों के साथ नजर आई बाघिन एरोहेड टी- 84

अब 70 पर जा पहुंची संख्या, 2005 में थे सिर्फ 22 टाइगर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। रणथंभौर में एक बार फिर बाघों के कुनबे में दो और सदस्यों की बढ़ोतरी हो गई है। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के जोन नम्बर दो में बाघिन ऐरोहेड टी - 84 ने दो शावकों को जन्म दिया है। इनको मिलाकर अब इस रिजर्व में बाघों की संख्या 70 हो गई है। यह संख्या अब तक की सबसे अधिक बताई गई है। वर्ष 2004-05 में जब सरिस्का में शिकार के कारण बाघ खत्म हो गए थे, तब यहां बाघों की संख्या करीब 22 के आसपास थी। बाघिन एरोहेड टी -84 नाल घाटी वन क्षेत्र मे वन कर्मियों को मंगलवार दो शावकों के साथ नजर आई। दोनों की किलकारी भी वन विभाग के कर्मचारियों ने सुनी। यह बाघिन काफी समय से बहुत कम नजर आ रही थी। बताया जा रहा है कि ऐसा तब ही होता है, जब बाघिन प्रजनन की स्थिति में होती है या शावकों को जन्म दे चुकी होती है। वह कई दिन तक अपने शावकों को अपने से दूर नहीं करती और उनको धीरे-धीरे ही बाहरी वातावरण का अहसास कराती है। ऐसे में जंगल में किसी भी समय किलकारी गूंज सकती है, ऐसी उम्मीद की जा रही थी। अब इसकी पुष्टि मंगलवार को वन विभाग ने कर दी है।

तीसरी बार दिया शावकों को जन्म

बाघिन एरोहेड टी -84 ने तीसरी बार शावकों को जन्म दिया है। इससे पहले भी यह बाघिन दो बार शावकों को जन्म दे चुकी है। पूर्व में पहली बार एरोहेड ने दो शावकों को जन्म दिया था। ये शावक नालघाटी पर बाघिन के साथ दो शावक नजर आए थे। वे भी कुछ दिनों के बाद लापता हो गए, जिनका आज तक वन विभाग कुछ पता नहीं लगा सका। इसके बाद साल 2018 में बाघिन ने दो फीमेल शावकों को जन्म दिया, जिन्हें रिद्धि व सिद्धि के नाम दिया गया था। पूर्व में वन विभाग की ओर से इन्हें टी-123 व टी-124 नम्बर दिए थे। यह बाघिन वर्तमान में जोन तीन व चार में विचरण करती है।

पार्टी से इतर सियासी जमीन मजबूत करते किरोड़ी लाल मीणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा में चल रही गुटबाजी के बीच कई नेता इन दिनों अपनी सियासी जमीन मजबूत करते नजर आ रहे हैं। राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा भी इन दिनों इसी काम में जुटे हैं। पार्टी के धरने-प्रदर्शनों से दूर रहकर मीणा इन दिनों कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरते दिख रहे हैं। पिछले दो-तीन महीनों में मीणा ने विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर सरकार को चेताया है। हालांकि उन्होंने पार्टी को सर्वोपरि बताया। लंबे समय तक भाजपा में लौटे मीणा को पार्टी ने राज्यसभा से सांसद बनाया। इसके बाद मीणा अपने पुराने अंदाज में विरोध–प्रदर्शन कर ताकत दिखा रहे हैं। खास बात यह है कि ये विरोध–प्रदर्शन पार्टी के बैनर तले नहीं बल्कि खुद मीणा के दमखम पर हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों में पार्टी का कोई दूसरा नेता नजर भी नहीं आ रहा है। इस दौरान यह सवाल भी उठ रहा है आखिर वो पार्टी से अलग-थलग इस तरह के प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं।

ये प्रदर्शन करते दिखे मीणा

- दो जून को सवाई माधोपुर में हुई हत्या के विरोध में कलेक्ट्रेट पर विरोध–प्रदर्शन
- 19 जून कोरोना की वजह से अनाथ हुए बच्चों को सहायता देने के लिए मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना
- 28 जून को कम्प्यूटर शिक्षकों की मांग को लेकर आवाज बुलंद की
- 1 जुलाई को महिलाओं के साथ बढ़ते अत्याचार को लेकर कमिश्नरेट पहुंचे, आईबी को भनक तक नहीं लग पाई
- 2 जुलाई को लालसोट पुलिस थाने के बाहर दिया धरना
- 7 जुलाई को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अजय माकन को कई मामलों को लेकर ज्ञापन सौंपा
- 8 जुलाई को जनजाति क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों को लेकर डीजीपी एमएल लाठर से मिलकर दिया ज्ञापन
- 9 जुलाई को जयपुर नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की नियमितिकरण की मांग को लेकर टोंक रोड जाम किया
- 11 जुलाई को बिजली निगम की उपभोक्ताओं से लूट और इंटर डिस्कॉम स्थानांतरण नीति विरोध में जवाहर सर्किल पर धरना

विभिन्न योजनाओं में खाली पड़े भूखंडों को करेगा नीलाम

जेडीए जमीन से कमाएगा 'धन'

जेडीसी ने राजस्व अर्जित करने के लिए जोन उपायुक्तों को दिए निर्देश

नई आवासीय योजनाओं के लिए भूमि चिह्नित करने के भी निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जेडीए अपना खजाना भरने के लिए विभिन्न आवासीय योजनाओं में खाली पड़ी जमीनों को नीलाम करेगा। इसके लिए जेडीए आयुक्त गौरव गोयल ने सभी जोन उपायुक्तों को ऐसे भूखंडों को नीलाम करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही नई आवासीय योजना के लिए भूमि चिन्हित करने के निर्देश जारी किए है। जेडीए आयुक्त गौरव गोयल ने मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक सभी जोन उपायुक्तों को राजस्व अर्जित करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने निजी खातेदारी की पुरानी योजनाओं में 12.5 प्रतिशत रहन रखे भूखण्डों की जोनवार समीक्षा की। बैठक में जोन उपायुक्तों को विकासकर्ताओं की ओर से समयावधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इससे रहन रखे गये भूखण्डों की नीलामी कर योजनाओं में विकास कार्य करवाने की बात कही। आकेड़ा चौड में वेयर हाउस स्कीम के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बी-2 बायपास के पास होगी नई योजना सृजित

जोन उपायुक्त-04 की ओर से बताया गया कि जोन 4 में बी-2 बायपास के पास 4 हजार वर्गमीटर भूमि पर नवीन योजना सृजित करने का प्रस्ताव निदेशक आयोजना को भिजवाया गया है।

यहां से करेंगे धन इकट्ठा

- रिंग रोड परियोजना में स्थित कॉर्नर भूखण्डों को नीलामी किया जाएगा।
- उपायुक्त जोन-1 को विनोबा नगर में भूखण्ड के प्रकरण में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।
- जोन-8 में पत्रकार कॉलोनी में उपलब्ध, रिक्त भूखण्डों का चिह्निकरण कर शीघ्र नीलाम किए जाएंगे।
- जोन-9 में निलय कुंज विस्तार, महल योजना, रामनगरिया विस्तार, सेन्ट्रल स्पाईन में स्थित कॉर्नर भूखण्डों का चिन्हिकरण कर नीलाम किया जाएगा।

इनकी होगी प्लानिंग

- जोन-2 में फौजी कच्ची बस्ती की रिक्त भूमि की प्लानिंग की जाएगी।
- जोन उपायुक्त 4 की ओर से बताया गया कि जोन 4 में बी-2 बायपास के पास 4 हजार वर्गमीटर भूमि पर नवीन योजना सृजित करने का प्रस्ताव निदेशक आयोजना को भिजवाया गया है।
- जोन-7 में सिरसी में जेडीए स्वामित्व की भूमि के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करने और चित्रकूट योजना में स्थित कॉर्नर भूखण्डों का चिन्हिकरण कर शीघ्र नीलाम करने की योजना
- जोन-3 में लालकोठी विधायक आवास की भूमि की प्लानिंग होगी

ये भी निर्देश

जोन-12 में सरना चौड में बंजारा, मीरासी, गाड़िया लुहार एवं अर्द्धघुमन्तु जातियों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास से पिछड़े परिवारों को नि:शुल्क भूखण्ड आवंटन कर करने के लिए योजना विकसित की जाएगी।